राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

बकाया स्टाइपेंड का भुगतान न होने के कारण रांची के रिम्स डेंटल कॉलेज के इंटर्न छात्रों ने काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दिया जिससे दंत चिकित्सा सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं

• बोकारो, बुधवार 16 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 122 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

रेलवे अर्बन कोऑपरेटिव बैंक में नौकरी का मौका, 17 सितंबर से आवेदन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। रेलवे अर्बन कोऑपरेटिव बैंक ने ग्रुप सी श्रेणी के 35 पदों पर सीधी भर्ती की घोषणा की है। इस भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवार 17 सितंबर से 16 नवंबर तक आवेदन फार्म जमा कर सकेंगे। बैंक प्रबंधन ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए अपनी सभी शाखाओं और एक्सटेंशन काउंटरों पर आवेदन फार्म उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। सोसाइटी के अध्यक्ष एसपी सिंह के अनुसार भर्ती का उद्देश्य शेयरधारकों, सदस्यों और कर्मचारियों के आश्रितों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। कुल 35 रिक्तियों में सबसे ज्यादा 25 पद कनिष्ठ क्लर्क सह कंप्यूटर सहायक के हैं। इसके अलावा छह पद केयरटेकर सह इलेक्ट्रिशियन, दो पद अकाउंट्स असिस्टेंट, एक पद मुख्य प्रबंधक के पीएस और एक पद स्टेनोग्राफर के लिए निर्धारित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी अधिकतम दो पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों की आयु की गणना 1 सितंबर की स्थिति के आधार पर की जाएगी। इसके लिए 12 रिकवरी अथवा शेयर प्रमाण पत्र जारी होने की 12 महीने की अवधि, जो भी पहले हो, पूरी होना अनिवार्य है। प्रत्येक पद के लिए आवेदन शुल्क 700 रुपये निर्धारित किया गया है जबकि आवेदन फार्म की कीमत 10 रुपये रखी गई है। अभ्यर्थियों की अंतिम मेधा सूची भर्ती प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों में मिले अंकों को जोड़कर तैयार की जाएगी। चयन के लिए सबसे पहले 100 अंकों की कंप्यूटर आधारित परीक्षा यानी सीबीटी होगी। इसके बाद 10 अंकों का कंप्यूटर कौशल परीक्षण और 10 अंक का साक्षात्कार यानी वाइवा-वोइस लिया जाएगा। इसके अलावा पांच अंकों की समूह चर्चा यानी जीडी और पांच अंकों का ड्राफ्टिंग टेस्ट भी होगा। अंतिम चयन से पहले सभी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन कराया जाएगा। इसके साथ ही मेडिकल टेस्ट और पुलिस सत्यापन भी अनिवार्य होगा। सभी चरणों में प्रदर्शन के आधार पर अंतिम मेधा सूची तैयार की जाएगी और उसी के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा।

सिमडेगा में लाह उत्पादन की अपार संभावनाएं : कृषि मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सिमडेगा। जलडेगा प्रखंड के गांगुटोली मिशन मैदान में आयोजित कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा मंगलवार को आयोजित एक दिवसीय लाह प्रसंस्करण कार्यशाला किसानों के बीच कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के पहुंचीं। जेएसएलपीएस की दीदियों ने पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। मंत्री के आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। इस कार्यक्रम में कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि सुदूर आदिवासी बहुल क्षेत्र में पहुंचकर मंत्री का किसानों से सीधा संवाद करना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि सदन में किसानों की समस्याओं और हाथियों से होने वाले नुकसान का मुद्दा उठाया गया था। किसानों की आय बढ़ाने के लिए लाह की खेती को बढ़ावा देने की पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं कृषि मंत्री ने कहा कि पैसे पेड़ पर नहीं उगते लेकिन लाह की खेती से मेहनत करने वाले किसानों के पेड़ों पर पैसे जरूर उगेंगे। उन्होंने कहा कि सिमडेगा में लाह उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। वैज्ञानिक तरीके से खेती करने पर किसान लाखों रुपये तक की आमदनी कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से सिमडेगा की बेटी निशि डांग से प्रेरणा लेने की अपील की, जिन्होंने प्रतिष्ठित संस्थान से शिक्षा लेने के बाद भी अपनी माटी, संस्कृति और परंपरा से जुड़कर लाह की खेती को अपनाया। इस कार्यशाला के बाद मंत्री कोनमेरला पंचायत के केउन्द टोली पहुंचीं और लाह की खेती का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से उत्पादन, खेती की प्रक्रिया और समस्याओं की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि समय पर लाह के उन्नत बीज उपलब्ध नहीं होने से खेती प्रभावित होती है। इस पर मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को जलडेगा में गुणवत्तापूर्ण लाह बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को बीज के लिए भटकना ना पड़े। मंत्री ने बताया कि रांची में लाह की खेती का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने किसानों से प्रशिक्षण लेकर वैज्ञानिक विधि अपनाने, पलायन छोड़कर स्थानीय स्तर पर कृषि गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। मंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से क्षेत्र में लाह उत्पादन की वर्तमान स्थिति, इसकी संभावनाओं और इससे ग्रामीणों को मिल रहे लाभ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला में लाह उत्पादन, प्रसंस्करण, तकनीक, बाजार और आय की संभावनाओं की जानकारी दी गई। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी माधुरी टोप्पो, बीडीओ डॉ. प्रवीण कुमार, कोनमेरला मुखिया अनीमा तोपनो, लोम्बोई मुखिया शिशिर डांग समेत जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

कुख्यात अपराधी अनिल सिंह की गोली मारकर हत्या

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के संताल परगना क्षेत्र के कुख्यात अपराधी अनिल सिंह देवघर जिले के सारवां थाना क्षेत्र अंतर्गत देवपहरी गांव के पास पहाड़ी की झाड़ियों में मृत मिला। अपराधियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी और पहचान छिपाने की नीयत से उसका चेहरा बुरी तरह कुचल दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस को मृतक की जेब से आधार कार्ड और छह जिंदा कारतूस मिले। घटनास्थल से लगभग 100 मीटर की दूरी पर सफ़ेद रंग की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई जो अनिल सिंह की मां के नाम पर पंजीकृत है। अनिल के हाथ पर बने विशेष टैटू से पुलिस ने उसकी शुरुआती पहचान की, जिसकी पुष्टि बाद में उसकी बहन ने की। चेहरा बुरी तरह क्षत-विक्षत होने के कारण पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। संदेह को दूर करने के लिए पुलिस डीएनए जांच की प्रक्रिया भी पूरी कर रही है। प्राथमिक अनुमान के अनुसार बदबूदार शव मिलने से यह संभावना जताई जा रही है कि हत्या दो से तीन दिन पहले की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट से श्वेता गुप्ता को झटका, जमानत याचिका खारिज

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में अनियमितता के मामले में जेल में बंद तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता को मंगलवार को अदालत से बड़ा झटका लगा। रांची स्थित सीआईडी की विशेष अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान सीआईडी और बचाव पक्ष की ओर से रखी गई दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने श्वेता गुप्ता को जमानत देने से इनकार कर दिया।

ट्रिपल मर्डर केस में 11 आरोपित दोषी करार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। ओरमांझी के गुंजा देवन जारा गांव में हुए ट्रिपल मर्डर केस में अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार की कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले में एक महिला समेत 11 आरोपी को दोषी करार दिया है। 17 सितंबर को उनकी सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी। कोर्ट ने जिन लोगों को दोषी करार दिया है उनमें सहजनाथ बेदिया, राजो देवी, संजीत बेदिया, रंजीत बेदिया, हेमंत बेदिया, महेंद्र बेदिया, पंचित बेदिया, कामेश्वर बेदिया, बेदिया बेदिया, अनुज बेदिया और सुकरा मुंडा शामिल हैं।

वृंदाहा जलप्रपात से लापता छात्र का नहीं मिला सुराग

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के तिलैया थाना इलाके में स्थित वृंदाहा वॉटरफॉल से एक छात्र लापता हो गया है। बिहार के जहानाबाद से अपने शिक्षक और दोस्तों के साथ घूमने आया सागर बुधवार को गायब हुआ था। छह दिन बीत जाने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल पाया है। जहानाबाद के एक निजी कोचिंग संचालक अपने कुछ छात्रों के साथ झुमरी तिलैया घूमने आए थे। वृंदाहा वॉटरफॉल में नहाते समय छात्र सागर कुमार के पानी में डूबने की आशंका जताई गई थी। पहले स्थानीय गोताखोरों ने सागर को ढूंढने की कोशिश की लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

बोकारो में महिला से चेन स्नेचिंग

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। चास के बिंदीताड़ इलाके में मंगलवार को दिनदहाड़े एक महिला से चेन छिनतई की घटना हुई। बाइक सवार दो बदमाशों ने महिला के गले से सोने की चेन और पेंडेंट झपट लिया। छीनी गई चेन और पेंडेंट की कुल कीमत करीब दो लाख रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार कैलाश बिहार की रहने वाली विभा मालाकार मंगलवार सुबह सब्जी खरीदने निकली थी तभी इस घटना को अंजाम दिया गया।

घूस लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। जिले में भ्रष्टाचार के विरुद्ध एसीबी, हजारीबाग की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी की टीम ने सदर अंचल के हल्का-7 के राजस्व कर्मचारी सतीश प्रसाद को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई सदर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित कर्मचारी भवन में की गई। राजस्व कर्मचारी की गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम उसके कार्यालय में दस्तावेज और संबंधित अभिलेखों को खंगालने के बाद उसे अपने साथ हजारीबाग ले गई है। इस कार्रवाई के बाद प्रखंड सह अंचल कार्यालय में हड़कंप मच गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हजारीबाग के एसपी आरिफ इकराम ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि गिद्धौर थाना क्षेत्र के नया खाप निवासी तुलसी यादव ने लिखित शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जमीन का म्यूटेशन कराने के एवज में राजस्व कर्मचारी सतीश प्रसाद द्वारा उनसे 30 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। एसपी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने आरोपों का सत्यापन किया। शिकायत सही पाए जाने के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। मंगलवार को कर्मचारी द्वारा आवेदक से रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 15 हजार रुपये लिए जा रहे थे। इसी दौरान एसीबी की टीम ने कर्मचारी भवन में सतीश प्रसाद को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीम आरोपी राजस्व कर्मचारी को अग्रेतर कार्रवाई के लिए हजारीबाग ले गई है। एसपी ने बताया कि वहां आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जाएगा।

फर्नीचर दुकान से लाखों की चोरी

चोरों ने दुकान में लगायी आग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के धनसार थाना से सिर्फ 50 मीटर दूर विश्वकर्मा फर्नीचर दुकान में सोमवार देर रात चोरी हो गई। चोरों ने दुकान का ताला तोड़ने के साथ ही करकट की छत भी तोड़ दी। दुकान में आग लगाने की बात भी सामने आई है। दुकान मालिक के अनुसार इस घटना में लगभग 22 हजार रुपए नकद और मशीनों समेत करीब दो लाख रुपए का सामान चोरी हुआ है। दुकान मालिक राम बाबू शर्मा ने बताया कि उन्हें रात में दुकान से धुआं निकलने की जानकारी मिली थी। जब वे वहां पहुंचे तो देखा कि दुकान की करकट की छत टूटी हुई थी और अंदर आग लगी थी। आग बुझाने के बाद दुकान चेक की गई तो सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर दुकान में रखे 22 हजार रुपए नकद और लगभग दो लाख रुपए की मशीनें व अन्य सामान लेकर भाग गए। आग से कुछ मशीनें खराब भी हो गईं। इस चोरी की जानकारी सुबह धनसार पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक करना शुरू कर दिया है। पुलिस चोरों की पहचान और चोरी के तरीके की जांच कर रही है। थाना के ठीक बगल में हुई इस चोरी की घटना से आसपास के दुकानदारों को भी चिंता है। दुकानदारों का कहना है कि पुलिस स्टेशन से इतनी कम दूरी पर चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाता है।

परिसीमन को लेकर विशेष सत्र बुलाने का सुझाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। प्रस्तावित परिसीमन के संभावित असर को लेकर आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के नेतृत्व में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर झारखंड में आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बनाए रखने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि परिसीमन केवल मौजूदा जनसंख्या के आधार पर नहीं होना चाहिए। झारखंड के पांचवीं अनुसूची वाले क्षेत्रों की विशेष स्थिति, आदिवासी इलाकों की सामाजिक और भौगोलिक स्थिति, विस्थापन, पलायन और पिछले कई वर्षों में हुए जनसंख्या बदलाव को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने आशंका जताई कि प्रस्तावित परिसीमन से झारखंड में विधानसभा और लोकसभा सीटों के अनुपात में बदलाव हो सकता है। इसका असर आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर पड़ सकता है। इसलिए मांग की गई कि परिसीमन के बाद आदिवासी समाज का मौजूदा राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम नहीं होना चाहिए। विधानसभा और लोकसभा में सीटें बढ़ती हैं तो अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी की जाए। राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल को सुझाव दिया कि इन मांगों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सामने भी रखा जाए। राज्य सरकार इस विषय पर गंभीरता से चर्चा करे और विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर परिसीमन को लेकर स्पष्ट प्रस्ताव पारित करे। इसके बाद प्रस्ताव को राज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजने की दिशा में पहल की जा सकती है। प्रतिनिधिमंडल ने संविधान की पांचवीं अनुसूची के पैरा-3 का हवाला देते हुए राज्यपाल से राष्ट्रपति को रिपोर्ट भेजने की भी मांग की।

कुलपति दिनेश सिंह को तत्काल पद से हटाएं : वित्त मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति गड़बड़ी से संबंधित सबूत में छेड़छाड़ कर सकते हैं। इसलिए वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज्यपाल से कुलपति दिनेश सिंह को तत्काल पद से हटाने का अनुरोध किया है। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर इस सिलसिले में ज्ञापन भी दिया है। राज्यपाल को दिये गये ज्ञापन में कहा गया है कि कुलपति द्वारा की जा रही गड़बड़ी के सिलसिले में मार्च और दिसंबर 2025 में ज्ञापन दिया गया था। उनके द्वारा बरती गयी अनियमितताओं के आलोक में राज्यपाल सचिवालय से जांच का आदेश दिया गया था। इस आदेश के मद्देनजर वित्त विभाग के द्वारा स्पेशल ऑडिट कराया गया था। इसमें करोड़ों रुपये के गबन और वित्तीय अनिमितता की गड़बड़ी पायी गयी। कुलपति ने परीक्षा संचालन मद में 2.50 करोड़ रुपये अनियमत भुगतान किया। दीक्षांत समारोह में 79.35 लाख रुपये बजट प्रस्तावित था लेकिन राज्यपाल सचिवालय से इसपर सहमति लिये बिना ही राशि खर्च कर दी गयी। डिजिटल बोर्ड के क्रय के लिए 2021-22 में 80 लाख रुपये का आवंटन था। इसे पीएल खाते में रखा गया था। इस राशि का इस्तेमाल कुलपति ने अपने ही स्तर से कर लिया। नियमानुसार पीएल खाते में पड़ी राशि दो साल के बाद खर्च करने के लिए सरकार की अनुमति आवश्यक है। वित्त मंत्री द्वारा दिये गये ज्ञापन में कहा गया कि स्पेशल ऑडिट रिपोर्ट में मिली तथ्यों के आधार पर कुलपति का वित्तीय और प्रशासनिक आदेश जब्त कर लिया गया है। बावजूद वह अपनी प्रशासनिक शक्तियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिए उन्हें तत्काल पद से हटाया जाना जरूरी है। पद से नहीं हटाये जाने की स्थिति में कुलपति द्वारा वित्तीय अनियमितता और गबन से संबंधित सबूतों में छेड़छाड़ किये जाने की आशंका है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में जबरदस्त हंगामा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में मंगलवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ। सैटेलाइट चौक से लेकर राजद कार्यालय तक रांची नगर निगम और एचईसी की जमीन पर किए गए कथित अतिक्रमण को हटाने पहुंची टीम को स्थानीय लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। कार्रवाई के दौरान एक दर्जन से अधिक घरों को तोड़े जाने के बाद लोगों का आक्रोश बढ़ गया और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध होने लगा। लोगों का आरोप था कि बिना उनकी समस्याओं का उचित समाधान किए उनके घरों को तोड़ा जा रहा है। घर टूटते देख कई परिवार अपने सामान को बचाने में जुट गए। सड़क किनारे बिखरे घरेलू सामान के बीच लोग अपने सामान को सुरक्षित स्थान पर ले जाते नजर आए। इस दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। कार्रवाई का विरोध कर रहे लोगों ने जेसीबी को चारों तरफ से घेर लिया। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब कुछ लोग जेसीबी पर ही चढ़ गए और कार्रवाई रोकने की मांग करने लगे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने लोगों को नीचे उतारने और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच जमकर कहासुनी और तनातनी हुई। पुलिस लगातार लोगों को समझाने का प्रयास करती रही लेकिन घर टूटने से नाराज लोग पीछे हटने को तैयार नहीं थे। बड़ी संख्या में लोगों के सड़क पर जमा होने के कारण मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। अतिक्रमण हटाने के विरोध में लोगों के सड़क पर उतरने का असर यातायात व्यवस्था पर भी पड़ा। सैटेलाइट चौक से राजद कार्यालय की ओर जाने वाली बाईपास सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। लोगों ने सड़क पर खड़े होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की। काफी देर तक सड़क पर हंगामा और विरोध प्रदर्शन चलता रहा। यातायात को सामान्य कराने के लिए पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। विरोध और भारी हंगामे के बीच मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारी लगातार लोगों को समझाने और सड़क खाली कराने का प्रयास करते रहे। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त बल भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और उसके विरोध को लेकर इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Headquarters, Rajiv Gandhi Bhawan, Safdarjung Airport, New Delhi- 110003

EMPANELMENT OF ARBITRATOR

Airports Authority of India (AAI) invites applications for **"Empanelment of Arbitrator for resolution of disputes arising out of legal issues, contract management, infrastructure projects related to AAI."**

Form for online application is available on the official website of AAI from **10.09.2026 (09:30 AM)** to **09.10.2026 (06:00 PM)**. The applications are invited through online mode only. For Eligibility Criteria and detailed information regarding the empanelment, please visit the Airports Authority of India website at **www.aai.aero → Career → Recruitment Dashboard.**

cbc 03111/0007/2627 N-02-2026-27 (CC)

C M Y K

बीजीआर माइंस रैयत-विस्थापितों और मजदूरों को ठगना बंद करे, नहीं तो होगी तालाबंदी : सुरजीत नागवाला

केरेडारी में मजदूरों के हक में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस करेगी बड़ी जनसभा, चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत नागवाला ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बीजीआर माइंस प्रबंधन पर रैयतों, विस्थापितों और मजदूरों के साथ कथित तौर पर भेदभाव एवं धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यदि मजदूरों और रैयत-विस्थापितों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन करेगी और जरूरत पड़ने पर परियोजना में तालाबंदी एवं चक्का जाम किया जाएगा। सुरजीत नागवाला ने कहा कि एनटीपीसी की एमडीओ कंपनी बीजीआर माइंस में कार्यरत मजदूरों को तीन वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी स्किल्ड श्रेणी में अपग्रेड नहीं किया जा रहा है। मजदूरों से काम तो लिया जा रहा है, लेकिन उन्हें सामान्य अनस्किल्ड श्रेणी में ही

रखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनटीपीसी से मंजूरी मिलने के बावजूद एलएमवी चालकों के वेतन में प्रबंधन द्वारा बढ़ोतरी नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि बीजीआर माइंस में मजदूरों को 541, 568 और 638 रुपये की दर से मजदूरी दी जा रही है, जबकि उन्हें एचपीसी निर्धारित वेतन से वंचित रखा जा रहा है। कैंप में रहने वाले कामगारों को 30-31 दिनों का वेतन दिए जाने और स्थानीय मजदूरों की चार से पांच दिन की मजदूरी काटे जाने का भी उन्होंने आरोप लगाया। नागवाला ने खदान में होने वाली हैवी ब्लास्टिंग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उच्च क्षमता की ब्लास्टिंग के कारण प्रभावित ग्रामीणों के मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ रही हैं। अत्यधिक कंपन और प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा एवं स्वास्थ्य मानकों की जांच कराने की मांग की। उन्होंने बीजीआर माइंस के सीएसआर फंड के इस्तेमाल में कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। साथ ही कैंप में रहने वाले मजदूरों के लिए पर्याप्त बाथरूम की सुविधा नहीं होने तथा स्थानीय मजदूरों को सुरक्षा मानकों के अनुरूप सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराने का भी आरोप लगाया। सुरजीत नागवाला ने कहा कि बीजीआर माइंस, केरेडारी में मजदूरों के वेतन, रैयत-विस्थापितों के अधिकार, सीएसआर फंड तथा कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने इन आरोपों की जांच सक्षम एजेंसियों से कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी की चट्टी बरियातू माइनिंग के दक्षिणी कोल परियोजना के नोटिफिकेशन के कारण 11 गांवों के प्रभावित होने की स्थिति उत्पन्न हो रही है। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इसका मजबूती से विरोध करती है और रैयत, विस्थापित एवं प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। नागवाला ने बीजीआर माइंस के कार्यालय परिसर में पगार ओपी स्थापित किए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसका इस्तेमाल रैयत-विस्थापितों में भय का माहौल बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने पगार ओपी के क्षेत्राधिकार की भी जांच की मांग की। साथ ही थाना प्रभारी दिनेश कुमार मंडल पर कंपनी से कथित सांठगांठ और संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाते हुए उनकी तथा उनके परिजनों की चल-अचल संपत्ति की जांच की मांग की। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मजदूरों और रैयत-विस्थापितों की मांगों को लेकर अब राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस आर-पार की लड़ाई लड़ेगी। इसके तहत चरणबद्ध आंदोलन, जनसभा और चक्का जाम जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। केरेडारी क्षेत्र में मजदूरों के अधिकारों के समर्थन में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय के नेतृत्व में बड़ी जनसभा आयोजित करने की भी घोषणा की गई। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित एमडीआर बिल का भी राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस की ओर से विरोध करने की बात कही। प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस झारखंड शाखा के प्रदेश सचिव धीरज सिंह, बीजीआर माइंस इंटक यूनिट अध्यक्ष परमेश्वर कुमार, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता मनोज नारायण भगत, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सह बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अशोक देव, कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजय प्रजापति, जितेंद्र गोस्वामी सहित कई उपस्थित थे।

भूदान की जमीन पर कब्जे के आरोप को लेकर चौपारण में प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। करमा और कुबरी गांव में जमीन से जुड़े विवादों के समाधान की मांग को लेकर मंगलवार को पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने चौपारण प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन से जमीन संबंधी मामलों की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की। दखल दिलाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गरीब परिवार की जमीन पर यदि अवैध कब्जा हुआ है तो प्रशासन को मामले की गंभीरता से जांच करनी चाहिए। ग्रामीणों ने उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर जमीन की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। कांग्रेस जिला महासचिव विकास गुप्ता ने कहा कि यदि जांच में जमीन संतोष भुईयाँ के परिवार की

प्रदर्शन के बाद पूर्व विधायक एवं ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी संजय यादव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में करमा गांव निवासी संतोष भुईयाँ ने दावा किया कि उनके दादा स्व. काली भुईयाँ को वर्ष 1955 में भूदान यज्ञ समिति, हजारीबाग की ओर से करमा मौजा में तीन एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। संतोष का आरोप है कि वर्तमान में उक्त जमीन पर अन्य लोगों ने कब्जा कर मकान बना लिया है। संतोष भुईयाँ ने अपने आवेदन में राजदेव यादव सहित शिबा यादव, खेलावन यादव, बाजो यादव, शशि यादव, अभिजीत कुमार यादव उर्फ ललू यादव और महेंद्र यादव पर जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रशासन से जमीन की जांच कर कब्जा हटाने तथा उन्हें जमीन पर पाई जाती है तो उसे वापस दिलाने की कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं कांग्रेस जिला सचिव रेवाली पासवान ने भी जमीन से जुड़े दस्तावेजों का हवाला देते हुए प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की। अंचलाधिकारी संजय यादव ने कहा कि मामले से संबंधित आवेदन प्राप्त हुआ है। जमीन के दस्तावेजों और पूरे मामले की जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन में रामफल सिंह, लव सिंह, दिगंबर भुईयां, मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु भगत, प्रह्लाद सिंह, टुन्नू वर्णवाल, मनोज सिंह, उमेश सिंह, वसीम खान, डबलू अंसारी, पूर्व मुखिया शौकत खान, विजय गुप्ता, शकील खान समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मांडू के पूर्व विधायक जेपी पटेल का स्वागत

रामगढ़ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रांची से गिरिडीह जाने के क्रम में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हजारीबाग जिलाध्यक्ष सह मांडू के पूर्व विधायक जयप्रकाश भाई पटेल का गोला डीवीसी चौक पर झारखंड आंदोलनकारियों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान आंदोलनकारियों ने पूर्व विधायक जेपी पटेल के समक्ष अपनी मांगें रखते हुए चिन्हित आंदोलनकारियों को सम्मान स्मृति पत्र एवं सम्मान चिन्ह प्रदान करने की मांग की। आंदोलनकारियों ने कहा कि झारखंड राज्य के गठन में आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे में सभी चिन्हित आंदोलनकारियों को सम्मानित किया जाना चाहिए। आंदोलनकारियों ने कहा कि सम्मान समारोह का आयोजन जिला प्रशासन की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाए, जिसमें उपायुक्त ऋतुराज एवं रामगढ़ विधायक ममता देवी की मौजूदगी में आंदोलनकारियों को सम्मान स्मृति पत्र एवं सम्मान चिन्ह प्रदान किया जाए। इस अवसर पर आंदोलनकारियों ने रामगढ़ विधायक ममता देवी एवं पूर्व विधायक जेपी पटेल को मांग पत्र भी सौंपा। मौके पर जगमोहन रविदास, सुनील राज चक्रवर्ती, भोला मांझी, देवकी प्रसाद, आदित्य महतो, अमूल्य कुमार उपाध्याय, पर्वत राम रविदास, कुंजीलाल रविदास सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

एसआईआर की सुनवाई में लोगों का सहारा बने मोहम्मद सोहेल

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रेविशन) के तहत जारी नोटिस की सुनवाई के दौरान लोगों को हो रहीस्त्रत्र परेशानियों को दूर करने के लिए युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद सोहेल सक्रिय होकर सहयोग कर रहे हैं। वे लोगों के आवश्यक फॉर्म और दस्तावेजों का मिलान कराने के साथ साथ पूरी प्रक्रिया को समझने में भी मदद कर रहे हैं। मोहम्मद सोहेल का कहना है कि एसआईआर जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया में दस्तावेजों की जानकारी के अभाव में किसी पात्र नागरिक को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उनका प्रयास है कि लोगों को आवश्यक कागजात तैयार करने, फॉर्म भरने तथा सुनवाई की प्रक्रिया समझने में हरसंभव सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से केवल प्रक्रिया संबंधी परेशानी के कारण प्रभावित नहीं होना चाहिए।

शाहाबादी की पत्नी के निधन पर रघुवर दास ने जताया गहरा शोक

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास मंगलवार को गिरिडीह पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी के आवास पहुंचकर उनकी धर्मपत्नी के असामयिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। रघुवर दास ने शोकाकुल पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि अपनों को खोने का दुख बेहद पीड़ादायक होता है। इस कठिन समय में परिवार के साथ उनकी पूरी संवेदना है।

जनता दरबार में 40 लोगों ने रखीं समस्याएं, उपायुक्त ने त्वरित और समयबद्ध समाधान का दिया निर्देश

रामगढ़ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 40 लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने बारी-बारी से आमजनों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं। प्राप्त आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। जनता दरबार में सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन, विक्टिम कंपनसेशन स्कीम, होमगार्ड बहाली, जाति प्रमाण पत्र, अबुआ आवास योजना, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, दखल-दिहानी, मुआवजा, पेयजल, रोजगार, विद्यालय शिफ्टिंग और नाली निर्माण सहित अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। रामगढ़ प्रखंड के कोठार निवासी सरिता देवी ने विक्टिम कंपनसेशन स्कीम की राशि नहीं मिलने की शिकायत की। वहीं लाडली कुमारी ने होमगार्ड बहाली के आवेदन में सुधार, फैयाज अहमद ने जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने तथा अजीबुल्लाह ने वृद्धा पेंशन की राशि बैंक खाते में नहीं आने की समस्या रखी। उपायुक्त ने अधिकारियों को सभी मामलों की गंभीरता से जांच कर निर्धारित समय-सीमा में समाधान करने का निर्देश दिया।

कार्यालय कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोनार डैम (हजारीबाग)। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) की कोनार परियोजना में हिंदी दिवस के अवसर पर मंगलवार को हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। परियोजना के सम्मेलन कक्ष में आयोजित समारोह में परियोजना प्रधान राणा रणजीत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर 15 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक चलने वाले हिंदी पखवाड़े का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर परियोजना प्रधान राणा रणजीत सिंह ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़े की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हिंदी भारत की राजभाषा होने के साथ देश की पहचान और गौरव से जुड़ी भाषा है। कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के

अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि कार्यालयीन कार्यों में यथासंभव हिंदी का प्रयोग करें और हिंदी में ही हस्ताक्षर करने की आदत विकसित करें।उन्होंने बताया कि पखवाड़े के दौरान अधिकारी एवं कर्मचारी विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता एवं सम्मान की भावना को मजबूत करना है। समारोह के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राजभाषा हिंदी के महत्व पर अपने विचार साझा किए तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग और इसके प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया। उद्घाटन समारोह में वरीय प्रबंधक (विद्युत) विशाल यादव, प्रबंधक (विद्युत) गौतम कुमार, चंदन कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बीएन मंडल, प्रबंधक (मानव संसाधन) अंशुमान अनुतोष बी. एक्का, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एजाज अहमद, सीएसआर प्रभारी सुनील कुमार, जूनियर इंजीनियर (सिविल) राउत सोरेन, उच्च विद्यालय के प्राचार्य भरत किशोर महतो, मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेश्वर कुमार रजक, राकेश कुमार भास्कर, अमन टोप्पो, दिनेश किस्कू, मुनेश्वर लाल, महेश प्रजापति सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

रामगढ़ - रांची रोड जिनालय में मनाया जाएगा पर्युषण पर्व

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। श्री दिगम्बर जैन समाज के द्वारा जैन धर्म के पावन महापर्व पर्युषण पर्व का आयोजन 16 सितंबर से लेकर 25 सितंबर तक रामगढ़ जिनालय एवं रांची रोड जिनालय में श्रद्धायुक्त होकर भक्ति-भाव के साथ किया जाएगा। दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र चूड़ीवाल ने जानकारी साझा की गई कि इस 2026 वर्ष पर्युषण पर्व का विशेष महत्व रखता है। वहीं रामगढ़ जिनालय में आचार्य वसुनन्दी के परम प्रभावक शिष्य मुनी श्री 108 पुण्यानन्द एवं मुनिश्री 108 शुभानन्द ससंघ का पावन सानिध्य प्राप्त हो रहा है। मुनिसंघ की उपस्थिति में आयोजित होने वाले इस दस दिवसीय धार्मिक पर्व को लेकर समाज में विशेष उत्साहित है। पर्युषण पर्व के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों को भक्तिमय बनाने के लिए सागर जिले (मध्यप्रदेश) से पंडित संदीप शास्त्री तथा भिंड जिले (मध्यप्रदेश) से पार्श्व गायक अनुराग जैन एवं उनके साथी विशेष रूप से आमंत्रित किए गए। समाज के अध्यक्ष ने सभी धमार्नुरागी श्रद्धालुगणों से अपील किया गया कि वे इस पावन दस दिवसीय पर्व में अधिक संख्या में शामिल होकर संयम, तप, त्याग एवं आत्मशुद्धि के मार्ग का अनुसरण करेंगे। धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागी बनकर धर्मलाभ अर्जित करेंगे।

सड़क दुर्घटनाओं पर डीसी ने जताई चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी समेत संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त श्री शेखावत ने चिंता जताई।उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाना इससे अधिक दुखद और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने दुर्घटनाओं की मैपिंग के आधार पर अधिक दुर्घटना वाले स्थलों को चिह्नित कर वहां अलग से कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। बैठक में

बताया गया कि अगस्त 2026 में जिले में 20 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 12 लोगों की मौत और 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। जनवरी से अगस्त तक जिले में कुल 239 सड़क दुर्घटनाओं में 172 लोगों की मृत्यु तथा 155 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई के तहत अगस्त में 67 चालान जारी कर कुल ₹7,66,825 की राशि वसूली गई। बिना लाइसेंस वाहन चलाने, शराब के नशे में वाहन चलाने, बिना फिटनेस एवं परमिट, ओवरलोडिंग, बिना हेलमेट तथा बिना बीमा वाहन चलाने समेत विभिन्न मामलों में कार्रवाई की गई। वहीं, अगस्त में 45 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। जनवरी से अगस्त 2026 तक कुल 1,690 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जा चुके हैं। इनमें सर्वाधिक 1,466 मामले बिना हेलमेट वाहन चलाने से संबंधित हैं। बैठक में ब्लैक स्पॉट की समीक्षा करते हुए डुबियाखाड़, कांडा घाटी, लोहारा, पोखराहा और सतबरवा बाजार में सड़क चौड़ीकरण, साइन बोर्ड, रंबल स्ट्रिप, रिफ्लेक्टर, कन्वेक्स मिरर, बैरिकेडिंग सहित आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सड़क सुरक्षा कार्यों में तेजी लाने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई लगातार प्रभावी रखने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी प्रमोद कुमार, हुसैनाबाद एवं विधायक प्रतिनिधि, विभिन्न एसडीपीओ,जिला शिक्षा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कटकमसांडी में जनसेवा के रंग में दिखे सांसद मनीष जायसवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटकमसांडी (हजारीबाग)। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड के पश्चिमी मंडल के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान वे गणेश पूजा, धार्मिक कार्यक्रमों और ब्रह्मभोज में शामिल हुए तथा ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। दौरे की शुरूआत कटकमसांडी चट्टी से हुई, जहां उन्होंने गणेश पूजा में शामिल होकर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और क्षेत्रवासियों के सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इसके बाद हेसाकुदर में आदित्य यादव के पिता

के निधन पर आयोजित ब्रह्मभोज में शामिल होकर शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। शाहपुर में गणपति पूजा में शामिल होने के बाद सांसद ढौठवा, मारीगढ़ा और कोनहर पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने ग्रामीणों के बीच बैठकर स्थानीय समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है। दौरे के अंतिम चरण में सांसद आराभुसाई पहुंचे और मुखिया आदित्य दांगी की माता के निधन पर आयोजित ब्रह्मभोज में शामिल होकर परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

एनजीटी के आदेश के बावजूद अरगा घाट पुल के नीचे बालू खनन, उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नगर निगम क्षेत्र में एनजीटी के आदेश लागू होने के बावजूद शहर के बीचों-बीच अरगा घाट पुल के नीचे कथित रूप से खुलेआम बालू खनन किए जाने का मामला सामने आया है। नदी से बालू निकाले जाने को लेकर पर्यावरण संरक्षण और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के बीच इस तरह बालू का खनन लंबे समय से चिंता का विषय बना हुआ है। इससे नदी के प्राकृतिक स्वरूप, पर्यावरण और जलस्रोतों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। मामले को लेकर यह सवाल भी उठ

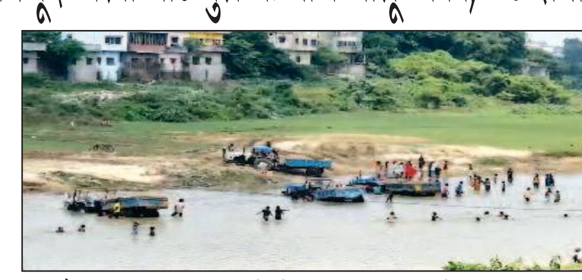

रहा है कि यदि खनन नियमों के विरुद्ध है तो शहर के बीचों-बीच यह गतिविधि कैसे चल रही है। क्या संबंधित विभाग को इसकी जानकारी नहीं है या फिर निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं? लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, खनन की अनुमति और संबंधित दस्तावेजों की जांच कराने तथा यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अब सवाल यह है कि एनजीटी के आदेश के बावजूद अरगा घाट में बालू खनन किसकी अनुमति या संरक्षण में हो रहा है? प्रशासन की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

लोकतंत्र दिवस पर विभावि में विद्यार्थियों ने की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गहन चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि) के राजनीति विज्ञान विभाग में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र से जुड़े समसामयिक एवं महत्वपूर्ण विषयों पर ग्रुप डिस्कशन कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों को ई-रिसोर्स के माध्यम से अध्ययन सामग्री खोजने और डाउनलोड करने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के लिए विद्यार्थियों को पांच समूहों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक समूह के साथ विभाग के शोधार्थियों को मेंटर के रूप में जोड़ा गया, जिन्होंने विद्यार्थियों को संबंधित विषय पर चर्चा और अध्ययन सामग्री जुटाने में मार्गदर्शन दिया। पहले समूह ने ह्वलोकतंत्र क्या है और लोकतंत्र क्यों?ह्ल विषय पर चर्चा की। समूह में मुस्कान, प्रीतम, संजीत, अफसाना, कोमल एवं विजयलक्ष्मी शामिल रहीं। शोधार्थी नीलम सोरेन और निर्मल कुमारी ने मेंटर की भूमिका निभाई। दूसरे समूह ने ह्वलोकतंत्र उन समस्याओं का बेहतर हल करता है, जिन्हें अन्य राजनीतिक प्रणालियां हल करने में सक्षम नहीं हैंह्ल विषय पर अपने विचार रखे। इसमें अनिल, राहुल, सोनी, रविरंजन शर्मा एवं अनूप शामिल हुए। समूह का मार्गदर्शन शोधार्थी पिंटू कुमार रजक ने किया। तीसरे समूह ने ह्ववैश्विक लोकतंत्र में भारत कहां और क्यों?ह्ल विषय पर चर्चा की। इसमें शिवानी, सचिन, विक्रम, प्रज्ञा एवं प्रीति ने भाग लिया। शोधार्थी विकास कुमार यादव एवं प्रतीक कुमार ने मेंटर के रूप में सहयोग किया। चौथे समूह ने ह्वलोकतंत्र की सफलता में नागरिकों की भूमिकाह्ल विषय को चर्चा के लिए चुना। समूह में छोटू, राजेंद्र, राहुल, वर्षा एवं बबली शामिल रहे। शोधार्थी संजना मासूम ने समूह का मार्गदर्शन किया। पांचवें समूह ने ह्वअंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाने की सार्थकताह्ल विषय पर विचार-विमर्श किया। इसमें सूरज, अनिशा, रूपा, मनोज एवं शीतल ने भाग लिया, जबकि शोधार्थी श्वेता प्रसाद ने मेंटर की भूमिका निभाई। ग्रुप डिस्कशन के दौरान विद्यार्थियों ने लोकतंत्र की आवश्यकता, नागरिकों की जिम्मेदारी, भारत की लोकतांत्रिक स्थिति और वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसे मुद्दों पर उत्साहपूर्वक अपने विचार साझा किए। चर्चा के बाद सभी विद्यार्थियों को केंद्रीय पुस्तकालय ले जाया गया।

हजारीबाग से ब्राजील तक उड़ान भरेंगी पृथ्वी और अनौखी

अंडर-17 विश्व विद्यालयीन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम में चयन, हर्ष अजमेरा ने किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । जिले की दो होनहार बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर दस्तक देकर हजारीबाग का गौरव बढ़ाया है। हजारीबाग में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं एथलीट पृथ्वी उरांव और अनौखी कुमारी का चयन अंडर-17 विश्व विद्यालयीन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम में हुआ है। आगामी 3 से 8 दिसंबर तक ब्राजील में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में दोनों खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। प्रतियोगिता में पृथ्वी उरांव लंबी कूद, जबकि अनौखी कुमारी 400 मीटर बाधा दौड़ में हिस्सा लेंगी। झारखंड से कुल 11 खिलाड़ियों का चयन प्रतियोगिता के लिए किया गया है। दोनों खिलाड़ियों के चयन की खबर से जिले के खेलप्रेमियों और उनके प्रशिक्षकों में उत्साह का माहौल है। गुमला निवासी पृथ्वी उरांव पिछले करीब तीन वर्षों

से हजारीबाग में रहकर लंबी कूद का प्रशिक्षण ले रही हैं। किसान परिवार से आने वाली पृथ्वी के पिता कृषि कार्य से जुड़े हैं और मां गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने नियमित अभ्यास और मेहनत के दम पर अपनी खेल प्रतिभा को निखारा। राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के बाद अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिला है। वहीं रांची निवासी अनौखी कुमारी ने 400 मीटर बाधा दौड़ में अपनी जगह बनाई है। उनके पिता भी कृषि कार्य से जुड़े हैं और मां गृहिणी हैं। हजारीबाग में रहकर लगातार अभ्यास कर रहीं अनौखी ने अपनी गति, तकनीक और फिटनेस पर विशेष मेहनत की है। अब वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश और राज्य का प्रतिनिधित्व करने को लेकर उत्साहित हैं। दोनों खिलाड़ियों की सफलता में प्रशिक्षक नीरज रॉय और अनुकंपा रूंडा का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा है। प्रशिक्षकों की देखरेख में खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, फिटनेस और प्रदर्शन को लगातार बेहतर किया। आवासीय खेल व्यवस्था ने भी उन्हें नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास का बेहतर माहौल उपलब्ध कराया। ब्राजील रवाना होने से पहले दोनों खिलाड़ियों के लिए गोवा में करीब ढाई महीने का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता को ध्यान में रखते हुए उनकी फिटनेस, तकनीक और प्रदर्शन को और धार दी जाएगी। इधर, हजारीबाग ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सह युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने अपने कार्यालय परिसर में पृथ्वी उरांव और अनौखी कुमारी को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हजारीबाग में प्रशिक्षण लेकर जिले की दो बेटियों का अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन होना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों को उनकी तैयारियों और ब्राजील यात्रा के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। हर्ष अजमेरा ने कहा कि प्रतिभा को आगे बढ़ने के लिए सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन की जरूरत होती है। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे ब्राजील में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी। पृथ्वी की लंबी छलांग और अनौखी की बाधा दौड़ की रफ्तार अब अंतरराष्ट्रीय ट्रैक पर नजर आएगी। साधारण किसान परिवारों से निकलकर दोनों बेटियों का इस मुकाम तक पहुंचना न सिर्फ उनके परिवार और प्रशिक्षकों के लिए, बल्कि हजारीबाग की नई खेल प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणा का संदेश है।

राज्यपाल से मिला आजसू शिष्टमंडल

गोमिया के पलानी गांव में गैस रिसाव और आग लगने की घटना से कराया अवगत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। गोमिया प्रखंड के पलानी गांव में पिछले 15 दिनों से मिथेन गैस रिसाव के कारण आग लगने और सीसीएल के कथारा एवं आसपास के खदानों में आग लगने से हो रहे नुकसान से अवगत कराने के लिए आजसू का एक शिष्टमंडल राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिला। प्रतिनिधिमंडल में आजसू के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक लंबोदर महतो, विधायक तिवारी महतो समेत अन्य नेता शामिल थे।

मिथेन गैस रिसाव के कारण आग लगी हुई है

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि गोमिया के कथारा और आसपास के क्षेत्रों में सीसीएल की खदानों और झरकों में आग लगी हुई है, जिससे करोड़ों रुपये मूल्य का कोयला और संपत्ति नष्ट होने की आशंका है। इसके अलावा गोमिया प्रखंड के पलानी गांव में पिछले 15 दिनों से मिथेन गैस रिसाव के कारण आग लगी हुई है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि इस मामले में सीसीएल प्रबंधन, ओएनजीसी, जिला प्रशासन और राज्य सरकार द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

आउटसोर्सिंग टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी से कराया अवगत

आजसू नेताओं ने राज्यपाल के समक्ष विनोद बिहारी महतो कोलांचल विश्वविद्यालय में आउटसोर्सिंग टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितता का भी मुद्दा उठाया और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके अलावा गोमिया के ढंडे क्षेत्र में पुल बह जाने की घटना की जांच, दोषी अधिकारियों और संवेदकों पर कार्रवाई तथा नए पुल निर्माण की मांग भी राज्यपाल के समक्ष रखी। राज्यपाल के समक्ष बोकारो नदी पर बने निम्नस्तरीय पुल की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया गया।

राज्यपाल से सभी मामलों में हस्तक्षेप का आग्रह

वहीं विधायक तिवारी महतो ने राज्यपाल का समय देने के लिए आभार व्यक्त करते हुए राधा गोविंद विश्वविद्यालय में कथित डिग्री घोटाले का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएड सहित अन्य पाठ्यक्रमों की फर्जी डिग्रियां जारी की गई हैं और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से सभी मामलों में हस्तक्षेप करते हुए राज्य सरकार और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया।

करंट की चपेट में आए युवक के परिजनों को मिला चार लाख का मुआवजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना क्षेत्र के कपूर बिगहा गांव में करंट की चपेट में आने से मृत युवक के परिजनों को मंगलवार को चार लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। मृतक की पहचान कपूर बिगहा निवासी 26 वर्षीय मृत्युंजय कुमार के रूप में हुई थी। 18 अक्टूबर 2025 को शौच के लिए जाने के दौरान वह विद्युत करंट की चपेट में आ गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। पंचायत समिति प्रतिनिधि जुबैर अंसारी ने बताया कि आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद दाउदनगर बिजली कार्यालय की ओर से मृतक की पत्नी प्रीति कुमारी को चार लाख रुपये की मुआवजा राशि प्रदान की गई। मुआवजा मिलने से परिजनों को आर्थिक सहारा मिला है।

जेपीएससी परीक्षा अनियमितता मामले में श्वेता गुप्ता को झटका, जमानत याचिका खारिज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में अनियमितता के मामले में जेल में बंद तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता को मंगलवार को अदालत से बड़ा झटका लगा। रांची स्थित सीआईडी की विशेष अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान सीआईडी और बचाव पक्ष की ओर से रखी गई दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने श्वेता गुप्ता को जमानत देने से इनकार कर दिया।

वहीं सीजीएल फर्जीवाड़ा के किंगपिन अभय तिवारी की पत्नी सुषमा कुमारी और भाई अक्षय तिवारी की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान सीआईडी ने श्वेता गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए। सीआईडी की ओर से अदालत को बताया गया कि श्वेता गुप्ता ने अपने मोबाइल फोन से व्हाट्सएप के माध्यम से परीक्षा की उत्तर कुंजी लीक की थी। सीआईडी ने उनके खिलाफ जांच में जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर करीब 1000 पन्नों की केस डायरी भी अदालत में पेश की। केस डायरी में आरोपियों की भूमिका और उनके खिलाफ जुटाए गए कई साक्ष्यों का उल्लेख किया गया है।

वहीं, श्वेता गुप्ता की ओर से अधिवक्ता ने सीआईडी के आरोपों का विरोध किया। बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि श्वेता गुप्ता की इस मामले में कोई भूमिका नहीं है और उन्हें गलत तरीके से मामले में आरोपी बनाया गया है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उनकी जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को अदालत ने जमानत देने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी।

शिक्षकों की मांग, हमारी प्राथमिकता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक संघ के शिक्षकों ने मविधायक डॉ. प्रकाशचंद्र से उनके दाउदनगर भखरुआं स्थित कार्यालय में मिलकर अपनी मांग से सम्बंधित ज्ञापन दिया। शिक्षकों ने सातवें वेतन आयोग के अनुरूप लेवल-6 से लेवल-9 तक वेतनमान एवं उचित पे लेवल प्रदान किए जाने से संबंधित मांग-पत्र सौंपा। विधायक ने शिक्षक समाज की भावनाओं और उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मिलकर इस विषय पर प्रभावी ढंग से बातचीत करूंगा। कहा कि समाधान की दिशा में हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

20 पंचायतों में सहयोग शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को मिला लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के मार्गदर्शन में जिला में कुल 20 ग्राम पंचायतों में "सहयोग शिविर" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की गई। साथ ही पूर्व से लंबित अनेक मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की गई। इस पहल से आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड एवं जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी तथा उन्हें पंचायत स्तर पर ही सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त हुआ। सहयोग शिविरों में राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन सहायता, कृषि, छात्रवृत्ति सहित विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार जिला उप विकास आयुक्त कुमारी अनुपम सिंह, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी जयप्रकाश नारायण, अपर समाहर्ता आपदा उपेंद्र पंडित, सदर अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी सहित जिले के सभी जिलास्तरीय पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा शिविरों के प्रभावी एवं सुचारु संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक सहयोग शिविर के लिए वरीय पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं सहयोगी पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को शिविर के सफल संचालन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सहयोग शिविरों का आयोजन सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुखी तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिकाधिक नागरिकों को इसका लाभ प्राप्त हो सके।

एसआइआर वेरिफिकेशन में पकड़ा गया फर्जी निवास प्रमाण पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला के हरिहरगंज थाना क्षेत्र में एसआईआर के प्रक्रिया के दौरान फर्जी निवास प्रमाण पत्र पकड़ा गया। फर्जी निवास प्रमाण पत्र के मामले में प्रशासनिक और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फर्जी निवास प्रमाण पत्र एक प्रज्ञा केंद्र से जारी किया गया था। दरअसल, हरिहरगंज में बूथ संख्या 362 की सुनवाई हो रही थी। इसी क्रम में फातमा परवीन नामक महिला ने अपने पिता का स्थानीय निवास प्रमाण पत्र जमा किया। सुनवाई में शामिल अधिकारी को प्रमाण पत्र को लेकर संदेह हुआ और जांच शुरू की गई। प्रमाण पत्र की जांच हुई तो जानकारी मिली कि फातमा परवीन ने जिस स्थानीय निवास प्रमाण पत्र को जमा किया है वह रवि रंजन कुमार नामक व्यक्ति का है।पूरे मामले में महिला के द्वारा एक लिखित आवेदन सुनवाई में शामिल अधिकारियों को दिया गया। जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं है। वह हरिहरगंज के सीता हाई स्कूल के पास मौजूद एक प्रज्ञा केंद्र में गई थी जहां 30 मिनट में स्थानीय निवास प्रमाण पत्र बनाकर दिया गया। हरिहरगंज के अंचल अधिकारी मनीष कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरे मामले में जांच की जा रही है और अन्य दस्तावेजों को भी जांच की जा रही है। मामला पकड़ में आने के बाद एफआईआर दर्ज करवाया गया है।

इसको लेकर हरिहरगंज के थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि पूरे मामले में फातिमा परवीन और प्रज्ञा केंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और पूरे मामले में जांच की जा रही है। मुकदमे की जांच की जिम्मेवारी सब इंस्पेक्टर सौरव को दिया गया है। यह अभी जांच किया जा रहा है कि प्रज्ञा केंद्र के द्वारा कौन-कौन से लोगों को फर्जी प्रमाण पत्र जारी किया गया है।

रिम्स में पहली बार 250 एमबीबीएस सीटों पर दाखिला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य के सबसे बड़े सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में शामिल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान यानी रिम्स, रांची में इस बार एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू करने वाले छात्रों के लिए खास शुरुआत हुई है। रिम्स में पहली बार एमबीबीएस की 250 सीटों पर विद्यार्थियों का नामांकन हुआ है। नए बैच के स्वागत के लिए मंगलवार को 'आरोहण-2026' फाउंडेशन कोर्स की शुरुआत की गई। फाउंडेशन कोर्स के तहत आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में नए विद्यार्थियों को रिम्स की शैक्षणिक व्यवस्था, संस्थान की कार्य संस्कृति और मेडिकल शिक्षा की चुनौतियों से परिचित कराया गया। राज्य कोटे के साथ केंद्रीय कोटे से दाखिला लेने वाले छात्र भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम में रिम्स के निदेशक प्रो। डॉ। डीके सिन्हा ने नए विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर बनना सिर्फ किताबों और परीक्षा तक सीमित नहीं है। एक अच्छे डॉक्टर के लिए मरीजों के प्रति संवेदनशीलता, नैतिकता, अनुशासन और जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ-साथ मरीजों के प्रति सहानुभूति और टीम भावना को अपनी शिक्षा का हिस्सा बनाने की सलाह दी।

रिम्स के डीन प्रो.डॉ. राजीव मिश्रा ने विद्यार्थियों को मेडिकल कॉलेज की शैक्षणिक परंपराओं और अपेक्षाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के साथ विद्यार्थियों के जीवन का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। इसके लिए समय प्रबंधन, नियमित पढ़ाई और शिक्षकों व सहपाठियों के साथ बेहतर संवाद जरूरी है। रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. हिरेन्द्र बिरुआ ने नए विद्यार्थियों को अस्पताल की कार्यप्रणाली और मरीजों के प्रति डॉक्टर की जिम्मेदारियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेडिकल शिक्षा के शुरुआती दौर से ही विद्यार्थियों में मरीज-केंद्रित सोच विकसित करना जरूरी है। वहीं, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ। राहुल प्रसाद ने विद्यार्थियों को रिम्स में उपलब्ध छात्र सहायता व्यवस्था, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और उनके समग्र विकास से जुड़ी जानकारी दी। एमईयू को-ऑर्डिनेटर डॉ. मृत्युंजय मुंडू ने आरोहण-2026 फाउंडेशन कोर्स की रूपरेखा और इसके उद्देश्यों के बारे में बताया। यह फाउंडेशन कोर्स 3 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान नए विद्यार्थियों को मेडिकल शिक्षा के अलावा कम्युनिकेशन स्किल, सॉफ्ट स्किल, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन, प्रोफेशनल व्यवहार, नैतिक मूल्यों और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता जैसे विषयों की जानकारी दी जाएगी।

उत्तर कोयल नहर के अधूरे कार्य को पूरा कराने की मांग

रफीगंज। रफीगंज प्रखंड मुख्यालय में उत्तर कोयल नहर के अधूरे कार्य को पूरा कराने की मांग को लेकर किसान मजदूर मोर्चा मगध का धरना प्रदर्शन मंगलवार को 607वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान समाजसेवी लड्डू खान के नेतृत्व में किसानों की बैठक आयोजित की गई।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में रांची में जबरदस्त हंगामा, लोगों ने सरकार के खिलाफ लगाए नारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में मंगलवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ। सैटेलाइट चौक से लेकर राजद कार्यालय तक रांची नगर निगम और एचईसी की जमीन पर किए गए कथित अतिक्रमण को हटाने पहुंची टीम को स्थानीय लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। कार्रवाई के दौरान एक दर्जन से अधिक घरों को तोड़े जाने के बाद लोगों का आक्रोश बढ़ गया और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध होने लगा।

लोगों का आरोप था कि बिना उनकी समस्याओं का उचित समाधान किए उनके घरों को तोड़ा जा रहा है। घर टूटते देख कई परिवार अपने सामान को बचाने में जुट गए। सड़क किनारे बिखरे घरेलू सामान के बीच लोग अपने सामान को सुरक्षित स्थान पर ले जाते नजर आए। इस दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। कार्रवाई का विरोध कर रहे लोगों ने जेसीबी को चारों तरफ से घेर लिया। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई, जब कुछ लोग जेसीबी पर ही चढ़ गए और कार्रवाई रोकने की मांग करने लगे।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने लोगों को नीचे उतारने और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच जमकर कहासुनी और तनातनी हुई। पुलिस लगातार लोगों को समझाने का प्रयास करती रही, लेकिन घर टूटने से नाराज लोग पीछे हटने को तैयार नहीं थे। बड़ी संख्या में लोगों के सड़क पर जमा होने के कारण मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही।

अतिक्रमण हटाने के विरोध में लोगों के सड़क पर उतरने का असर यातायात व्यवस्था पर भी पड़ा। सैटेलाइट चौक से राजद कार्यालय की ओर जाने वाली बाईपास सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। लोगों ने सड़क पर खड़े होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की। काफी देर तक सड़क पर हंगामा और विरोध प्रदर्शन चलता रहा।

स्वास्थ्य केंद्रों का होगा कायाकल्प, कर्मियों की 'वर्क डायरी' से तय होगी जवाबदेही

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा (औरंगाबाद)। कुटुंबा प्रखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों की सूरत बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। स्वास्थ्य विभाग पटना के निर्देश पर मंगलवार को रेफरल अस्पताल कुटुंबा में रोगी कल्याण समिति की बैठक हुई। इसमें अस्पतालों के फेस अपलिफ्ट, कर्मियों की जवाबदेही और दवाओं की उपलब्धता की निगरानी समेत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति ने रिसियप, अंबा, महाराजगंज, कझपा व सिमरा एपीएचसी तथा बलिया, बैरांव, चोरहा, देशपुर, डुमरी, मटपा, सुही व तेतराईन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में चहारदीवारी, रंग-रोगन और जरूरी मरम्मत कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति दी। बैठक में सभी स्वास्थ्यकर्मियों के लिए 'वर्क डायरी' अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया। कर्मियों को माह के अंत में डायरी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को सौंपनी होगी। स्वास्थ्य प्रबंधक और प्रभारी प्रतिदिन कार्यों की समीक्षा करेंगे। वहीं, अस्पतालों में दवाओं के स्टॉक की औचक जांच समिति के सदस्य करेंगे। जन आरोग्य समिति की आय-व्यय विवरणी अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। एनसीडी व एनीमिया जांच के घर-घर अभियान की भी सदस्य क्षेत्र में जाकर निगरानी करेंगे। नए अस्पताल भवन में आरकेएस के लिए अलग कार्यालय व एसी की व्यवस्था करने का प्रस्ताव भी पारित हुआ। बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नवल किशोर, समिति के सदस्य विमला देवी, वीरेंद्र पांडेय, अभय कुमार, बबन भुईया समेत समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एनआईटी/02/26/46, दिनांक 14.09.2026; प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, 17, नेताजी सुभाष रोड, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित मदों की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। क्रमांक, निविदा सं., भंडार का विवरण, ईएमडी क्रमशः निम्नलिखित हैं:- निविदा खुलने की तारीख: 30.09.2026, समय: 13.30 बजे: (1) 11261812, स्क्रू कपलिंग असेम्बली इत्यादि की खरीददारी, रु. 3,50,580/-। निविदा खुलने की तारीख: 05.10.2026, समय: 13.30 बजे: (2) 14261182, ईएलबी इत्यादि के लिए उपयुक्त गीयर बॉक्स असेम्बली सेट की खरीददारी, रु. 1,92,580/-। निविदा खुलने की तारीख: 12.10.2026, समय: 13.30 बजे: (3) 14261025, उच्च कंडक्टिविटी कॉपर कंडक्टर वाले भूमिगत, आर्मर्ड, अनस्क्रीन्ड रेलवे सिग्नलिंग केबल (हेवी ड्युटी) की खरीददारी, रु. 1,53,700/-। निविदा खुलने की तारीख: 30.09.2026, समय: 13.30 बजे: (4) 14261041ए, रिले एसीआई प्लग इन टाइप, स्टाइल क्यूएनए1 इत्यादि की खरीददारी, रु. 1,30,120/-। निविदा खुलने की तारीख: 05.10.2026, समय: 13.30 बजे: (5) 14265031, विनिर्देश सं. आरडीएसओ/एसपीएन/165/2023 वर्सन 4.0 के अनुसार इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई (आईपीएस) की आपूर्ति, स्थापना एवं चालू करने हेतु खरीददारी, रु. 1,56,610/-। निविदा खुलने की तारीख: 28.09.2026, समय: 13.30 बजे: (6) 05261044, साधारण उद्देश्य के लिए मशीनरी ऑयल की खरीददारी, रु. 5,29,200/-। निविदा खुलने की तारीख: 30.09.2026, समय: 13.30 बजे: (7) 05261011, पेंट इनामेल सिंथेटिक एक्टीरियर फिनिशिंग गोल्डन यलो इत्यादि की खरीददारी, रु. 1,03,400/-। निविदा खुलने की तारीख: 12.10.2026, समय: 13.30 बजे: (8) 11261065, ड्रॉ गीयर इत्यादि के लिए रबड़ स्प्रिंग की खरीददारी, रु. 1,06,170/-। निविदा खुलने की तारीख: 09.10.2026, समय: 13.30 बजे: (9) 11261598, एफआरपी डोर विंडो गाइड व्यवस्था इत्यादि की खरीददारी, रु. 1,40,320/-। निविदा खुलने की तारीख: 30.09.2026, समय: 13.30 बजे: (10) 05261321, एफएजी दस्तावेज सं. ईडीडीएफ585063.जेडएल000 इत्यादि के अनुसार डीई के लिए सिलिंड्रिकल रोलर बियरिंग की खरीददारी, रु. 1,00,290/-। (11) 05261042, एयर कम्प्रेशर 150आरआर इत्यादि के लिए ऑयल की खरीददारी, रु. 1,49,640/-। (12) 05621032, ट्रैक्शन मोटर टाइप 4601 इत्यादि के लिए गीयर केस ऑयल की खरीददारी, रु. 1,85,600/-। निविदा खुलने की तारीख: 14.10.2026, समय: 13.30 बजे: (13) 07261255ए, आरसीएफ की विनिर्देश सं. एमडीटीएस-075 संशो-03 के अनुसार 16x1250x3000 मिमी आकार के साउंड इंसुलेटिंग वुड पैनलों की खरीददारी, पैकिंग इंस्ट्रक्शन: पीआई042 वर्सन 1.0, रु. 1,39,080/-। निविदा खुलने की तारीख: 30.09.2026, समय: 13.30 बजे: (14) 11261131ए, ट्रैक्शन सेंटर इलास्टिक ज्वाइंट, रु. 1,03,090/-। निविदा खुलने की तारीख: 05.10.2026, समय: 13.30 बजे: (15) 14261134, सिंगल सेक्शन डिजिटल टाइप एक्सल काउंटर इत्यादि के लिए इवेंट लॉगर कार्ड, रु. 1,15,640/-। (16) 11251096ए, आउटर डोर असेम्बली (एल.एच. एवं आर.एच.), रु. 2,25,460/-। (17) 11261820, यूआईसी वेस्टीबुल बेलो इत्यादि की लैटेरलर साइट फ्लैंज (एल.एच. एवं आर.एच.), रु. 6,89,360/-। (18) 21261042, हैंड ब्रेक केबल असेम्बली इत्यादि, रु. 3,82,680/-। (19) 21261390, योक पिन सपोर्ट इत्यादि, रु. 3,38,020/-। (20) 05261280, आईएस विनिर्देश सं. आईएस: 285/2021 के अनुसार टाइप-1, ग्रेड-1, सोप लॉन्ड्री बार (आकार: 50x50x370 मिमी लगभग तथा न्यूनतम वजन 900 ग्राम) की खरीददारी, शेल्फ लाइफ 12-18 महीने, रु. 1,50,030/-। निविदा खुलने की तारीख: 12.10.2026, समय: 13.30 बजे: (21) 14261020, सिग्नल कंडीशनर कार्ड इत्यादि, रु. 2,12,400/-। (22) 14261001, माइक्रो कंट्रोलर लॉजिक कार्ड, रु. 2,46,620/-। (23) 14261019, सिंगल सेक्शन डिजिटल टाइप एक्सल काउंटर इत्यादि के लिए मॉडम कार्ड, रु. 2,06,500/-। निविदा खुलने की तारीख: 07.10.2026, समय: 13.30 बजे: (24) 11261140, एंकर लिंक (टाइप-ए) के लिए साइलेंट ब्लॉक, रु. 1,92,430/-। (25) 05261031, एंटीवीयर हाइड्रोलिक ऑयल इत्यादि की खरीददारी, रु. 6,75,080/-। निविदा खुलने की तारीख: 06.10.2026, समय: 13.30 बजे: (26) 10262341, एसआर एवं एसबी एसआर इत्यादि के लिए प्रोसेसर कार्ड (एफएलजी प्रोसेसर), रु. 8,09,350/-। निविदा खुलने की तारीख: 29.09.2026, समय: 13.30 बजे: (27) 1226_आईएसईजे_6902, आरडीएसओ आरेख सं. टी-6902 के अनुसार उन्नत स्विच एक्सपेंशन ज्वाइंट की खरीददारी के लिए चालू संविदा, रु. 12,72,040/-। निविदा खुलने की तारीख: 25.09.2026, समय: 13.30 बजे: (28) 12261094, 6.2 मिमी मोटाई वाली 60 किग्रा यूआईसी रेल के लिए कम्पोजिट ग्रूव्ड रबड़ सोल प्लेट (सीजीआरएसपी) के लिए 2 वर्षों की आरजीसी, रु. 20,00,000/-। निविदा खुलने की तारीख: 05.10.2026, समय: 13.30 बजे: (29) 1226_इंड_कट_एचवीएन, विभिन्न इंट कट कम्बीनेशन हाई विससिअस नॉयनल (एचवीएन 66) इंसुलेटिंग लाइनर के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए चालू संविदा, रु.5,77,050/-। निविदा खुलने की तारीख: 24.09.2026, समय: 13.30 बजे: (30) 22261609, इंजेक्शन डुरवैलुमैब 500 एमजी, आयटम कोड सं. एम261924, एआई/2026-27 के लिए क्रमांक 1170, रु. 3,23,430/-। निविदा खुलने की तारीख: 21.09.2026, समय: 13.30 बजे: (31) 22261333, इंट्राविट्रियल प्रयोग के लिए इंजेक्शन एफलिबरसेप्ट 40 एमजी/एमएल साथ में नीडल (उत्पाद रेल बोर्ड के निर्माणकारी फर्मों की अनुमोदित उत्पाद सूची में उपलब्ध होने चाहिए) एआई 2026-27, रु. 3,04,790/-। निविदा खुलने की तारीख: 30.09.2026, समय: 13.30 बजे: (32) 1226_मेटललाइनर_8995, आरडीएसओ आरेख सं. टी-8995 के अनुसार शॉर्प कर्व के लिए मेटल लाइनर के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए चालू संविदा, रु. 1,23,630/-। निविदा खुलने की तारीख: 05.10.2026, समय: 13.30 बजे: (31) 1226_ईआरसी_जेसीएलआईपी_8258, पीएससी स्लीपर पर फिश प्लेटेड ज्वाइंट/इंसुलेटेड ग्लूड ज्वाइंट के लिए उच्चतम टो लोड वाली इलास्टिक रेल क्लिप (ईआरसी) जे क्लिप, आरेख: (आरडीएसओ) आरडीएसओ_टी_8258_अल्ट_1, रु. 10,26,600/-। निविदा लागत: सभी के लिए रु. 0/-। टिप्पणी: उपरोक्त उल्लेखित सभी निविदाएँ ई-निविदा हैं तथा सभी निविदादाताओं से अपनी बोलियां आईआरईपीएस की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in के जरिए ऑन-लाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। उपरोक्त उल्लेखित निविदाओं तथा अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में और अधिक विवरण के लिए कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें। (STORES-34/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 60-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 14.09.26; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नाम/स्थान: आसनसोल मंडल - आरपीएफ द्वारा निगरानी के लिए आसनसोल मंडल के तहत राष्ट्रीय ध्वज स्तम्भ तथा 7 अदद ऊंचे स्तम्भ खंभे पर अत्यंत उच्च टीवीयू वाले एलसी गेटों पर सीसीटीवी का प्रावधान। निविदा मूल्य : रु. 74,15,939.72; बयाना राशि : रु. 1,48,300; कार्य समापन अवधि : एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 12 महीने। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय : 06.10.2026 को 14.00 बजे। वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/ (ASN-258/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व प्रकाशित निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/780 (पूर्ववर्ती निविदा सूचना सं. 776 एवं 777), दिनांक 11.09.2026 में संशोधन। बंद होने की तारीख एवं समय को दिनांक 14.09.2026 एवं 15.09.2026 के स्थान पर दिनांक 30.09.2026 को 15.00 बजे के रूप में पढ़ा जाना चाहिए। ऊपर उल्लेखित निविदा सूचना के सभी नियम एवं शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। (HWH-334/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, कार्यालय भवन, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (प.बं.) (नीलामी संचालन अधिकारी) ने मालदा मंडल के तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों में बहु कार्यात्मक परिसर, मेडिकल स्टोर, सैलोन सेवा, सामान घर, एसी प्रतीक्षा लाउंज, विज्ञापन बोर्ड (ओओएच) के लिए www.ireps.gov.in पर ई-नीलामियां सूचीपत्र प्रकाशित किया है। (1) विविध स्थैतिक सेवा - नीलामी सूचीपत्र सं.: एनएफआर-एमआईएससी-एमएलडीटी-3 , नीलामी शुरू: 25.09.2026 को 11.00 बजे। सिक्वेंस सं., लॉट सं., श्रेणी, स्टेशन निम्नलिखित हैं: एए/1; एमएसएस-एमएलडीटी-बीएचडब्ल्यू-मेडएसटीएन-106-26-1, मेडिकल स्टोर, बड़हरवा। एबी/1; एमएसएस-एमएलडीटी-बीएचडब्ल्यू-एसएस-105-26-1, सैलोन, बड़हरवा। एसी/1; एमएसएस-एमएलडीटी-एनएफके-एमएफसी-104-26-1, बहु कार्यात्मक परिसर, न्यू फरक्का। एसी/2; एमएसएस-एमएलडीटी-जेएमपी-एमएफसी-107-26-1, बहु कार्यात्मक परिसर, जमालपुर। (2) सामान घर - नीलामी सूचीपत्र सं.: क्लोक-बीजीपी-एमएलडीटी , नीलामी शुरू: 25.09.2026 को 11.00 बजे। सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, स्टेशन निम्नलिखित हैं: एए/1; पीएनयू-एमएलडीटी-बीजीपी-डब्ल्यूआरएल-70-26-1, भागलपुर। (3) एसी प्रतीक्षा लाउंज - नीलामी सूचीपत्र सं.: एसीडब्ल्यूएल-एमएलडीटी-26-2, नीलामी शुरू: 28.09.2026 को 11.00 बजे। सिक्वेंस सं., लॉट सं., श्रेणी, स्टेशन निम्नलिखित हैं: एए/1; पीएनयू-एमएलडीटी-जेआरएलई-डब्ल्यूआरएल-71-26-1, जंगीपुर। (4) विज्ञापन बोर्ड (ओओएच) - नीलामी सूचीपत्र सं.: एडीवीटी-एमएलडीटी-26-02, नीलामी शुरू: 28.09.2026 को 11.00 बजे। सिक्वेंस सं., लॉट सं., श्रेणी/स्टेशन निम्नलिखित हैं: एए/1; एडीवीटी-एमएलडीटी-एमएलडीटी-ओएच-239-26-1, मालदा टाउन। एए/2; एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएच-176-26-1, भागलपुर। प्रत्याशित बोलीदाताओं से आगे के विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। (MLD-194/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ओबी डंप परिसर में भूधंसान

50 फीट के दायरे में धंसी जमीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले में भूधंसान और गोफ बनने की घटनाएं लगातार चिंता बढ़ा रही हैं। खासकर बाघमारा क्षेत्र में बीसीसीएल की कोलियरियों के आसपास आए दिन जमीन धंसने की घटनाएं सामने आ रही हैं। ताजा मामला बीसीसीएल एरिया-3 के महेशपुर कोलियरी गोविंदपुर क्षेत्र का है, जहां श्री इंफ्रा आउटसोर्सिंग कंपनी के ओबी डंप परिसर में अचानक जमीन धंस गई। बताया जा रहा है कि करीब 50 फीट के दायरे में जमीन धंसने से डंप परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि राहत की बात है कि घटना में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। घटना के बाद सुरक्षा के मद्देनजर संबंधित स्थल पर ओबी डंपिंग का काम रोक दिया गया है।

प्राथमिक तौर पर जमीन के नीचे मौजूद पुरानी अंडरग्राउंड माइंस और वर्तमान में आउटसोर्सिंग के जरिए डंप किए जा रहे भारी मात्रा में ओबी के दबाव को भूधंसान की संभावित वजह माना जा रहा है।

भूधंसान स्थल के आसपास घनी आबादी होने के कारण ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने बीसीसीएल प्रबंधन से डंपिंग क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और आबादी से पर्याप्त दूरी बनाए रखने की मांग की है। ग्रामीणों में प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश भी देखा जा रहा है।

फिलहाल भूधंसान वाले स्थल पर ओबी डंपिंग का काम रोक दिया गया है। प्रबंधन की ओर से स्थिति की समीक्षा की जा रही है। अब जांच के बाद ही भूधंसान की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

कांग्रेस चुनाव कैंपेन कमेटी ने शुरू की जमीनी पड़ताल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर मंगलवार को पाकुड़ कांग्रेस भवन पहुंचे। यहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने दौरे के उद्देश्य और पार्टी की चुनाव कैंपेन कमेटी को लेकर जानकारी दी।

शहजादा अनवर ने बताया कि कांग्रेस ने चुनाव कैंपेन कमेटी का गठन किया है और वे इसके सदस्य हैं। उन्हें खास तौर पर संथाल परगना की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर चुनाव के समय ऐसी कमेटी बनाई जाती है, लेकिन इस बार कांग्रेस ने आम जनता से जुड़े मुद्दों को जानने और जमीनी हकीकत समझने के लिए इसे काफी पहले गठित किया है।

उन्होंने कहा कि कमेटी का मुख्य उद्देश्य गांव और जमीनी स्तर तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं को सुनना और उनके मुद्दों को पार्टी के स्तर पर उठाना है। जनता से जुड़े मुद्दों को सरकार तक भी पहुंचाया जाएगा, ताकि समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल हो सके।

पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच नहीं कराने के सवाल पर शहजादा अनवर ने कहा कि सरकार जांच से पीछे नहीं हटी है, बल्कि सीआईडी जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच इसलिए नहीं कराई जा रही, क्योंकि पिछले पांच वर्षों में सीबीआई एक भी क्लोजर रिपोर्ट नहीं दे सकी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदेश कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी जमील अख्तर, कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार और जिला महासचिव मोहम्मद सलीम शेख मौजूद रहे।

अल्ट्रासाउंड केंद्रों का औचक निरीक्षण

दस्तावेजों सहित सुविधाओं का हुआ सत्यापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। उपायुक्त मेघा भारद्वाज के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी की अध्यक्षता में गठित जांच दल ने सोमवार को जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। यह कार्रवाई पीसीपीएनडीटी अधिनियम एवं क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों के अनुपालन की जांच के उद्देश्य से की गई।

जांच दल ने राहत नर्सिंग होम, लक्ष्मी नर्सिंग होम और चांदपुर नर्सिंग होम का निरीक्षण किया। इस दौरान संस्थानों में संचालित अल्ट्रासाउंड यानी वस्त्र कक्ष, पृथक शौचालय, प्रतीक्षालय सहित अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का भौतिक सत्यापन किया गया।

इसके अलावा पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत अनिवार्य दस्तावेजों और अभिलेखों की भी जांच की गई। जांच दल ने उपलब्ध व्यवस्थाओं, रिकॉर्ड और निर्धारित मानकों के अनुपालन की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जहां आवश्यक पाया गया, वहां संबंधित संस्थानों को नियमों और निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में संचालित सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों में पीसीपीएनडीटी अधिनियम और क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। नियमों अथवा निर्धारित प्रावधानों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित संस्थान के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा गड़बड़ी मामले में दिलीप पासवान गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी मामले में सीआईडी ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी दिलीप कुमार पासवान को पश्चिम बंगाल के पश्चिम वर्धमान स्थित ईस्ट केंदा कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने परीक्षा में शामिल कई अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

चैनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच वारंटी गिरफ्तार

मेदिनीनगर,पलामू। चैनपुर थाना पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत अलग-अलग मामलों में वांछित पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटियों में दुखन चंद्रवंशी, मनोज चौधरी, निरंजन चौधरी, टपू विश्वकर्मा और गोपाल भुइयां शामिल हैं। पुलिस ने सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

चैक डैम में डूबने से 20 वर्षीय युवक की मौत, दोस्त की बची जान

पाकुड़। महेशपुर थाना क्षेत्र के जब्दी खरियोपाड़ा के पास चैक डैम में नहाने के दौरान डूबने से बासकेंद्री गांव के मियां टोला निवासी 20 वर्षीय अब्दुल अंसारी की मौत हो गई। बताया गया कि अब्दुल दो दोस्तों के साथ नहाने गया था, तभी अब्दुल और तैयब अंसारी गहरे पानी में डूब गए। ग्रामीणों व पुलिस की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन अब्दुल की मौत हो चुकी थी। तैयब को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद उसकी स्थिति में सुधार है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सोनाजोड़ी अस्पताल भेज दिया। घटना से गांव में शोक की लहर है।

चतरा में 10 हजार रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

चतरा। चतरा सदर अंचल में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी सतीश कुमार को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोप है कि वह म्यूटेशन कराने के एवज में रिश्वत मांग रहा था। दोपहर करीब एक बजे एसीबी की टीम ने कार्रवाई की। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अपने साथ ले गई। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सहायक अध्यापक की करंट लगने से मौत

हंटरगंज,चतरा। तिलहेत पंचायत के भलुआहा गांव निवासी सहायक अध्यापक अशोक यादव की मंगलवार सुबह बिजली करंट लगने से मौत हो गई। घटना करीब नौ बजे की है। बताया गया कि विद्यालय जाने की तैयारी के दौरान वह घर में बिजली प्रवाहित तार के संपर्क में आ गए। तेज करंट का झटका लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

17 सितंबर से चलेगा सेवा संकल्प अभियान: सरिता मुर्मू

पाकुड़। भाजपा की पाकुड़ जिलाध्यक्ष सरिता मुर्मू ने प्रेसवार्ता कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

जिलाध्यक्ष के अनुसार 17 सितंबर की शाम सात बजे अभियान की शुरूआत होगी। जिले के सभी बूथों पर लाभार्थियों के घर आशीर्वाद का दीप जलाया जाएगा। इसके अलावा प्रमुख सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों पर दीपोत्सव होगा।अभियान के तहत ह्यमेरे सपनों का भारत के अंतर्गत चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता, ह्यनमो सेवा–अनकही कहानियां के तहत संगीतमय नाट्य प्रस्तुति तथा गांव-गांव तक, आंगन मिलन सेवा के तहत आंगनबाड़ी सम्मान एवं मातृ संवाद आयोजित होंगे। सकारात्मक बदलाव की वास्तविक कहानियों को सामने लाने के साथ डिजिटल माध्यम से 10 रील भी तैयार की जाएंगी। सरिता मुर्मू ने बताया कि सेवा ज्योति कलश यात्रा, वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु और सेवा के रंग, राष्ट्र के संग जैसे कार्यक्रम भी होंगे। वहीं सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के तहत पांच क्षेत्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

भोजपुर में दो मौतों के बाद जागा फूड विभाग

आरा। भोजपुर जिले के हसन बाजार थाना के हसनबाजार गांव में मंचूरियन खाने से दादी-पोती की मौत के बाद अब फूड विभाग भी हरकत में आ गया है। रविवार की शाम फूड इंस्पेक्टर जय प्रकाश गौतम के नेतृत्व में टीम हसन बाजार पहुंची और खाद्य पदार्थों की जांच शुरू की। खबर लिखे जाने तक टीम मंचूरियन, चाउमिन और मिठाई दुकानों की जांच कर रही थी।

देर शाम विभाग की टीम ने हसनबाजार में करीब एक दर्जन दुकानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। अचानक हुई कार्रवाई से बाजार में हड़कंप मच गया।कई दुकानों पर ताले लटके मिले, जबकि कुछ दुकानदार दुकान छोड़कर भाग गए। टीम ने मिष्ठान भंडार, फास्ट फूड समेत कई प्रतिष्ठानों की जांच की। विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिए गए।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी जयप्रकाश गौतम ने बताया कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर लगातार जांच अभियान चलाया जाएगा।

मानक के विपरीत या मिलावटी खाद्य पदार्थ मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। हसन बाजार ओपी प्रभारी जयराम शुक्ला ने बताया कि टीम मंचूरियन, चाउमिन और मिठाई दुकानों की जांच कर रही है।

आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि गुरुवार की शाम कुंदन कुमार गुप्ता के ममेरे भाई द्वारा घर में मंचूरियन लाया गया था।

परिवार के रोहित कुमार, बिट्टू कुमार, काव्या कुमारी और उसकी दादी चंद्रावती कुंअर ने इसे खाया था। करीब एक घंटे बाद सभी को पेट दर्द और उल्टी होने लगी थी। गंभीर हालत में काव्या को बिक्रमगंज के निजी अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

वहीं, उसकी 70 वर्षीय दादी चंद्रावती कुंअर को इलाज के लिए सदर अस्पताल, आरा लाया गया था। शनिवार की सुबह इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई थी।

उद्घाटन के डेढ़ साल में ही बदहाल हुआ 3.60 करोड़ का पुल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़िया प्रखंड की महुलपहाड़ी पंचायत अंतर्गत बालीडीह से खजुरडंगाल के बीच मातकोम घाट में मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत करीब 3 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से निर्मित पुल की स्थिति उद्घाटन के महज डेढ़ वर्ष में ही खराब होने लगी है। पुल के दोनों ओर बनी सड़क करीब एक फुट तक धंस गई है। इससे ग्रामीणों को साइकिल और मोटरसाइकिल से आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, बालीडीह की ओर करीब 100 मीटर सड़क पर अब तक पिचिंग का कार्य पूरा नहीं हुआ है। वहीं पुल के दोनों ओर बनी पक्की सड़क में कई जगह दरारें भी दिखाई देने लगी हैं। सड़क धंसने के कारण रास्ता खराब होने के बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर से मिट्टी डालकर आवागमन लायक रास्ता बनाया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर सड़क की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि दोपहिया वाहनों से पुल के एक छोर से दूसरे छोर तक जाना भी मुश्किल हो रहा है। इससे ग्रामीणों, खासकर रोजमर्रा के काम के लिए आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

बताया जाता है कि पुल का उद्घाटन 15 मई 2025 को किया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में जल्दबाजी बरती गई और उद्घाटन के बाद संबंधित ठेकेदार मौके से गायब हो गया। अब पुल और सड़क की बदहाल स्थिति का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पाकुड़ से मामले की जांच कराने की मांग की है। साथ ही धंसी हुई सड़क और अधूरे पिचिंग कार्य को शीघ्र दुरुस्त कराने की मांग की गई है।ग्रामीणों का कहना है कि सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर ग्रामीण क्षेत्रों में पुल और सड़क का निर्माण कराती है, लेकिन निर्माण के कुछ समय बाद ही सड़क का धंसना और दरारें पड़ना चिंता का विषय है। उन्होंने मामले की तकनीकी जांच कराकर दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई और सरकारी राशि के संभावित दुरुपयोग की जांच कराने की मांग की है।

धूमधाम से मना हिंदी दिवस

पाकुड़। डीएवी पब्लिक स्कूल में हिंदी दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति सम्मान, प्रेम और गौरव की भावना को जागृत करना तथा हिंदी के महत्व को रेखांकित करना था।कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विश्वदीप चक्रवर्ती एवं शिक्षकों द्वारा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए की गई। विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा की समृद्धि, साहित्यिक विरासत और राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान हिंदी भाषा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्राचार्य डॉ. चक्रवर्ती ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं को जोड़ने वाली सशक्त भाषा है। उन्होंने विद्यार्थियों से हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने तथा इसके प्रति सम्मान की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। शिक्षकों ने कहा कि हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है और इसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा भारत की विविधता एवं सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है।

कोयला चोरी और अवैध वसूली का आरोप, डीसी-एसपी को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। अमड़ापाड़ा लिंक रोड पर कोयला ढोने वाले हाईवा वाहनों से कथित कोयला चोरी, डीजल चोरी, अवैध वसूली और चालकों के साथ मारपीट की घटनाओं से परेशान ट्रांसपोर्टरों ने मंगलवार को समाहरणालय पहुंचकर डीसी और एसपी को ज्ञापन सौंपा। कोल ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेशन कमेटी ने इन गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

कमेटी के सदस्यों ने अधिकारियों को बताया कि वे बीजीआर और डीबीएल कंपनी के तहत कोयला परिवहन का कार्य करते हैं। आरोप है कि लिंक रोड पर असामाजिक तत्व वाहनों को जबरन रोककर चालकों को धारदार हथियारों से डराते हैं और 200 से 300 लीटर तक डीजल निकाल लेते हैं।

ट्रांसपोर्टरों के अनुसार, बारिश के दौरान गाड़ियों के मिट्टी में फंसने पर मदद के नाम पर 10 हजार से 40 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की जाती है। रकम नहीं देने पर वाहन को आगे नहीं बढ़ने दिया जाता। विरोध करने पर चालक और खलासी के साथ मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। ट्रांसपोर्टरों ने लिंक रोड पर अवैध झोपड़ियों से चोरी का डीजल बेचने और गांजे के कथित अवैध कारोबार का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बढ़ती रंगदारी और असुरक्षित माहौल के कारण कोयला परिवहन प्रभावित हो रहा है और ट्रांसपोर्टरों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

जन समाधान दिवस पर उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। समाहरणालय में मंगलवार को आयोजित जन समाधान दिवस में उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। उन्होंने सभी आवेदनों को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

जन समाधान दिवस में नागरिकों ने व्यक्तिगत एवं जनहित से जुड़े कई मामलों को लेकर आवेदन सौंपे। इनमें खेती करने से रोकने, पैतृक संपत्ति को ऑनलाइन दर्ज कराने, आंगनबाड़ी केंद्र गदरपाड़ा पश्चिम में सेविका पद पर चयन, इलाज के लिए आर्थिक सहायता और तालाब जीर्णोद्धार सहित अन्य मामले शामिल रहे। उपायुक्त ने अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन की निष्पक्ष, तथ्यपरक और गुणवत्तापूर्ण

समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश

जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि जन समाधान दिवस प्रशासन और आमजन के बीच संवाद एवं जवाबदेही मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। इसके जरिए नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं। उपायुक्त ने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को मिली साइकिलिंग किट

पाकुड़। खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों का मंगलवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उत्कृष्ट खिलाड़ियों को साइकिलिंग किट प्रदान करते हुए नियमित अभ्यास, अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान पीएमश्री हरिणडांगा प्लस टू विद्यालय के कक्षा नौवीं के छात्र समीर अंसारी, जिला सीएमएसई राज प्लस टू विद्यालय के कक्षा दसवीं के छात्र राज कुमार तथा आदर्श बिल्टू मध्य विद्यालय के कक्षा आठवीं के छात्र देव रमानी को साइकिलिंग किट प्रदान किया गया।उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने खिलाड़ियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन आवश्यक सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपने खेल कौशल को लगातार निखारने और पूरी लगन व समर्पण के साथ अभ्यास करने का आह्वान किया, ताकि वे जिला और राज्य का नाम रोशन कर सकें।

पावर स्टार पवन सिंह के 'आरा के सारा' गाने ने मचाया धमाल

रिलीज होते चालू हुआ व्यूज का मीटर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भोजपुरी म्यूजिक की दुनिया में जब पावर स्टार पवन सिंह की आवाज गूंजती है, तो माहौल अपने आप बदल जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा उनके नए गाने आरा के सारा के रिलीज के बाद देखने को मिल रहा है। जी म्यूजिक भोजपुरी के ऑफिशियल चैनल से रिलीज हुआ यह गाना दर्शकों के बीच तेजी से अपनी जगह बना रहा है। रिलीज के साथ ही गाने के व्यूज ने रफ्तार पकड़ ली है और सोशल मीडिया पर भी इसकी चर्चा तेज हो गई है। गाने को देखकर ऐसा लग रहा है कि पवन सिंह एक बार फिर भोजपुरी म्यूजिक के कई पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने की तैयारी में हैं। आरा के सारा नाम सुनते ही भोजपुरिया रंग, मस्ती और ठेठ अंदाज का एहसास होने लगता है और गाना भी इसी रंग में रंगा नजर आता है। पवन सिंह अपने चिर-परिचित जोशीले अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। उनकी आवाज, स्टाइल और जबरदस्त एनर्जी गाने को खास बनाती है। वहीं अभिनेत्री रितिका शर्मा के साथ उनकी जोड़ी भी खूब जम रही है। रितिका के डांस और अदाकारी ने गाने में ग्लैमर का तड़का लगाया है। दोनों की स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब आकर्षित कर रही है।

गाने को लेकर पावर स्टार पवन सिंह ने कहा कि आरा के सारा भोजपुरिया माटी की खुशबू, मस्ती और ऊर्जा से भरपूर गाना है। इसे तैयार करते समय पूरी कोशिश रही कि दर्शकों को मनोरंजन के साथ भोजपुरी अंदाज का भरपूर एहसास मिले। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके चाहने वाले और भोजपुरी संगीत प्रेमी गाने को खूब प्यार देंगे। पवन सिंह ने इस शानदार प्रस्तुति के लिए जी म्यूजिक भोजपुरी की भी सराहना की।

इस गाने को पवन सिंह और शिवानी सिंह ने आवाज दी है। इसके बोल सोनू सरगम आरा ने लिखे हैं और संगीत शुभम राज एसबीआर ने तैयार किया है। तेज संगीत और आकर्षक कोरियोग्राफी गाने की ऊर्जा को और बढ़ाती है। इसके कैमरामैन फिरोज खान, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और पोस्ट प्रोडक्शन का काम 3 स्टूडियो ने संभाला है। एडिटिंग विकास पवार और दिनेश प्रजापति ने की है, जबकि डिजाइन देवा आर्ट सूरज गिरी ने तैयार किया है। गौरतलब है कि यह गाना फिल्म लाखन सिंह का है, जिसके रिलीज के बाद दर्शकों की उत्सुकता बढ़ी है। जे वी डी फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही फिल्म के निमार्ता जगदीश ए. शर्मा और इस्तखार शाह (दिलशाद) हैं। फिल्म का निर्देशन जगदीश ए. शर्मा ने किया है, जबकि इसके प्रस्तुतकर्ता वी के चारी हैं।

झारखंड के अधिकार से कोई समझौता नहीं : विधायक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। महेशपुर में झामुमो प्रखंड कार्यालय महेशपुर में प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद की अध्यक्षता में आगामी 19 सितंबर को प्रखंड मुख्यालय महेशपुर में प्रस्तावित एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन की अंतिम तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी उपस्थित रहे,इस दौरान जिला सचिव माईकिल मुर्मू, जिला संगठन सचिव अनारूद्दीन मियां तथा सांसद प्रतिनिधि कुणाल अल्फ्रेड हेंब्रम, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्षा जोसेफिना हेम्ब्रम भी विशेष रूप से मौजूद रहे।बैठक में केंद्र सरकार द्वारा पारित काला कानून खान एवं खनिज संशोधन विधेयक, 2026 के विरोध में आगामी 19 सितम्बर को आयोजित होने वाले धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। पंचायत स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाने, कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपने तथा कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इस दौरान सभी पंचायतों के अध्यक्ष, सचिव एवं संबंधित पर्यवेक्षकों से उनके पंचायत क्षेत्रों से धरना-प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगों की संभावित संख्या के अनुसार यातायात साधनों की जानकारी ली गई। ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक से अधिक लोगों को धरना स्थल तक पहुंचाने के लिए सभी पंचायत अध्यक्ष सचिव को निर्देश दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने कहा कि संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर झामुमो राज्य के हितों पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर गंभीर है। झारखंड के हक अधिकार से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल किसी व्यक्ति या संगठन की नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, खनिज और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों से जुड़ी है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं एवं आम जनता से अपील की कि वे 19 सितंबर को प्रखंड मुख्यालय महेशपुर में आयोजित धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल होकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करें।

मौके पर छात्र मोर्चा के जिला सचिव तौसीफ इकबाल, प्रखंड उपाध्यक्ष एनामुल हक, प्रखंड उपाध्यक्ष मैईनुद्दीन अंसारी, प्रखंड उपाध्यक्ष जोशीमुद्दीन शेख, प्रखंड उपाध्यक्ष अर्थमास हेंब्रम, प्रखंड सह सचिव नसीम अहमद, प्रखंड संगठन सचिव पप्पु अंसारी, हबीबुर रहमान, बुदल यादव, युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष बाबुधन मुर्मू उर्फ डॉन सहित सभी पंचायत के अध्यक्ष/सचिव एवं सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे।

सात दिवसीय हिंदी महोत्सव का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सम्राट अशोक भवन में सात दिवसीय हिंदी महोत्सव का भव्य समापन, साहित्यकारों, कलाकारों व हिंदी सेवियों को मिला हिंदी गौरव सम्मान सात दिवसीय हिंदी महोत्सव अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस से हिंदी दिवस तक के अवसर पर सम्राट अशोक भवन में भव्य एवं गरिमामय समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व जिला विकास पदाधिकारी भैरवनाथ पाठक, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, दशरथ प्रसाद रामानंद बीएड कॉलेज के निदेशक शंभू पांडे, विवेकानंद वीआईपी इंस्टीट्यूशन के निदेशक डॉ. शंभू शरण सिंह, प्रोफेसर विनोद सिंह एवं खादि ग्राम उद्योग के पूर्व अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

लोकगायक धर्मेंद्र यादव ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य संवाद के अध्यक्ष लालदेव प्रसाद ने की। जनेश्वर विकास केंद्र के अध्यक्ष रामजी सिंह, साहित्य संवाद के सचिव उज्ज्वल रंजन, वीरेंद्र सिंह एवं वरिष्ठ कवि लवकुश प्रसाद सिंह , कवि राम राय सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रथम सत्र में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की आवश्यकता और चुनौतियां विषय पर विचार संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में हिंदी की वर्तमान स्थिति, उसके व्यापक प्रचार-प्रसार तथा हिंदी को जन-जन की भाषा बनाने की आवश्यकता पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा ने विषय की भूमिका प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक एवं सामाजिक एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने हिंदी के सम्मान और उसके व्यापक प्रयोग के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया।शंभू पांडे ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग से नई पीढ़ी को अपनी भाषा और संस्कृति से जोड़ने में मदद मिलेगी।

8.27 लाख बाढ़ प्रभावित परिवारों को डीबीटी से राहत राशि देना संवेदनशील सरकार का प्रमाण : सरावगी

केंद्रीय टीम के दौरे से बाढ़ से हुई क्षति के आकलन और पुनर्निर्माण कार्यों को मिलेगी गति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में आनुग्रहिक राहत राशि अंतरित किए जाने पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्णय की सराहना करते हुए इसे संवेदनशील और जनहितकारी पहल बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ की इस कठिन घड़ी में प्रभावित लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है और राहत, सहायता एवं पुनर्वास के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। संजय सरावगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित 8 लाख 27 हजार 472 परिवारों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 579.23 करोड़ रुपये की आनुग्रहिक राहत राशि भेजने की प्रक्रिया शुरू की है। प्रत्येक प्रभावित परिवार को 7 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई है। यह निर्णय सरकार की संवेदनशीलता और गरीब तथा जरूरतमंद लोगों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बिहार के 15 जिले, 88 प्रखंड, 575 ग्राम पंचायत, 2,642 गांव और 21 शहरों के 136 वार्ड बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। करीब 50 लाख लोग बाढ़ की स्थिति से प्रभावित हुए हैं जबकि लगभग 55 हजार हेक्टेयर भूमि पर बाढ़ का असर पड़ा है। ऐसी परिस्थिति में राज्य सरकार द्वारा त्वरित राहत उपलब्ध कराना और सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में राशि भेजना पारदर्शी एवं प्रभावी व्यवस्था का उदाहरण है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कोई भी पात्र प्रभावित परिवार सरकारी सहायता से वंचित नहीं रहना चाहिए। यदि कोई पात्र परिवार राहत सूची में शामिल होने से छूट गया है तो उसे एक सप्ताह के भीतर सूची में जोड़ा जाए। सरकार का यह निर्णय बताता है कि बाढ़ प्रभावित लोगों की पीड़ा को लेकर राज्य सरकार कितनी गंभीर और संवेदनशील है। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बिहार में बाढ़ की स्थिति और इससे प्रभावित लोगों को लेकर लगातार चिंता कर रहे हैं। केंद्र सरकार बिहार की स्थिति पर नजर बनाए हुए है और राज्य सरकार को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बाढ़ की स्थिति को लेकर बातचीत कर आवश्यक जानकारी ली है। यह केंद्र सरकार की बिहार और यहां के बाढ़ प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से हुई क्षति का समुचित आकलन करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्रीय टीम का बिहार दौरा भी महत्वपूर्ण है। केंद्रीय टीम प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेकर नुकसान का तथ्यपरक आकलन करेगी। इससे बाढ़ से हुए नुकसान के आधार पर आवश्यक सहायता और पुनर्प्राप्ति कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से राहत और पुनर्वास कार्यों को और गति मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राहत कार्यों के साथ-साथ पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने 'ब्यूल्ड बैक बेटर देन बिफोर' यानी पहले से बेहतर पुनर्निर्माण की थीम पर कार्य करने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य केवल बाढ़ से हुई क्षति की भरपाई करना नहीं, बल्कि प्रभावित क्षेत्रों को पहले से अधिक मजबूत और बेहतर सुविधाओं से लैस करना है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक रसोई, राहत शिविर, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों की सक्रियता तथा किसानों एवं प्रभावित परिवारों के लिए सहायता योजनाएं यह दर्शाती हैं कि एनडीए सरकार पूरी तत्परता के साथ राहत कार्यों में जुटी है। सरकार का लक्ष्य प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही उनके जीवन को जल्द से जल्द सामान्य करना है।

केपटाउन में 69वें सीपीए सम्मेलन में शामिल हुए बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में आयोजित 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार शामिल हुए। सम्मेलन में राष्ट्रमंडल देशों की संसदीय व्यवस्थाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय संस्थाओं की भूमिका से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हो रही है। उद्घाटन समारोह के दौरान दक्षिण अफ्रीका की मंत्री रामोकगोफा ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार का स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों देशों के संसदीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी रही। सीपीए सम्मेलन राष्ट्रमंडल देशों की संसदों और विधानसभाओं के बीच संवाद, अनुभवों के आदान-प्रदान तथा लोकतांत्रिक संसदीय परंपराओं को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण मंच माना जाता है। सम्मेलन में विभिन्न देशों के जनप्रतिनिधि और संसदीय प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। बिहार विधानसभा अध्यक्ष की इस अंतरराष्ट्रीय संसदीय सम्मेलन में भागीदारी बिहार की संसदीय व्यवस्था और लोकतांत्रिक परंपराओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बिहार ग्रामीण बैंक में हिंदी दिवस पखवारा का समापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार ग्रामीण बैंक के प्रधान कार्यालय में मंगलवार को हिंदी दिवस पखवाड़ा का समापन समारोह उत्सवपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं निर्देशों के अनुरूप बैंक स्तर पर एक से 14 सितंबर तक हिंदी दिवस पखवारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक के अध्यक्ष मुकुल सहाय और सभी महाप्रबंधकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. शिवनारायण सिंह, प्रोफेसर, श्री अरविंद महिला कॉलेज, पटना को अध्यक्ष मुकुल सहाय ने शॉल एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। डॉ. शिवनारायण सिंह बिहार सरकार के सर्वोच्च नार्गाजुन पुरस्कार एवं राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार से सम्मानित हैं। बैंक स्तर पर आयोजित निबंध एवं आशुभाषण प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को अध्यक्ष मुकुल सहाय और मुख्य अतिथि डॉ. शिवनारायण सिंह ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अध्यक्ष मुकुल सहाय ने कहा कि बैंकिंग कार्यों में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग किया जाना चाहिए, ताकि आम जनता को अपनत्व के साथ सरल बैंकिंग सुविधा मिल सके। मुख्य अतिथि डॉ. शिवनारायण सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता एवं उपयोगिता से सरल शब्दों में परिचित कराया। मौके पर महाप्रबंधक संजोय सिन्हा, राजेश कुमार पांडेय, संजीब कुमार श्रीवास्तव (मुख्य संयोजक), चितरंजन चौधरी और हिमांशु शर्मा सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रबंधक मौजूद रहे।

प्रमुख नदियों के जलस्तर में गिरावट के बावजूद खतरे के निशान से बह रही ऊपर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में कई प्रमुख नदियों के जलस्तर में गिरावट के बावजूद वे अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। गंगा नदी पटना के गांधी घाट और हथीदह, भागलपुर तथा कहलगांव में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पटना के श्रीपालपुर में पुनपुन नदी और सिवान के दरौली में घाघरा नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया है। गंडक नदी गोपालगंज के डुमरिया घाट, कोसी नदी खगड़िया के बलतारा और कटिहार के कुर्सेला, बागमती नदी मुजफ्फरपुर के बेनीबाद, तथा बूढ़ी गंडक नदी खगड़िया और पटना के दीघा में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। गंडक को छोड़कर इन अधिकांश स्थानों पर जलस्तर में गिरावट का रुख दर्ज किया गया है।

अभियंता दिवस पर विद्युत भवन में कार्यक्रम आयोजित

बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने में अभियंताओं की अहम भूमिका: ऊर्जा सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अभियंता दिवस के अवसर पर मंगलवार को समागम सभागार, विद्युत भवन, पटना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ऊर्जा सचिव-सह-अध्यक्ष-सह- प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड अजय यादव (भा.प्र.से.) ने सभी अभियंताओं को अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भारत के महान अभियंता भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद कर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक अजय यादव (भा.प्र.से.),बीएसपीटीसीएल एवं एसबीपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक ने उनके तेलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अभियंताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने में अभियंता निरंतर योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती तकनीक के दौर में अभियंताओं को नई तकनीकों और नवाचार को अपनाते हुए कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार करना चाहिए। कार्यक्रम में बीएसपीटीसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. नवल किशोर चौधरी (भा.प्र.से.), एसबीपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल (भा.प्र.से.) सहित वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अभियंताओं ने राज्य की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं उपभोक्ता-केंद्रित बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

रेलकर्मियों के कल्याण एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध : डिम्पी गर्ग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल प्रशासन रेलकर्मियों के कल्याण एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने मुख्यालय, हाजीपुर में 04 रेलकर्मियों/उनके आश्रितों से मुलाकात की। इस दौरान रेलकर्मियों ने अपनी विभिन्न विभागीय समस्याओं एवं कठिनाइयों से महाप्रबंधक को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने प्रत्येक रेलकर्मी एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को सुना और प्राप्त शिकायत के संबंध में अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों को प्राप्त मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शिकायतों का प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रेलकर्मियों की समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाए। विदित हो कि रेल कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा प्रत्येक मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात का दिन निर्धारित किया गया है। रेलकर्मी अपनी समस्या के संबंध में पूर्व में कार्मिक विभाग में अपना नाम पंजीकृत कराकर निर्धारित मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी बात रख सकते हैं।

डॉ ध्रुव हरियाणा के सिरसा में महादेवी कौशिक स्मृति लघुकथा सम्मान से सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हरियाणा के सिरसा में आयोजित लघुकथा सम्मेलन में वरिष्ठ लघुकथाकार-समालोचक डॉ ध्रुव कुमार को महादेवी कौशिक स्मृति लघुकथा सम्मान से सम्मानित किया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर देश भर से आए लघुकथाकारों की उपस्थिति में हरियाणा प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन एवं हरियाणा प्रादेशिक लघुकथा मंच के संरक्षक डॉ रूप देवगुण, संयोजक डॉ शील कौशिक एवं ललित मोहन जैन ने उन्हें अंगवस्त्र, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर इस प्रतिष्ठित सम्मान से विभूषित किया। इस अवसर पर डॉ ध्रुव ने लघुकथा की रचनाधर्मिता पर सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। समारोह में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित अनेक राज्यों के लघुकथाकारों ने शिरकत की।

हिंदी हमारी पहचान और भारतीय संस्कृति की मजबूत कड़ी : प्राचार्या

आरडीएम महाविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया हिंदी दिवस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। संपतचक स्थित आरडीएम महाविद्यालय में हिंदी दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हिंदी भाषा के महत्व, उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा तथा राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान भाषण, कविता पाठ और प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापिका शबनम परवीन के प्रारंभिक संबोधन से हुआ। उन्होंने हिंदी दिवस के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और इसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय समाज की विविधता और सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण भाषा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रिमझिम शील ने राष्ट्र निर्माण में हिंदी की महती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया जा सकता है। उन्होंने बिहार के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखने में हिंदी के योगदान को भी रेखांकित किया तथा विद्यार्थियों को हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भी अपनी साहित्यिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को रोचक बना दिया। अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हरीश साहू ने अपनी स्वरचित कविता 'मेरा मन बैठा जाता है' का सस्वर पाठ किया।

बी.डी. कॉलेज के एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कॉलेज का नाम किया रोशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर-महाविद्यालय एथलेटिक्स टूर्नामेंट (2026-27) में बी.डी. कॉलेज, पटना के एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कॉलेज का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में बी.डी. कॉलेज की टीम का सफल नेतृत्व पीटीआई दीपक राज ने किया जबकि खिलाड़ियों के मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन के लिए स्पोर्ट्स इंचार्ज डॉ. अशोक कुमार साव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों की प्रमुख उपलब्धियां:

ऋषिराजः 100 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान (रजत पदक) एवं 200 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान (कांस्य पदक)।

उत्सव राजः हैमर थ्रो में द्वितीय स्थान (रजत पदक)।

हर जिले में अधिक मात्रा में तैयार होगा उसना चावल

धान-चावल की ढुलाई केवल जीपीएस युक्त वाहनों से, वीटीएस से होगी ट्रैकिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन मौसम 2026-27 में विकेन्द्रीकृत अधिप्राप्ति व्यवस्था के तहत राज्य के सभी जिलों में अधिकतम संभव मात्रा में उसना चावल तैयार करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। विभाग का उद्देश्य धान अधिप्राप्ति, मिलिंग एवं परिवहन की पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित और प्रभावी बनाना है। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, खरीफ विपणन मौसम 2026-27 के धान अधिप्राप्ति कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक चावल मिलरों के लिए ऑनलाइन निबंधन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम द्वारा पोर्टल के माध्यम से 16 अगस्त 2026 से ऑनलाइन निबंधन किया जा रहा है। निबंधन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। विभाग ने राज्य के सभी चावल मिल संचालकों से अपील की है कि वे धान अधिप्राप्ति एवं मिलिंग कार्य के लिए आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर लें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन निबंधन अवश्य करा लें। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से धान की सुगम एवं पारदर्शी अधिप्राप्ति के लिए लगातार व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है। खरीफ विपणन मौसम 2026-27 में राज्य के प्रत्येक जिले में अधिकतम संभव मात्रा में उसना चावल तैयार करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से अधिप्राप्ति, मिलिंग और परिवहन की निगरानी को और मजबूत किया जाएगा। मिलों की विद्युत खपत की सीधी निगरानी तथा जीपीएस आधारित परिवहन व्यवस्था से पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। उन्होंने सभी चावल मिल संचालकों से निर्धारित अवधि में निबंधन कराकर अधिप्राप्ति कार्य की तैयारियां पूरी करने की अपील की।

डॉ. आनन्द रंजन झा को मिला बी.आई.बी प्राइड ऑफ भारत अवार्ड 2026

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जन्दाहा के निदेशक डॉ. आनन्द रंजन झा को शिक्षा एवं डिजिटल प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित बी.आई.बी प्राइड ऑफ भारत अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। बिजनेस इन बिहार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. आनन्द रंजन झा को यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह का आयोजन होटल ताज, पटना में हुआ। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान के सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में शामिल होने की घोषणा की गई थी। डॉ. आनन्द रंजन झा को मिले इस सम्मान से कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी परिवार एवं उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। यह उपलब्धि कम्प्यूटर शिक्षा एवं डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में उनके निरंतर प्रयासों और समर्पण को सम्मानित करती है।

अपराधियों के साथ पुलिस की जांच से परेशान स्वर्ण कारोबारी, डीजीपी से लगाई गुहार

हर तीन माह में एसपी को स्वर्ण कारोबारियों से बैठक करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में स्वर्ण कारोबारियों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं को लेकर पुलिस मुख्यालय में डीजीपी विनय कुमार ने स्वर्ण कारोबारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में प्रदेश के स्वर्ण कारोबारियों ने कारोबार के दौरान सामने आने वाली सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ पुलिस अनुसंधान के दौरान होने वाली कथित परेशानियों को भी प्रमुखता से उठाया। डीजीपी ने कारोबारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान का भरोसा दिलाया। बैठक के दौरान स्वर्ण कारोबारियों ने डीजीपी को बताया कि वे एक ओर अपराधियों के निशाने पर रहते हैं और दूसरी ओर किसी आपराधिक मामले के अनुसंधान के दौरान पुलिस की कार्रवाई के कारण भी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। कारोबारियों ने कहा कि स्वर्ण व्यवसाय में बड़ी मात्रा में नकदी और कीमती आभूषणों का लेन-देन होने के कारण सुरक्षा उनके लिए सबसे बड़ी चिंता है। कई बार अपराधी उन्हें अपना निशाना बना लेते हैं। कारोबारियों ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष यह भी मुद्दा उठाया कि आपराधिक घटनाओं से जुड़े मामलों के अनुसंधान के दौरान कई बार पुलिस द्वारा उनसे पूछताछ और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने पुलिस और स्वर्ण कारोबारियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। कारोबारियों की समस्याएं सुनने के बाद डीजीपी विनय कुमार ने उनके समाधान के लिए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने एडीजी लॉ एंड ऑर्डर एस. अनुपम को निर्देश दिया कि सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं, ताकि हर तीन महीने में संबंधित जिले के एसपी स्वर्ण कारोबारियों के साथ बैठक करें। इन बैठकों में स्वर्ण कारोबारियों की सुरक्षा, स्थानीय स्तर पर सामने आ रही समस्याओं और पुलिस से जुड़े मामलों पर चर्चा कर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

गांव की चौखट पर बैंकिंग की नई ताकत बनीं जीविका दीदियां

6,700 बैंक सखियों ने बदली ग्रामीण बिहार की बैंकिंग तस्वीर, 23,200 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के गांवों में बैंकिंग अब केवल बैंक शाखाओं तक सीमित नहीं रही है। कभी बैंक की शाखा तक पहुंचना जहां ग्रामीण महिलाओं के लिए समय, दूरी और सामाजिक झिझक की चुनौती हुआ करता था, वहीं आज जीविका की बैंक सखियां गांव की चौखट पर बैंकिंग सेवाओं की नई पहचान बन चुकी हैं। माइक्रो-एटीएम और डिजिटल बैंकिंग उपकरणों के साथ ये दीदियां न केवल वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जीविका के अधिकारियों का कहना है कि बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका) का बैंक सखी मॉडल ग्रामीण बिहार में वित्तीय समावेशन की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल के रूप में उभरा है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ये महिलाएं माइक्रो फाइनेंस मैनेजमेंट की हुनर सीखकर आत्मविश्वास के साथ आर्थिक लेन-देन का कारोबार कर रही हैं। छोटी-छोटी बचत के रूप में वह जहां इसका तेजी से प्रचार-प्रसार कर रही हैं वहीं उन्होंने इसे खुद के दिनचर्या में भी शामिल कर लिया है। इन दीदियों को बिजनेस कॉरस्पोंडेंट एजेंट (बीसीए) के रूप में प्रशिक्षित और प्रमाणित कर उन्हें बैंकिंग व्यवस्था और ग्रामीण समुदाय के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में विकसित किया गया है। अगर आंकड़ों पर गौर करें तो वर्तमान में बिहार में 6,771 बैंक सखियां कार्यरत हैं जिनमें से 6,735 बैंक सखियां इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) से प्रमाणित हैं। मौजूदा समय में राज्य के सभी 38 जिलों, 531 प्रखंडों और 4,688 पंचायतों में बैंक सखी नेटवर्क का विस्तार हो चुका है। इन बैंक सखियों के माध्यम से अब तक 14,33,293 बैंक खाते खोले गए हैं जिसके माध्यम से 23,200 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय कारोबार हो चुका है।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त और स्वावलंबी बनाने का जो संकल्प लिया गया था, बैंक सखी मॉडल उसकी एक जीवंत और सफल मिसाल है। बिहार की जीविका दीदियां आज केवल स्वयं सहायता समूहों की सदस्य या लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि वे गांव-गांव में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की सशक्त वाहक बन चुकी हैं। महिलाओं को सशक्त, स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को जीविका दीदियों ने जमीन पर साकार किया है। बैंक सखी मॉडल इसका एक जीवंत उदाहरण है। राज्य की 6,700 से अधिक बैंक सखियों ने यह साबित कर दिया है कि अवसर, प्रशिक्षण और संस्थागत सहयोग मिलने पर ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं, बल्कि पूरी वित्तीय व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। बैंक सखी मॉडल ग्रामीण बिहार में वित्तीय समावेशन के साथ-साथ महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को नई दिशा दे रहा है।

श्रवण कुमार
ग्रामीण विकास एवं जन सम्पर्क मंत्री

संपादकीय

दखल की सीमा -अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नहीं रोक सकते छात्रों का भविष्य

सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अदालत में कानून के आधार पर पैरोकारी करने से जुड़ा कोई संगठन ही या तो अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश करे और अपनी सीमा का अतिक्रमण करे। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट व्यवस्था दी है कि अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करके कोई भी संस्था ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकती, जिससे किसी का भविष्य बाधित हो।गौरतलब है कि हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ बार काउंसिल आफ इंडिया यानी बीसीआइ के अध्यक्ष ने कुछ समय पहले एक आदेश जारी कर दिया था कि वहां पढ़ने वाले पूरे बैच के विद्यार्थियों का वकील के रूप में नामांकन किसी भी राज्य के बार काउंसिल में न किया जाए। उसके बाद इस मसले पर काफी विवाद उठा था कि क्या सिर्फ इसलिए विद्यार्थियों के भविष्य या करिअर को बाधित क्या जा सकता है कि उन्होंने किसी कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश के आने पर आपत्ति जताई थी। हालांकि इस विवाद के तूल पकड़ने के बाद बीसीआइ के अध्यक्ष ने वह आदेश वापस ले लिया था, लेकिन यह सवाल अपनी जगह कायम रहा कि क्या उसके पास विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसा आदेश जारी करने का अधिकार है।इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि बीसीआइ के पास विधि के छात्रों के आचरण को नियंत्रित करने की वैधानिक शक्ति नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों के संबंध में किसी भी तरह की कार्रवाई करना उस संस्थान का विषय है। संस्थान अपने नियमों और विनियमों के मुताबिक इस पर फैसला ले सकता है। मगर हैरानी की बात यह है कि एक ऐसे मामले में बीसीआइ ने अतिरिक्त सजगता दिखाते हुए नालसार विधि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के खिलाफ फरमान जारी कर दिया था, जिससे उसका कोई सीधा वास्ता नहीं था। सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। सिर्फ इसके लिए समूचे बैच के खिलाफ आदेश जारी कर देने की हड़बड़ी के पीछे आखिर कौन-सी मानसिकता काम कर रही थी? क्या बीसीआइ को इस बात का अंदाजा नहीं था कि अगर यह मामला अदालत में जाएगा, तो तर्कों और कानूनों की कसौटी पर उसे कैसे देखा जाएगा?यह विचित्र है कि बीसीआइ खुद कानून के पेशे को विनियमित करने वाली एक संवैधानिक संस्था है और इसके बावजूद उसे नियम-कायदों का पालन या अन्य तकाजों का ध्यान रखना जरूरी नहीं लगा। यों भी, बीसीआइ सिर्फ उन्हीं को विनियमित कर सकती है, जो वकील के रूप में नामांकित हो चुके हों। कानून के छात्रों की किसी गतिविधि पर कोई आदेश जारी करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

आज मोबाइल फोन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। विभिन्न अध्ययनों में इसके कारण मानसिक तनाव, नींद की कमी, आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव, मोटापा, अकेलापन, चिड़चिड़ापन, क्रोध, हिंसक व्यवहार तथा निर्णय लेने की क्षमता और सहनशीलता में कमी जैसी समस्याओं की ओर संकेत किया गया है। किसी आदत को छोड़ना कठिन हो सकता है, लेकिन लत से छुटकारा पाना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। इसका उदाहरण वे बच्चे हैं, जिनका मोबाइल फोन से संबंध इतना गहरा हो जाता है कि फोन न मिलने पर उनका व्यवहार असामान्य होने लगता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के बाद यह स्थिति एक नए रूप में सामने आ रही है। छोटे-छोटे बच्चे अपने स्कूल का कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से करने लगे हैं। किसी सामान्य प्रश्न को हल करने से लेकर शोध कार्य और नई परियोजना तैयार करने के लिए कृत्रिम मेधा को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप पुस्तकों से दूरी बढ़ रही है और खुद के दिमाग का इस्तेमाल संकुचित होता जा रहा है।

सवाल सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं, तकनीक की दिशा और बच्चों की सोच पर मोबाइल-एआई के असर का भी है

(ज्योति सिडाना)

सृजनशीलता की पहली शर्त कल्पना है, लेकिन तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बीच बच्चों को अपनी कल्पना से कुछ नया सोचने और करने के अवसर लगातार कम होते जा रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि तकनीक बुरी नहीं होती, सवाल उसके सदुपयोग और दुरुपयोग का है।

मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बनाने में विज्ञान की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। मशीनीकरण से लेकर कृत्रिम मेधा तक कई आधुनिक सुविधाओं ने जीवन की राह को आसान कर दिया है। मगर इसी के साथ नई चुनौतियां भी पैदा हुई हैं। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवार और अकेले रहने की प्रवृत्ति बढ़ी है। कृषि और लघु उद्योगों के स्थान पर कंप्यूटर-निर्देशित सेवा उद्योगों का विस्तार हो रहा है।

शिक्षा में इंटरनेट की भूमिका ज्यादा है। मानव श्रम की जगह रोबोट तथा मानव बुद्धि के स्थान पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्चस्व बढ़ रहा है। मशीनों का निर्माण श्रम को घटाने और कम समय में अधिक उत्पादकता के उद्देश्य से हुआ था। मगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के पीछे हमारी सोच क्या है, यह विचारणीय प्रश्न है। क्या मानव बुद्धि पर हमारा विश्वास कम हो गया है? आविष्कार और नवाचार जरूरी है, लेकिन इसकी दिशा ऐसी तकनीक की ओर मोड़ने की कोशिश क्यों नहीं की जा रही, जो गरीबी, असमानता, महिलाओं के प्रति हिंसा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं के समाधान में सहायक हो?

हमें यह स्वीकार करना होगा कि तकनीक बुरी नहीं होती, सवाल उसके सदुपयोग और दुरुपयोग का है। अगर किसी तकनीक का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों, समाज में वैमनस्य फैलाने, लोगों को मानसिक रूप से प्रभावित करने या उन्हें आत्मघाती कदम उठाने के लिए प्रेरित करने में किया जाए, तो जिम्मेदारी तकनीक की नहीं, उसके दुरुपयोग करने वालों की ही होती है। आज अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिनसे तकनीक के बढ़ते प्रभाव की गंभीरता समझी जा सकती है।

पिछले दिनों महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आइफोन पाने की जिद में एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत की खबर ने समाज को झकझोर दिया। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में मोबाइल फोन पर गेम खेलने से रोकने पर चौदह वर्षीय बच्चे की आत्महत्या कर लेने की घटना भी चिंता पैदा करती है। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि स्मार्टफोन-इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करने लगा है।

आज मोबाइल फोन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। विभिन्न अध्ययनों में इसके कारण मानसिक तनाव, नींद की कमी, आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव, मोटापा, अकेलापन, चिड़चिड़ापन, क्रोध, हिंसक व्यवहार तथा निर्णय लेने की क्षमता और सहनशीलता में कमी जैसी समस्याओं की ओर संकेत किया गया है। किसी आदत को छोड़ना कठिन हो सकता है, लेकिन लत से छुटकारा पाना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। इसका उदाहरण वे बच्चे हैं, जिनका मोबाइल फोन से संबंध इतना गहरा हो जाता है कि फोन न मिलने पर उनका व्यवहार असामान्य होने लगता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के बाद यह स्थिति एक नए रूप में सामने आ रही है। छोटे-छोटे बच्चे अपने स्कूल का कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से करने लगे हैं। किसी सामान्य प्रश्न को हल करने से लेकर शोध कार्य और नई परियोजना तैयार करने के लिए कृत्रिम मेधा को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप पुस्तकों से दूरी बढ़ रही है और खुद के दिमाग का इस्तेमाल संकुचित होता जा रहा है।

हालत यह है कि बच्चों के लिए खेलना हो, तो मोबाइल, कुछ देखना हो तो मोबाइल, पढ़ना हो तो मोबाइल, कुछ सीखना हो तो मोबाइल और यहां तक कि किसी बीमारी के बारे में जानकारी प्राप्त करनी हो, तो भी मोबाइल। नई तकनीकों के इस्तेमाल का एक खास प्रभाव बच्चों की कल्पनाशीलता और सृजनशीलता पर भी दिख रहा है।

सृजनशीलता के लिए कल्पना आवश्यक है, लेकिन बच्चों को अपनी कल्पना के आधार पर कुछ नया सोचने और करने के अवसर नहीं मिल रहे। कई बार उन्हें कुछ अलग सोचने के बजाय तैयार सामग्री का अनुकरण करने के लिए प्रेरित किया जाता है। उनकी मौलिकता की उपेक्षा इसलिए भी होने लगी है, क्योंकि कृत्रिम मेधा तैयार समाधान उपलब्ध करा देती है।

इसी तरह सृजनशीलता को भी अब पेशेवर सफलता और बाजार से जोड़ कर देखा जाने लगा है। इसके लिए स्वाभाविकता और स्वतंत्र सोच आवश्यक है, लेकिन तकनीक ने बच्चों को एक सीमा तक 'कट, कॉपी और पेस्ट' संस्कृति का हिस्सा बना दिया है। जब हर चीज तैयार मिल जाए, तो स्वयं मेहनत करके सफल होने की इच्छा भी कम होने लगती है। आज बच्चों के लिए मोबाइल की स्क्रीन ही खेल का मैदान बन गई है। यह आदत निश्चित तौर पर बच्चों के शारीरिक और मानसिक व्यवहार को प्रभावित करती है। मोबाइल फोन पर लगातार अकेले गेम खेलते रहने से टीम भावना, धैर्य, चुनौतियों का सहजता से सामना करने की क्षमता, चिंतन तथा हार और जीत को समान भाव से स्वीकार करने की प्रवृत्ति कमजोर हो सकती है।

समाज-मनोवैज्ञानिक लगातार बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रहने तथा 'स्क्रीन टाइम' सीमित करने की सलाह दे रहे हैं। बच्चों और अभिभावकों को यह समझना आवश्यक है कि मोबाइल कब जरूरी है और कब उससे दूरी बनाना बेहतर है। मगर बच्चों को केवल मोबाइल से दूर कर देना काफी नहीं होगा। परिवार के सदस्यों को भी बच्चों के साथ पर्याप्त समय बिताना होगा और उनकी गतिविधियों पर ध्यान देना होगा। विद्यालयों और महाविद्यालयों को बच्चों को नवाचार एवं स्वतंत्र चिंतन के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चे अब आत्मकेंद्रित होते जा रहे हैं और आमने-सामने संबंधों की अपेक्षा आभासी संबंधों को अधिक महत्त्व देने लगे हैं।

वे काल्पनिक दुनिया में रहना तो चाहते हैं, लेकिन अपनी कल्पना को सृजनशीलता में बदलने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं करते। ऐसे में बच्चों को तकनीक से पूरी तरह काटने के बजाय उसका विवेकपूर्ण और सीमित उपयोग सिखाना अधिक व्यावहारिक समाधान है। याद रखना चाहिए कि इंटरनेट सूचना दे सकता है, लेकिन समझ, तर्क, विवेक और दृष्टिकोण विकसित करने की जिम्मेदारी मनुष्य की ही है।

टीवी बहसों का 'सर्कस' और मलबे में दबती जवाबदेही- क्या टीआरपी के आगे गौण हो गए असली मुद्दे?

(सुधीश पचौरी)

टीवी डिबेट्स में दिल्ली पीजी हादसे जैसी व्यवस्थागत विफलताओं को छोड़ 'नाराज फूफा' और धार्मिक विवादों पर सियासत हावी है। मीडिया का यह चयनात्मक रुख असली जनसरोकारों और प्रशासनिक जवाबदेही को छिपाता है। इस सप्ताह भी कुछ चैनलों पर 'मनुस्मृति' पर विपक्ष के एक नेता के सीधे हमले और उनके नारे 'पितृसत्ता को नष्ट करो' (स्मैश पैट्रिआर्की) पर चर्चा जारी रही। एक चर्चा में चर्चक विपक्षी नेता से पूछता रहा कि वे एक समुदाय को ही निशाना क्यों बनाते हैं, अन्य किसी धर्म में काम करती पितृसत्ता को नष्ट करने की बात क्यों नहीं कहते! इसके ठीक बाद केरल के एक बड़े मौलवी साहब ने फरमा दिया कि महिलाओं को घर के भीतर ही रहना चाहिएज्वे मंच पर आईं, तो तबाही मच जाएगी..! इससे बहस और भी फंसी। मौलवी साहब तो चर्चा में कुछ 'लिबरलों' के निशाने पर बने रहे, लेकिन 'पितृसत्ता को नष्ट करो' का नारा देने वालों ने उनके बयान पर कोई टिप्पणी नहीं की। 'सत्य निकेतन' इलाके में एक पीजी के अचानक गिरने से सात युवकों की हुई मौत को लेकर लगभग हर चैनल दिल्ली सरकार और उसके अधिकारियों पर लगातार हमलावर रहे और उनकी जवाबदेही मांगते रहे। इस एक घटना ने देश की व्यवस्था की पोल खोल दी कि किस तरह दिल्ली सरकार और प्रशासन के सामने अनगिनत विद्यार्थी पीजी माफिया की मनमानी के सामने लाचार हैं। हर दुर्घटना के बाद कुछ हो-हल्ला होता है, फिर कुछ समय बाद भूल जाते हैं और लाखों विद्यार्थी मनमाना किराया वसूले जाने और न के बराबर सुविधाएं पाने के भरोसे छोड़े दिए जाते हैं। जब दबाव बना और अदालत सजग हुई, तब दिल्ली भर के पीजी की जांच की बात कही गई। खतरनाक इमारतों को तोड़ने-गिराने की सरकारी मुहिम ने जोर पकड़ा। उधर दिल्ली विश्वविद्यालय भी छात्रावासों की सीटें बढ़ाने पर तैयार हुआ। यह भी स्पष्ट रहा कि दिल्ली में पढ़ने आने वाले सभी विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा शायद कभी नहीं दी जा सकती। यानी फिर किसी 'दुर्घटना' पर रोने के लिए तैयार रहिए, क्योंकि 'पीजी सिस्टम' नहीं सुधरेगा। इसी बीच अयोध्या के राम मंदिर के इंतजाम के लिए सीईओ के पद पर एअर मार्शल जितेंद्र मिश्रा का 'चयन' भी विपक्ष को नहीं भाया और वे इस पर भी सवाल उठाते नजर आए। इसी तरह जब एक 'वैश्विक रैंकिंग संस्था' ने भारत को 'ए' रैंकिंग दी, तो विपक्ष फिर सवाल उठाने लगा कि ऐसा कैसे हो सकता है! फिर एक बड़ी खबर में जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के वीडियो दिखाए जाते रहे कि विधान सभा में शासक पार्टी के बड़े नेता फारुख अब्दुला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके एमएलए, सब खड़े होकर आदरपूर्वक पूरे छह छंदों वाले 'वंदेमातरम्' का गान कर रहे हैं। इसे देख एक विपक्षी दल के कुछ नेता जम्मू-कश्मीर की विधान सभा में 'वंदेमातरम्' को पूरा गाने पर ही एतराज जताने लगे कि ऐसा क्यों किया! इस बीच एक दिन उज्जैन से हनुमानजी की एक प्रतिमा को प्रशासन द्वारा हटाने की पूरी कोशिश करके

यानी फिर किसी 'दुर्घटना' पर रोने के लिए तैयार रहिए, क्योंकि 'पीजी सिस्टम' नहीं सुधरेगा। इसी बीच अयोध्या के राम मंदिर के इंतजाम के लिए सीईओ के पद पर एअर मार्शल जितेंद्र मिश्रा का 'चयन' भी विपक्ष को नहीं भाया और वे इस पर भी सवाल उठाते नजर आए। इसी तरह जब एक 'वैश्विक रैंकिंग संस्था' ने भारत को 'ए' रैंकिंग दी, तो विपक्ष फिर सवाल उठाने लगा कि ऐसा कैसे हो सकता है! फिर एक बड़ी खबर में जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के वीडियो दिखाए जाते रहे कि विधान सभा में शासक पार्टी के बड़े नेता फारुख अब्दुला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके एमएलए, सब खड़े होकर आदरपूर्वक पूरे छह छंदों वाले 'वंदेमातरम्' का गान कर रहे हैं।

भी न हटा पाने की खबर कुछ इस तरह से आई, मानो कोई चमत्कार हो। बेहतर हुआ कि इस पर बहसें नहीं हुईं, क्योंकि अगर होतीं, तो एक ओर 'भक्त' होते जो इसे 'चमत्कार' कहते नहीं अघाते, दूसरे इसकी वैज्ञानिक जांच की मांग करते नजर आते। फिर जिन दिनों पीजी की इमारत गिर जाती हो, और बच्चे मर जाते हों उन दिनों ऐसे चमत्कारों की खबरें दुर्घटनाओं को मुंह चिढ़ाती दिखती हैं। बेहतर हो कि ऐसी घटनाओं की वैज्ञानिक जांच हो और अंधविश्वास तथा विश्वास में फर्क बताया जाए। फिर कुछ चैनलों पर 'संविधान बरक्स शरिया' को लेकर बहसें होती रहीं? ऐसी बहसें जाने कितनी बार दुहराई गई हैं।

मलबे पर डांट-फटकार और कागजी जांच, क्या हर हादसे के बाद भूल जाना ही दिल्ली की नियति है?

दिल्ली में विश्व के कई बड़े राजनेता आए और अपने प्रधानमंत्री ने शान से उनका स्वागत किया, लेकिन इसके बावजूद मुझे लग रहा है कई दिनों से कि जब से काकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर पर अपना प्रदर्शन किया है, प्रधानमंत्री बौखला से गए हैं। पिछले सप्ताह जो सिर्फ शक था मेरे दिमाग में, वह यकीन में बदल गया, क्योंकि यह समझना मुश्किल है मेरे लिए कि जिस दिन दिल्ली में नौजवान विद्यार्थियों के शव उस इमारत के मलबे से निकाले जा रहे थे, नरेंद्र मोदी क्यों दिखे गुजरात में एक ऐसे मंच पर जिस पर उनको नहीं होना चाहिए था।

(तवलीन सिंह)

दिल्ली में अवैध पीजी इमारत हादसे ने छात्रों की सुरक्षा, प्रशासनिक भ्रष्टाचार और बुनियादी सुविधाओं की कमी पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। हर हादसे के बाद होती राजनीति के बीच जमीनी हालात जस के तस बने हुए हैं। हम जैसे लोग जिनका काम है राजनीति और राजनेताओं की हरकतों तथा बदलती आदतों पर नजरें टिका कर रखना, उन छोटी-छोटी तब्दीलियों को भी ध्यान से देखते हैं। निजी तौर पर मेरा ध्यान रहता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर, इसलिए कि यकीन है मुझे कि उनकी सरकार और भारतीय जनता पार्टी, उनके बल पर चलती है। प्रधानमंत्री जब कमजोर दिखते हैं, तो सत्ता का पूरा ढांचा हिल-सा जाता है। दिल्ली में विश्व के कई बड़े राजनेता आए और अपने प्रधानमंत्री ने शान से उनका स्वागत किया, लेकिन इसके बावजूद मुझे लग रहा है कई दिनों से कि जब से काकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर पर अपना प्रदर्शन किया है, प्रधानमंत्री बौखला से गए हैं। पिछले सप्ताह जो सिर्फ शक था मेरे दिमाग में, वह यकीन में बदल गया, क्योंकि यह समझना मुश्किल है मेरे लिए कि जिस दिन दिल्ली में नौजवान विद्यार्थियों के शव उस इमारत के मलबे से निकाले जा रहे थे, नरेंद्र मोदी क्यों दिखे गुजरात में एक ऐसे मंच पर जिस पर उनको नहीं होना चाहिए था। वडोदरा के किसी कालेज का मंच था वह और जो अंग्रेजी गाना बज रहा था, उसके शब्द अगर प्रधानमंत्री को किसी ने बताए होते, तो किसी भी हाल में वे उस मंच पर नहीं जाते। वह गाना था 'वी विल, वी विल, राक यू'ज उसकी कुछ पंक्तियां ये हैं- 'दोस्त आप बुड्ढे हो, गरीब होज आपके चेहरे पर मिट्टी है और आप दुनिया की नजरों में इतने गिरे हुए हो कि समय आ गया है कि कोई आपको अपनी औकात बताए।' शब्द गाए नहीं गए थे उस दिन, सिर्फ गाने की धुन बजाई गई थी, लेकिन क्या प्रधानमंत्री जानते हैं कि कितना बुरा लगा उनको उस मंच पर दिखाया जाना, ऐन उस वक्त जब दिल्ली में उस अवैध पीजी के मलबे से छात्रों के शव निकाले जा रहे थे। माना कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम बहुत पहले तय किए जाते हैं, लेकिन जब कोई बड़ा हादसा हो जाता है, तो उनको बदल देने की गुंजाइश हमेशा होती है। प्रधानमंत्री की बौखलाहट के उदाहरण और भी हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में जब शोकसभाएं चल रही थीं, मोदी श्रीराम कालेज आफ कामर्स गए जहां उन्होंने अपने भाषण में एक ऐसी बात कहीं जो कहनी नहीं चाहिए थी। उन्होंने एक बार फिर 'दिमागी नक्सल' का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने लालकिले से दिमागी नक्सलों का जिक्र क्या किया कि सारे दिमागी नक्सल बाहर आने लग गए। हो सकता है कि प्रधानमंत्री ने छात्रों के लिए ये शब्द इस्तेमाल न किए हों, लेकिन इन शब्दों को काकरोच जनता पार्टी के लोगों ने इसे अपनी तरफ इशारा समझ कर खूब मजाक करते हुए उछाला सोशल मीडिया पर। दिल्ली में उस इमारत के गिरने के बाद काकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने पीजी को मुद्दा बना कर कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली हैं, यह साबित करने के लिए कि देश के छात्रों को वास्तव में 'काकरोचों' की तरह जीवित रहने पर मजबूर किया है नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने। इन तस्वीरों में दिखाई गई हैं तंग गलियां जहां बिजली के तारों के मोटे गुच्छे लटके दिखते हैं। इन बेहाल गलियों में बने हैं वे पीजी, जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र रहते हैं सिर्फ इसलिए कि विश्वविद्यालय ने उतने छात्रावास नहीं बनाए हैं जिनकी जरूरत है। पहला सवाल यह है कि छात्रावास क्यों नहीं बने हैं? छात्रों को क्यों रहना पड़ता है छोटे-छोटे कमरों में जिनका मासिक किराया 16,000 रुपए से कम नहीं है? सवाल और भी हैं।

दिल्ली में 'डबल-इंजन' नहीं, 'ट्रिपल-इंजन' सरकार है जिसके शासनकाल में बने हैं ये असुरक्षित और अवैध छात्रावास। क्या सो रहे थे दिल्ली के शासक या उनकी आंखें नहीं थीं? इमारत गिरने के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कई दिखावे किए मलबे के बीच अपने अफसरों को डांटने के। जैसे सारा दोष उनका था, मुख्यमंत्री का नहीं। दिन भर दिखीं मलबे के ऊपर खड़ीं और बाद में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि जांच होगी और हिसाब लिया जाएगा पूरी तरह, लेकिन शायद जानती नहीं हैं मुख्यमंत्री कि बिल्कुल इसी तरह के बयान दिए गए थे, जब मालवीय नगर में कुछ महीने पहले अवैध इमारत गिरी थी। उस हादसे के बाद वादा किया गया था कि जितनी भी अवैध इमारतें हैं दिल्ली में, उनका पूरा निरीक्षण होगा और सरकार 'एक्शन' लेगी। यथार्थ यह है कि कुछ नहीं हुआ है। यथार्थ यह भी है कि भविष्य में कुछ नहीं होगा, इसलिए कि अवैध निर्माण होता है सबकी सांठगांठ से। इसमें नेता शामिल हैं, अधिकारी भी और नगरपालिका चलाने वाले भी। भ्रष्टाचार इतना अधिक है कि इसको अगर कभी भविष्य में रोका जाए, तो चमत्कार ही माना जाएगा। मैं दिल्लीवासी हूं बचपन से, इसलिए काफी हद तक मेरा वास्ता रहा है स्थानीय अधिकारियों और नगरपालिका के मुलाजिमों से। निजी अनुभव से बता सकती हूं कि खुल कर पैसे मांगे जाते हैं जब निर्माण में कुछ अवैध पाया जाता है, लेकिन इसलिए कि अमीरों से ज्यादा पैसा बनता है, तो नगरपालिका के अफसरों की नजरें टिकी रहती हैं दिल्ली के आला रिहाइशी इलाकों पर। जब भी कोई छोटा-मोटा अवैध निर्माण पाया जाता है, तो ये लोग डराने-धमकाने लगते हैं। मगर तब चुप हो जाते हैं, जब उनकी घूस की मांगें पूरी कर दी जाती हैं। दिल्ली की आधी रिहाइशी कालोनियां अवैध हैं, जिनमें सबसे बड़ा इलाका है सैनिक फार्म का। इतना बड़ा रिहाइशी इलाका कैसे बना अवैध तरीके से? तंग गलियों और अनियोजित बाजारों के बीच बनी हैं अमीरों की आलीशान कोठियां, जिनसे हर साल वसूली होती है। नरेंद्र मोदी से मेरे जैसे लोगों की उम्मीद थी कि उनके आने से दिल्ली का हाल सुधर जाएगा। आज क्या उम्मीद रख सकते हैं हम, जब प्रधानमंत्री इतना बौखलाए हुए दिखने लगे हैं। दिल्ली में उस इमारत के गिरने के बाद काजपा के नेताओं ने पीजी को मुद्दा बना कर कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली हैं, यह साबित करने के लिए कि देश के छात्रों को वास्तव में 'काकरोचों' की तरह जीवित रहने पर मजबूर किया है नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने। इन तस्वीरों में दिखाई गई हैं तंग गलियां जिनमें बिजली के तारों के मोटे गुच्छे लटके दिखते हैं।

1.33 लाख परिवारों के खाते में भेजी गयी जीआर की राशि : डीएम

सभी परिवारों को सात हजार की दर से दी गई जीआर की राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले में गंगा, कोसी, बरंडी और कारीकोसी नदी के जलस्तर में हुई वृद्धि से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। बाढ से कुसेर्ला, बरारी, अमदाबाद, मनिहारी, मनसाही, समेली और प्राणपुर प्रखंड के अंतर्गत 59 ग्राम पंचायतों के 607 गांव एवं 4 नगर पंचायतों के 40 वार्डों की कुल 9,39,766 आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। यह जानकारी जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने प्रेसवार्ता आयोजित कर पत्रकारों को दी है। बाढ़ राहत कार्यों की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि आज राज्य के मुख्यमंत्री के द्वारा बाढ़ से प्रभावित परिवारों को अनुग्रह अनुदान सहायता राशि जीआर के वितरण का औपचारिक शुभारंभ किया गया। जिसमें जिले के 1,33,798 बाढ प्रभावित परिवारों को 7 हजार रुपये प्रति परिवार की दर से डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में कुल 93,65,86,000 रुपये की राशि अंतरित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में अमदाबाद के 49,233,मनिहारी के 46,626, कुसेर्ला के 16,549, बरारी के 15,751, समेली के 4,155 और मनसाही के 1,484 परिवार शामिल हैं। शेष पात्र परिवारों को भुगतान की कार्रवाई अगले चरण में पूरी की जाएगी।डीएम ने बताया कि आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाए जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन और आवश्यक सामग्रियों की ढुलाई के लिए कुल 142 नाव और बरारी अंचल में 2 मोटरबोट का लगातार परिचालन हो रहा है। विस्थापितों और जलमग्न घरों में रह रहे लोगों के लिए 451 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए हैं, जिनके माध्यम से अब तक 44,92,964 लोगों को पका भोजन कराया जा चुका है। वहीं प्रभावितों के बीच 410 सूखा राशन पैकेट और 76,065 पॉलीथीन शीट का भी वितरण किया गया है।स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ रखने के लिए इन क्षेत्रों में 347 चिकित्सा शिविर लगाया गया है,जिसमें अब तक लगभग 24,060 लोगों का इलाज किया गया है। साथ ही 439 किलोग्राम ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, 6,930 हैलोजेन टैबलेट का वितरण और मनिहारी व अमदाबाद में 2 बोट एंबुलेंस की सेवा भी दी जा रही है। पशुओं के उपचार के लिए 4 विशेष चिकित्सा शिविर और मोबाइल वेटरनरी यूनिट के माध्यम से 5,646 मवेशियों का इलाज किया गया है, जबकि विस्थापित पशुओं के लिए 661.20 क्विंटल गेहूँ का भूसा वितरित किया जा चुका है।डीएम ने बताया है कि पेयजल और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा 184 नए चापाकल और 206 अस्थायी शौचालय स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि नदियों के जलस्तर बढ़ने से सात अंचलों का लगभग 6,741 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जिसमें मुख्य रूप से धान, जूट, मक्का, केला और सब्जियों की फसलें लगी हुई थीं। प्रेस वार्ता के दौरान एसडीएम सूरज कुमार एसडीसी अभिषेक रंजन, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी कन्हैया कुमार मौजूद रहे।

नगर आयुक्त ने दिया प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश

फर्जी रसीद से अवैध वसूली का आरोप, ₹120 ऑनलाइन भेजने का दावा

नगर निगम कर्मी ने थाने में दी शिकायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार में बाजार शुल्क की विभागीय वसूली के दौरान फर्जी बट्टी टिकट के जरिए कथित अवैध वसूली का मामला सामने आया है। इस संबंध में नगर निगम की ओर से मुफस्सिल थाना कटिहार में लिखित शिकायत देकर मामले में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार कार्यालय ज्ञापांक 3294/ननि0, दिनांक 07.09.2026 के माध्यम से बाजार शेष भाग की विभागीय वसूली के लिए कर्मी को प्रतिनियुक्त किया गया था तथा निर्धारित दर पर बट्टी काटने के लिए टिकट भी उपलब्ध कराया गया था। शिकायत में बताया गया है कि 11 सितंबर 2026 की रात ईमलीगाछ सूर तुलसी कॉलेज के समीप एक वाहन चालक से कथित तौर पर जबरन फर्जी बट्टी टिकट के माध्यम से राशि वसूल की गई। पूछताछ के दौरान वाहन चालक की ओर से बताया गया कि संबंधित व्यक्ति के फोन-पे पर ₹120 की राशि भेजी गई थी।नगर निगम कर्मी ने पूरे मामले को अवैध वसूली एवं फर्जी टिकट के इस्तेमाल से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए मुफस्सिल थाना में शिकायत दर्ज कर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ ऑनलाइन ट्रांजेक्शन एवं कथित फर्जी टिकट की छायाप्रति भी संलग्न किए जाने का उल्लेख है। अब पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि फर्जी टिकट और कथित ऑनलाइन भुगतान के पीछे कौन जिम्मेदार है। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि मामले की जांच को लेकर विगत रात मुफ्फसिल थाना के पदाधिकारी के साथ चिन्हित स्थल का जायजा लिया गया था। जिसके बाद मामला दर्ज करने का निर्देश दिया गया। मुफ्फसिल थाना में 368/26 कांड अंकित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

प्राणपुर के पथरवार पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर का डीएम ने किया निरीक्षण

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राज्य सरकार के निर्देश पर आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन के उद्देश्य से माह के प्रथम एवं तीसरे मंगलवार को सभी प्रखंडो के एक पंचायत में'सहयोग शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आमजनों से प्राप्त शिकायतो का 30 दिनों के अंदर निष्पादन किया जाता है।प्राणपुर पंचायत के पथरवार पंचायत में आयोजित शिविर में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने भी जायजा लिया। जबकि विधायक निशा सिंह, प्रखंड अमित साह, उपप्रमुख मो. रफीक आलम, स्थानीय मुखिया अतिथि के रुप में शामिल रहे। शिविर में विभिन्न विभागों की ओर स्टॉल लगाकर आमजनों से उनकी समस्या एवं शिकायतों को लेकर आवेदन लिया रहा था। जिला पदाधिकारी ने शिविर की व्यवस्था का निरोक्षण किया तो वहीं शिविर में पहुंचे आमजनों के साथ संवाद भी किया। डीएम ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों से अवगत हुए।तो प्राप्त आवेदनों के पंजीकरण, संबंधित विभाग को अग्रसारण तथा निष्पादन की प्रक्रिया का बारीकी से निरीक्षण किया।इस दौरान जिला पदाधिकारी ने लोगों को उनकी समस्याओं का निर्धारित अवधि में निष्पादित हो जाने का प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराया। वहीं पदाधिकारियों एवं कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के नियमानुसार निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादित किया जाय। शिविर में प्रमुख अमित साह, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीषा कुमारी अन्य विभागीय पदाधिकारी व कर्मी, स्थानीय जनप्रतिनिधि व आमजन उपस्थित रहे।

सीएससी संचालन के साथ मारपीट, तीस हजार लूटने का आरोप

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मनसाही थाना क्षेत्र के लहासा गांव में सीएसपी संचालक के साथ मारपीट कर ₹30000 लूटने का का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर पीड़ित सीएसपी संचालक मो फरीजउद्दीन उर्फ फरीद ने गांव के ही लूतफुर रहमान, मो साजिद, मो साकीम, मो फारूक, मो रिजवान, मो बाबर आदि को नामजाद आरोपी बनाते हुए पुलिस से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। घटना मंगलवार की सुबह की बताई जाती है। बताया जाता है कि सीएसपी संचालक अपनी दुकान पर बैठे हुए थे तभी उपरोक्त लोग दुकान में पहुंचकर किसी बात को लेकर बहस शुरू किया जिसके बाद मामला मारपीट में बदल गया। घटना में सीएसपी संचालक मो फरीद घायल हो गए जिनका इलाज मनसाही के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। पुलिस ने दिए गए आवेदन पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ससुर और देवर ने घर में घुसकर रेप करने का किया प्रयास

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के कुरेठा पंचायत के वार्ड संख्या 03 पंडित टोला एकौना में एक पिता अपने बेटा एवं पुतोहु के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया हैं। प्राप्त सूचना के अनुसार कुरेठा पंचायत के वार्ड संख्या 03 की रहने वाली रिंकी देवी पति अजय कुमार पंडित जो मिट्टी के प्याली बर्तन बनाकर अपना जीवन यापन करते हैं और अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं और यह चीज अजय कुमार पंडित के पिता को देखा नहीं जाता हैं। बार-बार अपने बेटे अजय कुमार पंडित के गैर मौजूदगी में उनकी पत्नी रिंकी देवी के घर घुसकर रेप करने का प्रयास मारपीट करते रहता हैं 09 सितंबर को दोपहर के 3:15 बजे के आसपास अजय कुमार पंडित के पिता गंगा पंडित अपने बेटे के गैर मौजूदगी में उनके घर घुस गया और अजय कुमार पंडित के पत्नी रिंकी देवी के साथ छेड़छाड़ करने लगा, महिला अपना बचाव करने पर गंगा पंडित मिट्टी के बने बर्तन प्याली तोड़फोड़ कर अपने घर गए और अपने छोटे बेटे धर्मेंद्र पंडित एवं उनकी पत्नी रूपाली देवी को लेकर हाथ में लाठी, डंडा, हसवा, हथियार लेकर अजय कुमार पंडित के घर पहुंचे तीनों मिलकर रिंकी देवी के साथ मारपीट करने लगा। इसकी जानकारी जैसे ही उनके पति अजय कुमार पंडित को मिला वे घर पहुंचे तो पत्नी को बचाने का प्रयास किया तो अजय कुमार पंडित के भी साथ मारपीट किया और घर पर रखे मिट्टी के प्याली बर्तन जो तोड़ दिया जो दस हजार से ऊपर का होगा। साथ ही मिट्टी के बर्तन मिट्टी के पकाने वाले भट्ठा को तोड़फोड़ कर तहस-नस कर दिया और तीनों वहां से निकल पड़े।

मूल प्रमाण पत्र नहीं मिलने से छात्र हो रहे विभिन्न परीक्षा के फॉर्म भरने से वंचित : विक्रांत सिंह

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा के द्वारा वर्ष 2014 के बाद मूल प्रमाण पत्र कॉलेज आना बंद हो गया। उसके बाद 200 रुपये का चालान काटा कर विश्वविद्यालय से मूल बनने के बाद प्राप्त किया जाता था। छात्रों का 200 का चालान काटने के बाद काटने भी सही टाइम पर मूल न बन पाया न मिल पाया। फिर विश्वविद्यालय के द्वारा 600 का ऑनलाइन आवेदन की सूचना निकाली जो मूल प्रमाण पत्र डाक के माध्यम से मिलना था। जो करीब 6 महीना से अधिक ऑनलाइन किया हो गया है ।पर अभी तक घर तक नहीं आया है । इस मौके पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग सह संयोजक विक्रांत सिंह ने कुलसचिव को कहा कि इसे संज्ञान में लेते हुए जल्दी से जल्दी प्रमाण पत्र छात्रों को मिले ।ताकि छात्र विभिन्न प्रकार के परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित न रह पाये।

कुमारीपुर में सहयोग शिविर 73 आवेदनों का निष्पादन

मनिहारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के कुमारीपुर पंचायत सरकार भवन परिसर में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता बीडीओ सनत कुमार ने की। कार्यक्रम का संचालन मुखिया प्रतिनिधि मुन्ना सिंह ने किया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन अधिकारियों को सौंपे। शिविर में कुल 87 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 73 आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन किया गया। शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान की दिशा में आवश्यक जानकारी और प्रक्रिया बताई। शिविर में अंचलाधिकारी चंदन कुमार, बीपीआरओ सोनू कुमार गुप्ता, विद्युत विभाग के कनीय अभियंता अभिजीत कुमार समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

हिंदी दिवस समारोह में मेयर, डीडीसी तथा डीइओ शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। राजभाषा हिंदी के प्रति निष्ठा और समर्पण भाव जताने को लेकर हिंदी दिवस-2026 का आयोजन किया।जिला प्रशासन के निर्देश पर शिक्षा विभाग की ओर से शहर के मनिहारी मोड़ स्थित इंदिरा गांधी केन्द्रीय पुस्तकालय में इस अवसर पर समारोह आयोजित किया गया। मेयर उषा देवी अग्रवाल,उप विकास आयुक्त डा.नेहा कुमारी तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी राहुल चंद्र चौधरी ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के गौरवशाली इतिहास, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसके संवर्धन और दैनिक जीवन के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों में इसके अधिकाधिक प्रयोग पर जोर दिया। वक्ताओं ने तकनीकी और डिजिटल युग में हिंदी को युवाओं की पहली पसंद बनाये जाने एवं इसे रोजगार और विज्ञान की भाषा के रूप में और अधिक सशक्त बनाये जाने के विकल्पों पर जोर दिया। कार्यक्रम में जिले के शिक्षाविदों, प्रतिष्ठित कवि तथा कवयित्रियों और विभिन्न विद्यालयों से आए सम्मानित शिक्षकगणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कई हिन्दी साहित्य प्रेमियों ने अपनी रचना प्रस्तुत कर हिंदी के सौंदर्य और उसकी अभिव्यंजना शक्ति को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा सभागार साहित्यमय हो गया था। लोगों ने राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण के संकल्प को दोहराया।

दिव्यांगता प्रमाणीकरण शिविर 19 सितंबर को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के विद्यालयों मे नामांकित दिव्यांग बच्चों के लिए मूल्यांकन सह जांच शिविर 19.9.2026 को प्रखंड संसाधन केन्द्र, डंडखोरा में आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शुभम प्रकाश ने दी है।उन्होंने क्षेत्र के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालय के साथ मदरसा के प्राचार्य, प्रानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाधायापक, प्रधान शिक्षक तथा प्रधान मौलवी को पत्र लिखकर शिविर आयोजन की जानकारी देकर बच्चों को शिविर में भेजने का निर्देश दिया है।अपने पत्र में बीइओ ने पोषक क्षेत्र के दिव्यांग बच्चों को चिह्नित कर उनके अभिभावक को जानकारी देते हुए नोडल शिक्षक समावेशी शिक्षा,वर्ग शिक्षक, शिक्षा स्वयं सेवक की सहायता से निर्धारित तिथि और स्थल पर उपस्थित कराने का निर्देश दिया है। शिविर में शारीरिक दिव्यागता से प्रभावित बच्चों का दिव्यागता दृष्टिगोचर होने वाला चार पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड साथ ले जाना आवश्यक है।

नगर निगम की ओर से चार स्थानों पर सहयोग शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार की ओर से मंगलवार को नगर क्षेत्र के चार अलग-अलग स्थानों पर सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ वार्ड संख्या 31 स्थित सामुदायिक भवन में महापौर ऊषा देवी अग्रवाल, उप महापौर मंजूर खान, नगर आयुक्त संतोष कुमार एवं वार्ड पार्षद श्रीमती पिंकी देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। नागरिकों को नगर निगम की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उनके वार्ड स्तर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वार्ड संख्या 11 के दुर्गा मंदिर परिसर,वार्ड संख्या 26 के नासिरगंज मैदान प्रांगण तथा वार्ड संख्या 42 के हवा महल परिसर में भी सहयोग शिविर आयोजित किया गया। शिविरों में संबंधित वार्डों के जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। वार्ड संख्या 11 के पार्षद सागर पासवान, वार्ड संख्या 26 की पार्षद श्रीमती गजाला खातून तथा वार्ड संख्या 42 की पार्षद श्रीमती जासमीन खातून उपस्थित रहीं और आम नागरिकों से शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। सहयोग शिविर में नगर निगम के विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों का निष्पादन, नागरिक शिकायतों का पंजीकरण तथा आवश्यक जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचने वाले नागरिकों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई की। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने कहा कि सहयोग शिविर का उद्देश्य नागरिकों को नगर निगम की सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ सहज, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से उनके वार्ड स्तर पर उपलब्ध कराना है। इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याओं एवं आवेदनों के समाधान के लिए निगम कार्यालय तक आने की आवश्यकता कम होगी तथा स्थानीय स्तर पर ही सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इस दौरान सीटी मैनेजर ज्योति कृष्णा मूर्ति,कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह, स्वच्छता पदाधिकारी राहुल कुमार, मो. नूर अली खान, धर्मेंद्र कुमार, मुकेश महतो आदि मौजूद रहे।

रतनपुर में इंडियन बैंक की मिनी ब्रांच का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। मनोहरपुर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-02 के रतनपुर गांव में इंडियन बैंक के मिनी ब्रांच का शुभारंभ किया गया। पंचायत की मुखिया शबनम कुमारी यादव ने फीता काटकर मिनी ब्रांच का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने क्षेत्र में बैंकिंग सुविधा शुरू होने पर खुशी जताते हुए इसे आम लोगों के लिए उपयोगी पहल बताया। मिनी ब्रांच के शुरू होने से रतनपुर सहित आसपास के ग्रामीणों को अब बैंकिंग कार्यों के लिए करीब 5 किलोमीटर दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सुविधा उपलब्ध होने से लोगों को समय और आने-जाने के खर्च की बचत होगी। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और जरूरतमंद ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।इस अवसर पर मुखिया शबनम कुमारी यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सुविधा का विस्तार जनता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ह्लरतनपुर में इंडियन बैंक का मिनी ब्रांच शुरू होना पंचायत के लोगों के लिए बड़ी सुविधा है। अब ग्रामीणों को छोटे-छोटे बैंकिंग कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। बुजुर्गों, महिलाओं और मजदूर वर्ग के लोगों को इससे विशेष राहत मिलेगी।

डीएम ने लिया प्राणपुर प्रखंड में बाढ का जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने मंगलवार को प्राणपुर प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान वरीय पदाधिकारियों साथ प्रखंड के पदाधिकारी साथ रहे। जिला पदाधिकारी सहजा पंचायत के बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।वहीं प्रशासन द्वारा संचालित सामुदायिक रसोई, पशु शिविर, चिकित्सा शिविर एवं स्वच्छ पेयजल व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान डीएम ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है। बाढ प्राभावित किसी भी परिवार को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक त्वरित राहत पहुँचाने एवं जीआर की राशि वितरण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। डीएम के दौरे के साथ सदर अनुमंडल पदाधिकारी सूरज कुमार सहित कई अन्य वरीय पदाधिकारी एवं प्रखंडस्तरीय पदाधिकारी रहे।

डूबने से एक व्यक्ति की मौत, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, ग्रामीण व गोताखोर की मदद से शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के मनोहरपुर पंचायत में पोखर मे डुबने से एक व्यक्ति रोहित उरांव (40) के डूबने का मामला प्रकाश मे आया है। घटना मनोहरपुर गैस गोदाम के पास स्थित धार पोखर की है। जहां पटवा से रेशा निकालने के लिए पानी से गोडे गये पटसन को ऊपर लाने रोहित उरांव के डूबने की जानकारी मृतक के परिजनों ने दी है। मौके पर पहुंचे एसएचओ संतोष कुमार झा ने ग्रामीणों एसडीआरएफ व पुलिस बल के सहयोग से शव को बाहर निकाला। काजगी कानूनी प्रक्रियापूरी शव को अंत्य परीक्षण हेतु भेजा। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों ने जानकारी दी कि मृतक पटवा पानी से ऊपर निकालने गया लेकिन डूब गया। इस आदसे से परिजन का रो रोकर बूरा हाल है. गांव मे मातमी संन्नाटा पसरा है। थानाध्यक्ष के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने पर आपदा राहत कोष से मिलनेवाली अनुग्रह राशि मृतक के परिजन को दिये जाने का अनुरोध पत्र भेजा जाएगा।

पंचायत सेवा संघ की मांगों के समर्थन में काली पट्टी बांधे पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार पंचायत सेवा संघ की विभिन्न मांगों के समर्थन में जिले के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी बीपीआरओ एवं संबंधित पदाधिकारी15 सितंबर से कार्यालय अवधि में काली पट्टी धारण कर सांकेतिक विरोध शुरू किया। संघ की जिला इकाई ने जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी को ज्ञापन सौंपकर वर्षों से लंबित मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। संघ की प्रमुख मांगों में प्रखंड स्तरीय पंचायत राज पदाधिकारी के पद को राजपत्रित घोषित कर आवश्यक वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियां देने, बीपीआरओ को पंचायत समिति के कार्यपालक पदाधिकारी के रूप में नामित करने, वेतन एवं सेवा संबंधी विसंगतियां दूर कर उचित वेतनमान एवं सेवा सुविधाएं देने की मांग शामिल है। संघ ने प्रोन्नति व्यवस्था में सुधार, कैडर का पुनर्गठन और लंबित प्रोन्नति मामलों का शीघ्र निष्पादन करने के साथ एसीईओ, एडीपीआरओ से संबंधित विभागीय पत्रों को धरातल पर लागू करने की मांग की है। एडीपीआरओ पद के लिए कार्यालय, वाहन एवं पंचायतों के निरीक्षण से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई है। ज्ञापन में विभागीय पदाधिकारियों को कार्य एवं दायित्वों के निर्वहन के लिए पर्याप्त प्रशासनिक एवं कार्यात्मक स्वतंत्रता, विभागीय कार्यों में गैर-विभागीय पदाधिकारियों के अनावश्यक हस्तक्षेप पर रोक तथा विभागीय कर्मियों पर संबंधित विभागीय पदाधिकारी का पूर्ण एवं एकल प्रशासनिक नियंत्रण सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इसके अलावा प्रखंड पंचायत राज कार्यालयों के सुचारू संचालन के लिए उच्च वर्गीय लिपिक,निम्न वर्गीय लिपिक एवं अनुसेवक की पदस्थापना, कार्यालय के लिए अलग से कार्यालय व्यय की व्यवस्था तथा संवर्ग की अन्य लंबित एवं जायज मांगों का शीघ्र एवं समयबद्ध निराकरण करने की मांग की गई है। संघ ने कहा कि मांगों के समाधान को लेकर लगातार वार्ता, पत्राचार एवं विभिन्न स्तरों पर अनुरोध के बावजूद ठोस एवं सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। इसी के विरोध में काली पट्टी धारण कर सांकेतिक विरोध किया जा रहा है। विरोध के दौरान कार्यालय का नियमित कार्य पूर्ववत सुचारू रूप से संचालित रहेगा। ज्ञापन पर जिला इकाई के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। इनमें बीपीआरओ सोनी कुमार गुप्ता, एडीपीआरओ चंदन कुमार, बीपीआरओ फलका अनुष्का प्रिया, बीपीआरओ डंडखोरा दीप शिखा, बीपीआरओ मनसाही अमरेन्द्र कुमार, बीपीआरओ समेली मो. हाशिम, बीपीआरओ अमदाबाद डॉ. पियूष कुमार मिश्रा, बीपीआरओ बरारी राज कुमार सिंह, बीपीआरओ कोढ़ा प्रियंका कुमारी तथा बीपीआरओ कुरसेला शान्तनु कुमार ठाकुर शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

टाटा ग्रुप के शेयरों में 20 प्रतिशत तक उछाल, आरबीआई इनकार से मिला बूस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप के शेयरों में आज भारी उछाल देखने को मिली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाइटन कंपनी में 20 प्रतिशत तक की तेजी आई। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के अपने रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को सरेंडर करने का अनुरोध किया था लेकिन आरबीआई ने खारिज कर दिया। इससे कंपनी की लिस्टिंग का रास्ता साफ हो गया है। टाटा संस में टाटा ग्रुप की कंपनियों की 12.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। माना जा रहा है कि लिस्टिंग के लिए टाटा संस की वैल्यूएशन 12 लाख करोड़ रुपये रह सकती है। इस कीमत पर टाटा ग्रुप की छह लिस्टेड कंपनियों के पास टाटा संस के लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये के शेयर हैं। यही वजह है कि टाटा ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में आरबीआई के फैसले के कारण तेजी आई है। गणेश चतुर्थी के कारण सोमवार को शेयर बाजार में छुट्टी थी, इसलिए इसका असर आज दिख रहा है। क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत से ज्यादा की

तेजी आई। बीएसई पर कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 2,202 रुपये पर बंद हुआ था और आज 2,271 रुपये पर खुला। कारोबार को दौरान यह 2,322.50 रुपये तक उछला। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 3,336.70 रुपये और न्यूनतम स्तर 1,976 रुपये है। दूसरे आईटी शेयरों में भी तेजी आई है। ह्रस्श्व पर टाटा मोटर्स के शेयर 6 प्रतिशत बढ़कर 320 पर पहुंच गए। टाटा केमिकल्स के शेयरों में 20 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा, वहीं टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्प के शेयरों में 10 प्रतिशत तक की बढ़त हुई। टाटा केमिकल्स की टाटा संस में 2.53 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बीएसई पर कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 612.10 रुपये पर बंद हुआ था और आज 734.50 रुपये के साथ खुलते ही अपर सर्किट लग गया।

ग्रे मार्केट में मुनाफे के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टीमहाउस इंडिया के आईपीओ का आज मंगलवार को अलॉटमेंट हो सकता है। इसे निवेशकों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस आईपीओ का इश्यू साइज करीब 414 करोड़ रुपये है। यह लगभग 32 गुना सब्सक्राइब हुआ था। अब निवेशकों की नजर शेयर अलॉटमेंट के आधार पर है। अलॉटमेंट जारी होने के बाद निवेशक ऑनलाइन चेक कर सकेंगे कि उन्हें शेयर मिले हैं या नहीं। कंपनी के शेयर 17 सितंबर 2026 को ब्संस्श्व और ह्रस्श्व पर लिस्ट होने की उम्मीद है। स्टीमहाउस इंडिया आईपीओ को लेकर ग्रे मार्केट में भी हलचल बनी हुई है। मौजूदा समय में कंपनी का करीब 30 रुपये है। कंपनी के अपर प्राइस बैंड 81 रुपये प्रति शेयर था। इस हिसाब से जीएमपी के आधार

पर अनुमानित लिस्टिंग प्राइस करीब 105 रुपये प्रति शेयर बैठता है। यानी मौजूदा जीएमपी के हिसाब से निवेशकों को करीब 30 प्रतिशत का संभावित लिस्टिंग गेन मिल सकता है। हालांकि, अनऑफिशियल संकेतक है। इसमें लिस्टिंग तक बदलाव हो सकता है और ग्रे मार्केट का अनुमान वास्तविक शेयर प्राइस या लिस्टिंग गेन की गारंटी नहीं देता। यह आईपीओ 9 सितंबर को खुला और 11 सितंबर 2026 को बंद हुआ था। इसे निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और इश्यू करीब 32 गुना सब्सक्राइब हुआ। रिटेल कैटेगरी में यह आईपीओ 18 गुना सब्सक्राइब हुआ था। स्टीमहाउस इंडिया आईपीओ से मिलने वाली रकम का बड़ा हिस्सा कंपनी के कर्ज को कम करने में इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी करीब 180 करोड़ रुपये के बकाया कर्ज को चुकाने या प्रीपेमेंट करने की योजना बना रही है। इसके अलावा कंपनी अपनी क्षमता बढ़ाने पर भी पैसा खर्च करेगी। स्थापना जून 2015 में हुई थी।

10 गाय पालने पर 2 लाख से 10 लाख लोन मिल सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहां पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में भी करोड़ों किसान और उनके परिवार लगे हुए हैं। ऐसे में कई लोग ऐसे होते हैं जिन्हें अपने पशुपालन और डेयरी उद्योग को शुरू करने के लिए पर्याप्त पैसे की जरूरत होती है। वे इसके लिए सस्ते लोन की तलाश में होते हैं।

ऐसे में एक सवाल यह है कि किसी को 10 गाय पालने के लिए लोन की जरूरत है तो क्या वह मिल सकता है आइए इसके बारे में हम जानते हैं। इसके साथ ही हम यह भी जानेंगे कि गाय पालन के लिए लोन लेने के लिए पात्रता, दस्तावेज और आवेदन (अप्लाई) करने की आसान प्रक्रिया क्या है। पशुपालन लोन पर सालाना ब्याज दर 7 फीसदी से शुरू होती है। इसपर राज्य सरकारों की योजनाओं के अंतर्गत 25 से 35 फीसदी तक की सब्सिडी भी मिल सकती है। एससी/एसटी वर्ग के किसानों के लिए अधिक सब्सिडी की व्यवस्था होती है। वहीं, इस लोन को चुकाने के लिए समयसीमा 5 से 7 साल तक होती पशुपालन लोन के लिए जरूरी

दस्तावेजों में पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड; पासपोर्ट साइज फोटो, राशन कार्ड या मूल निवास प्रमाण पत्र, बैंक खाता, कम से कम 6 महीने का बैंक स्टेटमेंट और जमीन के कागजात आदि। पशुपालन लोन के लिए आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया: पशुपालन लोन के लिए आप यदि ऑनलाइन आवेदन करना चाहते हैं तो इसके लिए आप से जुड़ी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर विजिट कर सकते है। इसके अलावा आप एसबीआई की वेबसाइट पर भी जाकर इस लोन के लिए आवेदन कर सकते है।

10 गाय पालने पर कितना लोन मिल सकता है

देश में गाय पालन के लिए पशुपालन लोन की व्यवस्था है। इसके तहत पात्र किसानों और पशुपालकों को बैंक से आसानी से लोन की भी सुविधा है। हम यहां सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पशुपालन लोन के बारे में जानेंगे। इसके जरिए केवल गाय ही नहीं बल्कि भैंस, बकरी, मुर्गी, मत्स्य पालन के लिए भी लोन मिलता है। अब सवाल यह है कि 10 गाय पालने पर कितना लोन मिल सकता है इसका जवाब है कि 10 गाय पालने के लिए आपको 2 लाख से 10 लाख के बीच लोन मिल सकता है। यह लोन आपको पशुपालन लोन के जरिए मिलता है। एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, पशुपालन लोन के जरिए बैंक देश के किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को लोन की सुविधा देता है। इस लोन योजना का संचालन भारत सरकार के पशुपालन एंव डेयरी विभाग के द्वारा किया जाता है। इस लोन के तहत आप डेयरी, पशुपालन, दुधारू पशु खरीदने के लिए, चारे की व्यवस्था के लिए, शेड बनाने के लिए, पशु बीमा और डेयरी मशीनरी समेत अन्य चीजों के लिए सुविधा पा सकते हैं। हालांकि, इस प्रकार के लोन के लिए ऑफलाइन की सुविधा को अच्छा माना जाता है। सबसे पहले आप संबंधित बैंक की नजदीकी शाखा पर जाएं।
अब आप बैंक मैनेजर से मिलें और पशुपालन लोन की जानकारी मांगे और समझें।

शेयर बाजार में बड़ा उछाल, सेंसेक्स और निफ्टी में कितनी दिखी तेजी टेक महिंद्रा 5.47 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच आज बहुत दिन बाद घरेलू शेयर बाजार में उछाल दिखा। 30 शेयरों वाला इंडेक्स सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 600 अंकों की तेजी दिखाया। यह हरे निशान में बढ़त के साथ 75,369.63 के लेवल पर खुला। वहीं, 50 शेयरों वाला इंडेक्स निफ्टी भी हरे निशान में खुला है। यह शुरुआती कारोबार में 23,576.15 के लेवल पर खुला। मार्केट खुलने के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से सबसे अधिक तेजी टेक महिंद्रा में दिखी। यह 5.47 फीसदी तेजी के साथ 1823.70 पर कारोबार कर रहा था।

शानदार उछाल के साथ शुरू हुए सेंसेक्स में कुछ समय बाद थोड़ी गिरावट दिखी। यह 9 बजकर 48 मिनट पर 150 अंकों के उछाल के साथ कारोबार कर रहा था। यह 0.20 फीसदी की तेजी के साथ हरे निशान में 74,932.14 पर दिखा। वहीं, निफ्टी में इस दौरान 0.16 फीसदी की तेजी दिखी। यह 36.65 अंक के साथ 23,434.75 पर ट्रेड कर रहा था।

गणेश चतुर्थी पर 14 सितंबर दिन सोमवार को बाजार बंद था। वहीं, बीते कारोबारी सत्र यानी कि शुक्रवार 11 सितंबर को मार्केट लुढ़का था। सेंसेक्स जहां 700 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार शुरू किया था, वहीं मार्केट बंद के दौरान यह 0.16 फीसदी गिरकर (120.83 अंक) लाल निशान में 74,781.76 पर बंद हुआ था। निफ्टी, जो शुक्रवार को 23,270.30 पर खुला था, वह 0.34 फीसदी गिरकर 23,398.10 पर बंद हुआ था। 30 शेयरों वाले इंडेक्स यानी कि सेंसेक्स के टॉप गेनर्स में एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक और टॉप लूजर्स में टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सनफार्मा शामिल थे। वैश्विक बाजार यानी कि ग्लोबल मार्केट में तेल की कीमतों में वृद्धि और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका के चलते एशिया में शेयर बाजार में गिरावट आई। जापान का निक्केई सूचकांक 0.8 प्रतिशत गिर गया, जबकि दक्षिण कोरिया में एआई विकास में मंदी की आशंकाओं के बाद इसमें 2.1 प्रतिशत की गिरावट आई। जापान को छोड़कर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयरों का एमएससीआई का सबसे व्यापक सूचकांक 0.8 प्रतिशत फिसल गया, जबकि चीनी ब्लू चिप शेयरों में 0.4 प्रतिशत की गिरावट आई। यूरोप में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि फ्यूचर्स में 0.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और फ्यूचर्स में 0.2 प्रतिशत की मजबूती आई। वॉल स्ट्रीट पर, फ्यूचर्स में 0.4 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक फ्यूचर्स में 1.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

जो वैज्ञानिक नहीं सोच पाए, 9वीं पास ने कर दिया वो काम, अब हर साल 45 लाख रुपये की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है हरिमन शर्मा की। वह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के पनियाला गांव के रहने वाले हैं। 9वीं तक पढ़े हरिमन ने वह कर दिखाया है जिसकी कल्पना किसी वैज्ञानिक ने भी नहीं की थी। बिलासपुर जिले के मैदानी और गर्म इलाके में उन्होंने सेब उगाकर दिखाए हैं। ये आमतौर पर बर्फबारी वाले इलाकों में होते हैं। 1999 में घने कोहरे के कारण आम का बाग नष्ट होने के बाद हरिमन ने हार मानने के बजाय एक ऐसी चुनौती चुनी जो नामुमकिन लगती थी। करीब 8-9 साल के प्रयोगों और वैज्ञानिक पद्धतियों के दम पर उन्होंने नाम के सेब की किस्म विकसित की। यह 45 डिग्री तक के तापमान को सहन कर सकती है। हरिमन शर्मा को इस अनूठे कृषि योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। आइए, यहां हरिमन शर्मा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। हरिमन शर्मा की शुरुआती जिंदगी बेहद संघर्षपूर्ण थी। जन्म के 3 दिन बाद ही मां का साया सिर से उठ गया। 9वीं के बाद पढ़ाई छोड़ वह मजदूरी करने लगे। 1990 के दशक में वह सब्जी और आम की खेती कर रहे थे। लेकिन, 1995 और 1999 में भीषण कोहरे और पाले ने उनके आम के बागों को तबाह कर दिया। इस आपदा ने उन्हें एक ऐसे फल की तलाश करने पर मजबूर किया जो सर्दियों के पाले में सुप्त रह सके।

5,500 करोड़ का निवेश, विश टाउन के सभी बायर्स की विश होने लगी है पूरी

नोएडा, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में 'विश टाउन' प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है। इस कंपनी के दिवालिया होने से पहले जिन बायर्स ने प्रोजेक्ट में फ्लैट बुक कराया था, उन्हें चाबी मिलनी शुरू हो गई है। एनसीएलटी ने इस प्रोजेक्ट को

जिन्हें सौंपा है, उसका कहना है कि साल 2028 के मार्च तक वह सभी फ्लैट्स का निर्माण पूरा कर लेंगे। उसके बाद होमबायर्स को उसकी चाबी सौंप दी जाएगी। इसमें करीब 20,000 फ्लैट्स हैं। इस अटके प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए करीब 5,500 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है।

विश टाउन के फ्लैट डिलीवर होने लगे

एनसीएलटी ने सुरक्षा ग्रुप को इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसने साल 2024 में जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड को अपने नियंत्रण में ले लिया था। सुरक्षा ग्रुप के नॉन-एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुधीर वालिया का कहना है कि उन्होंने प्रोजेक्ट के 84 टावरों का निर्माण पूरा कर लिया है। इन टावर्स में 7,913 यूनिट्स शामिल हैं। इन फ्लैटों की चाबी सौंपी जा रही है। कुछ लोग रहने भी आ गए हैं। हालांकि, इनमें से करीब 3,000 फ्लैट्स के बायर्स ने अभी तक मकान लेने के लिए संपर्क नहीं किया है। सुधीर वालिया ने बताया कि फिलहाल तो 1500 करोड़ रुपये वह लगा चुके हैं। इसके अलावा प्रोजेक्ट में करीब दो हजार यूनिट अभी तक बिके नहीं हैं। इसे बेच कर 2500 से 3000 करोड़ रुपये तक आ जाएंगे। साथ ही आगरा एक्सप्रेसवे से हर साल 500 करोड़ रुपये का टोल आता है। दो साल के दौरान इससे भी करीब 1,000 करोड़ रुपये आ जाएंगे। इससे असानी से प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा। फिलहाल तो 1,500 करोड़ रुपये लगा चुके हैं। प्रोजेक्ट में करीब दो हजार यूनिट अभी तक बिके नहीं हैं।

मार्च 2028 तक सभी फ्लैट बन जाएंगे

वालिया ने बताया कि जेपी इंफ्राटेक के नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अटके प्रोजेक्ट्स में करीब 20,000 फ्लैट्स हैं। इन्हें पूरा करने के लिए कंपनी करीब 5,500 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। अभी तक इसमें 1500 करोड़ रुपये का निवेश हो भी चुका है। उन्हें उम्मीद है कि मार्च 2028 तक सभी फ्लैट्स डिलीवरी के लिए तैयार हो जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी फ्लैट का निर्माण पूरा होने की समय सीमा छह महीने और बढ़ सकती है। क्योंकि नवंबर-दिसंबर के महीने में जब दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण बढ़ता है तो एनजीटी कंस्ट्रक्शन पर तीन महीने का प्रतिबंध लगा देता है।

3 प्रतिशत उछला एचडीएफसी बैंक का शेयर, पिछले सत्र में पहुंचा था 52 हफ्ते के लो पर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक का शेयर आज शुरुआती कारोबार में 3 प्रतिशत उछल गया। बीएसई पर पिछले सत्र में यह 708 रुपये पर बंद हुआ था और आज 722.90 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह करीब 3 फीसदी उछलकर 730.30 रुपये पर पहुंच गया। बैंक के लिए दो उम्मीदवारों के नाम आरबीआई को भेजे हैं। इसके साथ ही शशिधर जगदीशन के उत्तराधिकार की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। जगदीशन इस साल के आखिर में रिटायर होने वाले हैं। हालांकि एचडीएफसी बैंक ने अभी तक उम्मीदवारों के नामों का खुलासा नहीं किया है। लेकिन ईटी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर कैजाद भरूचा और एक बाहरी उम्मीदवार इस लिस्ट में शामिल हैं। बाहरी उम्मीदवार के तौर पर प्रूडेंशियल लाइफ के ष्टश्वह्र अनूप बागची और सिटी इंडिया के ष्टश्वह्र के. बालासुब्रमण्यन के नाम शामिल हो सकते हैं।

कहां तक जाएगी कीमत: गवर्नेंस को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण बैंक के शेयरों में भारी बिकवाली हुई थी। नोमुरा का मानना है कि कैजाद भरूचा की संभावित नियुक्ति से कामकाज में निरंतरता बनी रहेगी। बैंक और उसके कारोबार की कैजाद की समझ से ट्रांजिशन भी आसान हो जाएगा। इंटरनेशनल ब्रोकरेज ने स्टॉक पर अपनी 'बाय' सलाह बनाए रखी है और इसका टारगेट प्राइस 950 प्रति शेयर तय किया है। यह इसके पिछले बंद भाव से 34 प्रतिशत अधिक है।

इस बीच बर्नस्टीन ने बैंक के शेयरों पर अपनी आउटपरफॉर्म रेटिंग बनाए रखी है और टारगेट प्राइस 1,150 प्रति शेयर तय किया है जो पिछली क्लोजिंग कीमत के मुकाबले 62 प्रतिशत है। मैक्वेरी ने भी बैंक के शेयरों पर अपनी आउटपरफॉर्म रेटिंग बनाए रखी है और टारगेट प्राइस 1,150 प्रति शेयर तय किया है।

कम उम्र में रिटायरमेंट के लिए अहम फाइनेंशियल रूल; आपको मालूम है

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी भी व्यक्ति के लिए रिटायरमेंट प्लान उसके बुढ़ापे में आर्थिक मदद के लिए काफी जरूरी होता है। इसके लिए आपको काफी पहले से प्लानिंग करके किसी अच्छी स्कीम या फंड में निवेश करना होता है।

ऐसे में आज के समय में कई ऐसे लोग हैं, जो समय से पहले रिटायर होना चाहते हैं। मतलब कि वे रिटायरमेंट के लिए 60 की उम्र का इंतजार नहीं करना चाहते बल्कि वे 40 या 50 की आयु में रिटायर हो जाना चाहते हैं। लेकिन, ऐसे में बिना किसी प्लानिंग की रिटायरमेंट योजना आपको भारी पड़ सकती है। इस बीच हम आपके लिए एक ऐसे खास नियम को बताने जा रहे हैं, जो कम उम्र में आपकी रिटायरमेंट योजना में मदद कर सकता है। कम उम्र में रिटायरमेंट लेने के लिए नियम' को बहुत ही खास फाइनेंशियल प्लानिंग माना जाता है। मान लीजिए आप 40, 45, 50 या इससे पहले ही रिटायर होना चाहते हैं तो, यह नियम आपको रिटायरमेंट फंड को जुटाने की एक रणनीति बताता है। अगर आप इसको फॉलो करते हैं तो रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी आर्थिक रूप से काफी सही हो जाती है। अब आइए इस नियम का मतलब समझते हैं। नियम कहता है कि आपके रिटायरमेंट लेने के बाद आपके पास वार्षिक खर्च का कम से कम 25 गुना फंड होना चाहिए। मतलब कि अगर आप अपने सालाना खर्च का 25 गुना फंड जमा कर लेते हैं तो रिटायरमेंट के बाद आप हर साल आराम से जरूरत के हिसाब से फंड निकाल सकते हैं। 30ङ्ग नियमः 30ङ्ग नियम यह कहता है कि आपके रिटायर होने के

बाद आपके सालाना खर्च का 30 गुना आपके पास फंड होना चाहिए। इसके लिए आपको रिटायर होने से पहले अच्छी-खासी बचत करनी होगी।मान लीजिए कि आपका अभी का मासिक खर्च 50 हजार रुपये का है। इस हिसाब से आपका सालाना खर्च 50,000 म 12 = 600000 (6 लाख) होगा। रिटायरमेंट प्लान एक ऐसी वित्तीय प्लानिंग है, जिसके तहत लोग रिटायरमेंट होने से पहले ही अपने भविष्य के लिए पैसों की बचत करते हैं ताकि ये पैसे रिटायरमेंट के बाद बिना किसी तय इनकम में भी मदद कर सकें। रिटायरमेंट के बाद वित्तीय मजबूती को बनाए रखने के लिए रिटायरमेंट प्लान जरूरी है। कम उम्र में रिटायरमेंट के फायदे में समय की पूरी स्वतंत्रता, परिवार और अपनों के लिए समय, नए बिजनेस या सामाजिक कार्य की शुरुआत का मौका, बड़े आराम से बिना किसी बढ़ती उम्र की परेशानी के घूमना, एडवेंचर करना आदि शामिल हैं।कम उम्र में रिटायरमेंट को सफल बनाने के लिए किस बात पर ध्यान देना चाहिएकम उम्र में रिटायरमेंट को सफल बनाने के लिए आपको मजबूत वित्तीय प्लान पर ध्यान देना चाहिए।

अमेरिका में फिर बन रहे 2008 के संकट जैसे हालात, भारत समेत पूरी दुनिया पर होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों ने पिछले दो हफ्तों में भारतीय बाजार में 14,400 करोड़ से ज्यादा के शेयर बेचे हैं। आने वाले दिनों में इसकी गति और तेज होने की आशंका है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका का केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व इसी हफ्ते पॉलिसी रेट्स की समीक्षा करने वाला है। माना जा रहा है कि ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जा सकती है। इसका भारत समेत पूरी दुनिया पर व्यापक असर देखने को मिलेगा क्योंकि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा डेट और इक्विटी मार्केट है। पॉलिसी दरों में बढ़ोतरी से अमेरिका में 10-साल की मैच्योरिटी वाले बॉन्ड की यील्ड और ऊपर जा सकती है। यह यील्ड एक महीने में लगभग 7 प्रतिशत बढ़ी है और अब यह 5 प्रतिशत के मनोवैज्ञानिक स्तर से ऊपर पहुंच गई है। लगभग 75 साल से दुनिया भर में एसेट्स की कीमत तय करने के लिए इन यील्ड्स का इस्तेमाल किया जाता रहा है। यही वजह है कि इनमें तेजी से निवेशकों के हाथपैर फूले हुए हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर 2023 के बाद यह पहला मौका है जब अमेरिका में 10-साल की यील्ड 5 प्रतिशत से ऊपर गई है। तीन साल पहले यह बहुत कम समय के लिए इस स्तर पर पहुंची थी। उससे पहले, यह 2007 में इस स्तर को पार कर गई थी, जो लीमन ब्रदर्स के डूबने से लगभग एक साल पहले की बात है।

'द रिवोल्यूशनरीज' को लेकर भावुक हुईं प्रतिभा रांटा

एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने बताया कि 'द रिवोल्यूशनरीज' उन प्रोजेक्ट्स में से एक था, जिसमें एक एक्ट्रेस के तौर पर उनसे बहुत कुछ करने की उम्मीद की गई थी। प्रतिभा ने 'प्रतिभा लाहिड़ी' का किरदार निभाने और उससे मिली सीख के बारे में एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी भी 'द रिवोल्यूशनरीज' के बारे में बिना भावुक हुए बात कर पाऊंगी। यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसने एक एक्टर के तौर पर मुझसे बहुत कुछ मांगा और बदले में मुझे उससे कहीं ज्यादा दिया। मुझे ऐसे सीन करने को मिले, जो मैं हमेशा से करना चाहती थी, ऐसे सीन जिन्होंने मेरी परीक्षा ली, मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और मुझे खुद के उन पहलुओं को खोजने में मदद की, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि मैं उन्हें किसी किरदार में ला सकती हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'प्रतिभा लाहिड़ी के जरिए मुझे ऐसी महिलाओं को महसूस करने और उन्हें पर्दे पर उतारने का मौका मिला जो गहराई से प्यार करती हैं, बहुत सारी जिम्मेदारियां उठाती हैं, और फिर भी आगे बढ़ने और मजबूत बने रहने का रास्ता ढूंढ लेती हैं। महिलाएं जिस तरह से अपनी जिंदगी को संभालकर रखती हैं, उसमें एक शांत मजबूती होती है, और प्रतिभा के जरिए उस पहलू को समझने का मौका मिलने के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी।' प्रतिभा ने इस किरदार के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए डायरेक्टर निखिल आडवाणी का भी शुक्रिया अदा किया।

उन्होंने आगे कहा, 'निखिल आडवानी, प्रतिभा का किरदार मुझ पर सौंपने और मुझे इस खूबसूरत दुनिया का हिस्सा बनाने के लिए आपका शुक्रिया। जब मैं अपने पहले फिल्मफेयर अवॉर्ड और जिस तरह से सब ने मेरा हौसला बढ़ाया, उसके बारे में सोचती हूं तो मैं अब भी भावुक हो जाती हूं। निखिल सर, आपको मेरे लिए चीयर करते और उस पल को मेरे साथ सेलिब्रेट करते देखना एक ऐसी याद है जिसे मैं हमेशा अपने साथ संजोकर रखूंगी।' इस शो के म्यूजिक के बारे में बात करते हुए प्रतिभा ने बताया कि 'और आएंगे' इस सीरीज के उनके सबसे पसंदीदा गानों में से एक है।

प्रतिभा ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'अब भी सब कुछ महसूस कर रही हूं। अब भी थोड़ी भावुक हूं और सबसे ज्यादा इस प्रोजेक्ट, इस किरदार, इस टीम और 'द रिवोल्यूशनरीज' को मिले इतने प्यार के लिए मैं बहुत आभारी हूं। हमारा हौसला बढ़ाने और इस सफर को इतना खास बनाने के लिए शुक्रिया।'

डेलनाज ईरानी ने बताई चुंबक में काम करने की खास वजह

मुंबई अभिनेत्री डेलनाज ईरानी को दर्शक लंबे समय से उनके मजेदार और यादगार किरदारों के लिए जानते हैं। छोटे पर्दे से लेकर फिल्मों तक, उन्होंने कई ऐसे किरदार निभाए हैं जिनमें उनकी कॉमेडी और अभिनय का अलग अंदाज देखने को मिला। हालांकि, इस बार डेलनाज कुछ ऐसा लेकर आई हैं जो उनके लिए भी एक तरह की नई चुनौती है। नेटफ्लिक्स की हालिया सीरीज चुंबक में वह एक पारसी किरदार निभा रही हैं। लेकिन इस किरदार को स्वीकार करना उनके लिए इतना आसान नहीं था।

डेलनाज ने खुलासा किया है कि उन्होंने अपने करियर में लंबे समय तक पारसी किरदारों से दूरी बनाए रखी। इसकी वजह पारसी समुदाय को पर्दे पर दिखाने का वह तरीका था, जिसमें अक्सर उनके बोलने के अंदाज, कपड़ों और हाव-भाव को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। ऐसे में जब उन्हें 'चुंबक' का प्रस्ताव मिला तो उन्हें पहली बार लगा कि इस किरदार को बिना किसी बनावटीपन के निभाया जा सकता है। डेलनाज ने कहा, जब भी मनोरंजन जगत में पारसी को दिखाया जाता है तो कई बार उसे जरूरत से ज्यादा मजाकिया और बनावटी अंदाज में पेश किया जाता है। किरदारों को एक खास तरह से बोलते हुए दिखाया जाता है, उनके पहनावे और हावभाव को भी बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, जो हमेशा स्वाभाविक नहीं लगता। उन्होंने कहा, सीरीज चुंबक में तारापोरवाला परिवार को काफी सामान्य और सहज तरीके से दिखाया गया है। सीरीज में पांच अलग-अलग परिवारों की कहानी है और तारापोरवाला परिवार को ऐसे पारसी परिवार के रूप में दिखाया गया है, जैसे असल जिंदगी में पारसी बस्तियों में रहने वाले परिवार होते हैं। मुझे यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई। मैं लंबे समय तक किसी ऐसे किरदार का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं, जिसमें किसी कम्युनिटी को केवल हंसी-मजाक या एक खास छवि तक सीमित कर दिया जाए। मेरे लिए जरूरी था कि किरदार में इंसानी पहलू हो और दर्शक उससे जुड़ सकें।

डेलनाज ने कहा, चुंबक का किरदार मेरे लिए खुद को एक अभिनेता के तौर पर चुनौती देने का मौका था। मैंने अपने ही अंदाज में खुद से कहा कि अब आगे बढ़कर यह किरदार करके देखना चाहिए और पता लगाना चाहिए कि क्या मैं एक सामान्य पारसी किरदार को सही तरीके से निभा सकती हूं।

ओमः चैप्टर 1 में तस्कर के रोल में नजर आएंगे ममूटी

ममूटी इन दिनों अपनी नई फिल्म 'ओमः चैप्टर 1' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह धनुष के साथ नजर आने वाले हैं। अब फिल्म से ममूटी के किरदार की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें वह बेहद दमदार और रहस्यमयी अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। ममूटी के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि वह करीब सात साल बाद तमिल सिनेमा में वापसी कर रहे हैं। उनकी पिछली तमिल फिल्म 'पेरंबु' थी, जो 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में ममूटी 'बर्मा कार्तिकेयन' नाम के किरदार की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में वह एक ताकतवर अंतरराष्ट्रीय तस्कर के रूप में दिखाई देंगे।

राखी सावंत के बयान पर भड़कीं कंगना रनौत

अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत एक बार फिर अपने बेबाक अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने राखी सावंत के हालिया बयान पर ऐसा पलटवार किया है, जिसने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। राखी ने एक पॉडकास्ट के दौरान कंगना और भाजपा नेता स्मृति ईरानी को लेकर पर्सनल और आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

इसके बाद कंगना ने राखी को जवाब देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा नोट शेयर किया। कंगना ने अपने पोस्ट में कहा, ''सिर्फ राखी ही नहीं बल्कि कई ऐसे लोग हैं जो किसी सफल महिला को देखकर उसके चरित्र पर सवाल उठाने लगते हैं। ऐसे लोग अपनी जलन, नाकामी और ईगो को सही ठहराने के लिए सफल महिलाओं पर बार-बार पर्सनल अटैक करते हैं। अब महिलाओं को इस तरह के लगातार होने वाले हमलों से खुद को कमजोर या अपमानित महसूस करना बंद करना चाहिए। हर बार खुद को सही साबित करने के लिए सफाई देते रहना जरूरी नहीं है।'' कंगना ने आगे लिखा, ''राखी ने सफलता के लिए चाहे जितने भी 'फेवर' किए हों, उससे उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ और वह एक स्वीपर की नौकरी तक हासिल नहीं कर पाई। ऐसी नौकरी के लिए भी कुछ क्वालिटी और टैलेंट की जरूरत होती है। फेवर मिले या न मिले, वह कहीं नहीं जाने वाली है, इसलिए बैठ जाओ, मेरी रील्स देखते हुए रोते रहो।''

दरअसल, यह पूरा विवाद राखी सावंत के एक पॉडकास्ट में दिए गए बयान के बाद शुरू हुआ। राखी ने बातचीत के दौरान भाजपा नेताओं को लेकर यौन संकेत वाले और आपत्तिजनक कमेंट किए, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गए हैं। बातचीत के दौरान राखी कहती हैं, ''मोदी जी इधर-उधर क्यों देख रहे हैं? कंगना में उन्हें हड्डियों के अलावा क्या मिलेगा? मोदी जी, स्मृति, कंगना और इन सभी महिलाओं ने आपको ऐसा क्या दिया कि आपने उन्हें मंत्री बना दिया? तो जो कुछ भी उन्होंने आपको दिया, वह मैं भी आपको दे सकती हूं।''

रोहित के बयान पर बड़ा विवाद :

टीवी को 'कूड़ेदान' बोलने पर भड़की देवोलीना

अभिनेता रोहित रॉय ने टीवी को 'कूड़ेदान जैसा माध्यम' कहकर चर्चा छेड़ दी है। रोहित ने कहा कि फिल्म स्टार्स में एक खास तरह का स्टाइल और क्लास होता है जो अक्सर टेलीविजन कलाकारों में नहीं दिखता। इस पर अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने रोहित रॉय की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रोनित रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं।

देवोलीना ने रोहित रॉय से पूछा सवाल

रोहित रॉय की बातों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि रोहित उसी माध्यम का अपमान कर रहे थे, जिसने उन्हें काम और पहचान दी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर वह टेलीविजन के बारे में इतना बुरा सोचते थे, तो इतने वर्षों तक इसका हिस्सा क्यों बने रहे।

रोहित रॉय पर भड़की देवोलीना

देवोलीना ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'लोगों की एक अजीब आदत होती है कि वे उसी हाथ को काटते हैं जो उन्हें खिलाता है। उसी थाली में छेद करते हैं जिसमें वह खाते हैं। उनकी बातें बिल्कुल वैसी ही लग रही हैं। फिल्मों की तो बात छोड़िए, सच कहूं तो मुझे यह भी याद नहीं कि वह किस टीवी सीरीज में थे। सच कहूं तो, ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रोनित रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं। अगर टीवी इतना ही बुरा था, तो उन्होंने इतने वर्षों तक इसका हिस्सा बने रहने का फैसला क्यों किया? अब वह उसी माध्यम को 'डस्टबिन' कह रहे हैं।'

क्या रोहित कर रहे बॉलीवुड स्टार्स पर तंज

देवोलीना ने यह भी कहा कि रोहित की बातों को उन बॉलीवुड एक्टर्स पर तंज के तौर पर देखा जा सकता है जो अक्सर टेलीविजन पर आते हैं। उन्होंने कहा, 'आज हर बड़ा बॉलीवुड स्टार अपनी फिल्मों को प्रमोट करने, रियलिटी शो होस्ट करने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए टेलीविजन पर आता है। क्या वह यह कहना चाह रहे हैं कि वे सभी 'डस्टबिन मीडियम' में काम कर रहे हैं? यह बस उसी इंडस्ट्री को नीचा दिखाकर ध्यान खींचने की एक हताश कोशिश लगती है जिसने उन्हें बनाया है।'

क्या बोले थे रोहित रॉय

इससे पहले रोहित रॉय ने किंडल कास्ट से बातचीत में कहा था कि मुझसे यह सवाल कई बार पूछा गया है और कभी-कभी मुझे लगता है कि मुझे एहसान-फरामोश नहीं लगना चाहिए। मगर टेलीविजन एक 'डस्टबिन मीडियम' है। आप इसे आज देखते हैं, यह कल के अखबार जैसा होता है। कल आप इसे भूल जाते हैं। इसलिए भारत में दुर्भाग्य से जिस तरह का और जितना कंटेंट बनाया जा रहा है, उसमें शायद ही कोई क्रिएटिविटी होती है।'

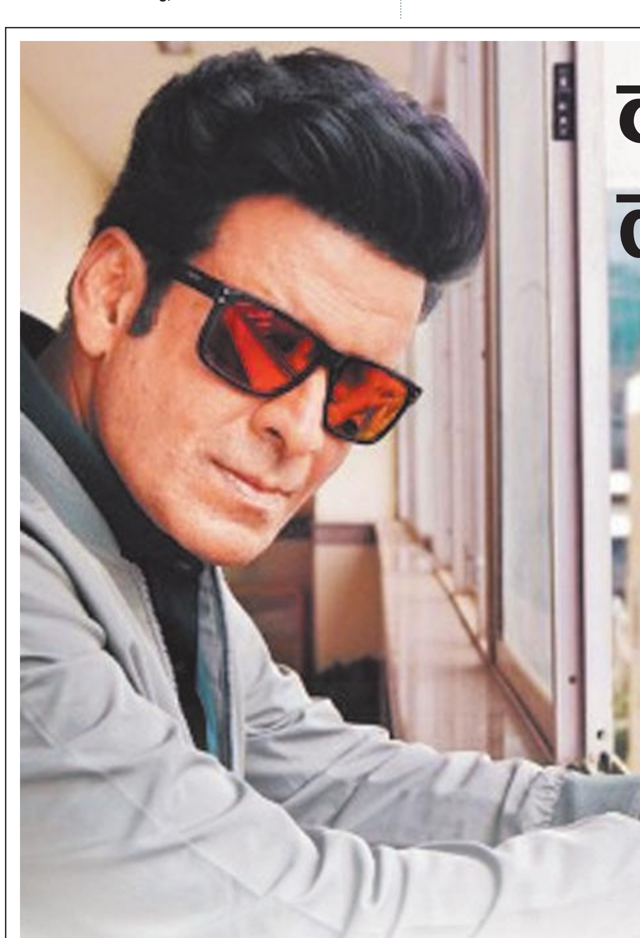

कभी-कभी मेरे अंदर का गांव का जो लठैत है, वो अंदर से बाहर आना चाहता है

कद्दावर अभिनेता मनोज बाजपेयी करीब तीन दशकों से अपनी भूमिकाओं के साथ -नित नए प्रयोग करते जा रहे हैं। मनोरंजन के नए डायनामिक्स के साथ भी उन्होंने कदमताल करना सीखा, यही वजह है कि सिनेमा के साथ -साथ वे ओटीटी का भी बड़ा चेहरा बन गए। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर।

तीस सालों से भी ज्यादा का सफर तय कर चुके मनोज बाजपेयी सोशल मीडिया पर अच्छे-खासे एक्टिव हैं, मगर वे यहां होने वाली उठापटक से कितना प्रभावित होते हैं? उनके लिए लाइक्स, कमेंट्स और व्यूज कितना मायने रखते हैं? इस पर वे कहते हैं, 'मैं लाइक्स और कमेंट्स नहीं देखता। अब इतने साल बाद मुझे ये देखना पड़े तो लानत है मेरे काम, मेरी तीस साल की जर्नी पर'।

जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं

उन जैसे सोबर अभिनेता को क्या कभी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा? इस पर वे तपाक से कहते हैं, 'बिलकुल, हाल-फिलहाल कुछ ही महीने पहले जब मेरी एक फिल्म के टाइटल (घूसघोर पंडित) को लेकर विवाद हुआ, उस पर जो धमकियां और जान की धमकी मिली और मैं जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं। क्योंकि उस फिल्म का चेहरा मैं हूं, तो मुझे ये सब सहना पड़ा। खैर अब तो फिल्म का शीर्षक बदल दिया गया है। अब क्या है न कि आप कोई भी फिल्म बना रहे हो, कोई भी क्रिएटिव काम कर रहे हो, तो उसके विरोध के स्वर कहीं से भी आ सकते हैं। आज के दौर में ट्रोलिंग बहुत आसान है। कोई भी कहीं से कुछ भी बोल सकता है। अगर आपको गाली देना हो तो बड़े से बड़े लोग भी अछूते नहीं हैं।'

कभी-कभी मेरे अंदर का लठैत जाग उठता है

ट्रोलिंग को हैंडल करने के मसले पर वे कहते हैं, 'या तो आप उसको गंभीरता से लीजिए या ये समझिए कि कुछ लोग हैं, जो आपको अपने स्तर पर लाना चाहते हैं, ताकि आप ऐसे जवाब दें, रिएक्ट करें। जाहिर है आप उनके स्तर पर नहीं जाना चाहेंगे। आप अपने जीवन में कितने ऐसे लोगों से बातचीत करते हैं? जो लोग जहीन लोग हैं, जो पढ़ते-लिखते हैं, जो अच्छा देखते हैं, जिनके साथ ज्ञान मिलता है, हम उनके साथ उठते-बैठते हैं। बाकी समय परिवार को जाता है, तो मैं कभी जवाब नहीं देता। मगर कभी-कभी मेरे अंदर का गांव का जो लठैत है, वो अंदर से बाहर आना चाहता है। फिर मैं कहता हूं, मनोज यार, किस-किस के मुंह लगोगे? जो आदमी अभी उठा होगा, जो अपने पिताजी से पैसे मांगने वाला होगा कि आज जरा फिल्म देखने जाना है या मुझे आइसक्रीम खानी है या अपने पिताजी को बेवकूफ बनाना चाह रहा होगा कि कैसे भी पैसे हड़प कर लूं। वो आपको गाली दे रहा है। एक आदमी जो 18 साल की उम्र में घर से बाहर निकल गया, आप अब उसको गाली दे रहे हो, इतना काम करने के बाद। अगर उसको इतनी भी शर्म नहीं, तो क्या ही कहें? मुझे तो छोड़िए, ये बड़े से बड़े लोगों को गाली देते हैं। ऐसे लोगों के मुंह क्या लगना?'

हर बार विरासत हार रही है

उनकी हालिया फिल्म में 'विरासत वर्सेज डेवलपमेंट' की लड़ाई दिखाई गई है। इस मुद्दे पर वे कहते हैं, 'विकास बनाम विरासत, विकास बनाम यादें, ये लड़ाई बहुत पुरानी है और हर बार जो है, विरासत हार रही है। धरती बदल रही है और आधुनिकता के नाम पर जिस तरह के कंस्ट्रक्शन हो रहे हैं, उसमें हम अपनी मिट्टी और विरासत की पहचान कायम नहीं रख पा रहे हैं। सीधी-सी बात है, हमारे एयरपोर्ट्स और स्टेशन हमारी 700, 600 या 1000 साल पुरानी वास्तुकला से प्रेरणा लेकर क्यों नहीं बन सकते? क्यों हमेशा वो मैनहैटन या न्यूयॉर्क का एयरपोर्ट ही लगें? ये बात मुझे आज तक समझ नहीं आई। हर जगह की अपनी पहचान है। अमेरिका की अपनी और हिंदुस्तान की अपनी। राजस्थान में कुछ बन रहा है तो उसमें राजस्थान क्यों नहीं दिखना चाहिए? विकास बनाम विरासत की ये लड़ाई बहुत पुरानी है और इस फिल्म में भी यही संघर्ष है। एक तरफ मास्टर जी हैं, जो अपनी यादों और विरासत को बचाए रखना चाहते हैं, दूसरी तरफ वे लोग हैं जिनकी जरूरतें बढ़ गई हैं और उनके लिए विकास जरूरी है। ये कहानी 50 साल पुरानी नहीं, आज हमारे आस-पास चल रही लड़ाई है।'

संक्षिप्त समाचार

एटीपी रैंकिंग

जोकोविच सात पायदान नीचे खिसके, 24 साल बाद पहली बार 'टॉप 10' से 'बिग 3' नदारद

नई दिल्ली। यूएस ओपन के पहले ही राउंड में नोवाक जोकोविच को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में वह 'टॉप 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गए। जोकोविच को पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोन के हाथों शिकस्त मिली थी। अक्टूबर 2002 के बाद ऐसा पहली बार

है, जब 'बिग थ्री' (जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर) में से कोई भी एटीपी रैंकिंग के 'टॉप-10' में शामिल नहीं है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर ने साल 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के मेजर विजेता नडाल ने 2024 में खेल को अलविदा कह दिया था। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच 39 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं और उन्हें अपने 25वें मेजर खिताब की उम्मीद है, जिससे वे मार्गरेट कोर्ट के 24 खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।
हालांकि, 25वें खिताब की उनकी हालिया कोशिश तब खत्म हो गई जब मारियानो नावोन के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें शारीरिक परेशानी और उल्टी हुई। न्यूयॉर्क में हार के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे अतीत की सभी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है, लेकिन अब जो है, सो है। यह स्पष्ट था कि कोर्ट पर मुझे बहुत खराब महसूस हो रहा था।

विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनीं रिबाकिना, खत्म की सबालेंका की बादशाहत

नई दिल्ली । सोमवार को जारी साप्ताहिक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में बेलारूस की एरीना सबालेंका से आगे निकलने के बाद एलेना रिबाकिना आधिकारिक तौर पर विश्व की नई नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। हाल ही में खत्म हुए यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को हराने के बाद ही रिबाकिना का टॉप स्पॉट पक्का हो गया था। कजाकिस्तान की स्टार खिलाड़ी ने फाइनल में सबालेंका को हराकर इस टूर्नामेंट का समापन किया। रिबाकिना सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बनने वाली कजाकिस्तान की पहली (पुरुष या

महिला) खिलाड़ी बन गई हैं। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के कारण वह सबालेंका के काफी करीब बनी रहीं, जबकि बेलारूसी टेनिस स्टार का फॉर्म सीजन के बीच में थोड़ा गिर गया था। जहां सीजन के बीच में सबालेंका की लय बिगड़ी, वहीं रिबाकिना पिछले साल के आखिर से ही टॉप पर पहुंचने की ओर बढ़ रही थीं। उन्होंने इस साल सीजन के बीच में नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट स्विंग पर शानदार प्रदर्शन किया और उसके बाद 'बिग एप्पल' (न्यूयॉर्क) में भी सफलता हासिल की। नंबर 1 पोजीशन पक्का होने पर रिबाकिना ने प्रतिक्रिया दी थी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, रिबाकिना ने कहा, 'यह इतिहास है, और मुझे कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रोफेशनल बनूंगी या इतने बड़े मंचों पर इस तरह के टूर्नामेंट खेलूंगी।'

ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन

फाइनल में बेन शेल्टन को दी शिकस्त

न्यूयॉर्क । अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब और साल का दूसरा मेजर खिताब जीता। तीन घंटे 33 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद ज्वेरेव ने एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। अब वह सिनर से 700 अंक आगे हैं। यह रैंकिंग बताती है कि साल के अंत में एटीपी का नंबर एक खिलाड़ी कौन बनेगा। ज्वेरेव अपना छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल और इस साल का तीसरा फाइनल खेल रहे थे, जबकि शेल्टन अपने करियर में पहले कभी इस स्टेज तक नहीं पहुंचे थे। जर्मनी के स्टार खिलाड़ी ज्वेरेव इस साल शानदार फॉर्म में रहे हैं। मेजर टूर्नामेंट्स में उनका रिकॉर्ड 25 जीत और सिर्फ 2 हार का रहा है। उन्होंने इस साल केवल दो खिताब जीते हैं, लेकिन दोनों ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियां हैं। इसी वजह से वे साल के अंत में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बनने की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। अपनी जीत के बाद ज्वेरेव ने अपनी मां को खास तौर पर याद किया और बताया कि ग्रैंड स्लैम न जीत पाना उनके सामने आई सबसे बड़ी मुश्किल नहीं थी। ज्वेरेव ने कहा, 'जब आपके 4 साल के बेटे को डायबिटीज का पता चलता है और डॉक्टर आपको बताते हैं कि उस बच्चे की जिंदगी और खेल बहुत सीमित हो जाएंगे, तो उन डॉक्टरों के केबिन से बाहर निकलकर यह कहना कि 'मेरा बेटा जो चाहेगा, वही बनेगा' – इसके लिए एक बहुत ही मजबूत मां की जरूरत होती है। '

उन्होंने आगे कहा, 'अगर वह टेनिस खिलाड़ी बनना चाहता है, तो वह टेनिस खिलाड़ी बनेगा। अगर वह कुछ और करना चाहता है, तो वह कुछ और करेगा। मगर यह बीमारी हमारी पहचान तय नहीं करेगी। मुझे खुशी है कि हमने इससे मिलकर मुकाबला किया, और हम अभी जो कुछ भी कर रहे हैं, वह कर पा रहे हैं। '

शेल्टन 23 साल पहले यूएस ओपन में एंडी रॉडिक के बाद मेजर खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, वह नंबर 1 सीड खिलाड़ी को नहीं हरा पाए। यह अमेरिकी खिलाड़ी 1975 में आर्थर ऐश के बाद इस स्तर पर जीत हासिल करने वाले दूसरे अफ्रीकी-अमेरिकी पुरुष बनने की कोशिश कर रहे थे। अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में हार के बावजूद 23 वर्षीय शेल्टन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराया था। इस शानदार अभियान के दम पर वह एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की सबसे बेहतरीन चौथी रैंकिंग पर पहुंच जाएंगे।

धीरज बोम्मादेवरा ने रचा इतिहास

तीरंदाजी विश्व कप फाइनल जीतने वाले बने पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी

साल्टिलो (मेक्सिको) । जयंत तालुकदार के विश्व कप फाइनल में पदक जीतने के 16 साल बाद भारत को पुरुष रिकर्व वर्ग में फिर से बड़ी सफलता मिली है। धीरज बोम्मादेवरा ने बेहद दबाव भरे शूट-ऑफ में शानदार संयम दिखाते हुए जीत हासिल की। इसके साथ ही वह तीरंदाजी विश्व कप फाइनल का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। दुनिया के नंबर 10 तीरंदाज और सेना के 25 वर्षीय खिलाड़ी धीरज ने साल्टिलो में हुए रोमांचक फाइनल में जापान के नाकानिशी जुन्या को 6-5 से हराया। पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबरी पर था, जिसके बाद शूट-ऑफ में धीरज ने 10 का स्कोर किया, जबकि नाकानिशी ने 9 का स्कोर किया और धीरज ने गोल्ड मेडल अपने नाम करने में सफल रहे।

यह सफलता धीरज के लिए और भी खास रही, क्योंकि पिछले दो तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में वह पदक नहीं जीत पाए थे। 2023 और 2024 में उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। हालांकि, इस बार उन्होंने नॉकआउट मुकाबलों में शानदार खेल दिखाया और फाइनल में दुनिया के 20वें नंबर के तीरंदाज नाकानिशी का सामना किया।

फाइनल में कोई भी तीरंदाज हार मानने को तैयार नहीं था। पांच सेटों में स्कोर 28-28, 28-29, 29-28, 28-30 और 28-27 रहा, जिससे गोल्ड मेडल का फैसला बहुत कम अंतर से हुआ। धीरज की जीत ने इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग इवेंट में भारत का रिकॉर्ड भी बदल दिया। तालुकदार ने पहले 2010 में एडिनबर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से अब तक कोई भी भारतीय पुरुष गोल्ड मेडल नहीं जीत पाया था।

भारत की एकमात्र अन्य व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल चैंपियन डोला बनर्जी हैं, जिन्होंने 2007 में दुबई में महिलाओं का खिताब जीता था।

खिताबी जीत के बाद क्रांति गौड़ पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना

दुबई। भारत ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ विमेंस एशिया कप 2026 का फाइनल 72 रन से अपने नाम किया, लेकिन इस जीत के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सोमवार को बताया कि क्रांति गौड़ ने खिलाड़ियों की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया है, जिसमें ऐसी भाषा, हरकत या इशारे शामिल हैं जो किसी बल्लेबाज के आउट होने पर उनका अपमान करते हैं या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़का सकते हैं। यह घटना श्रीलंका की पारी के शुरुआती ओवर की है, जब क्रांति ने ओपनर इमेशा दुलानी को बोल्ड करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा किया। मैच फीस में कटौती के अलावा, क्रांति के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था।

क्रांति पर यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर सलीमा इम्तियाज और शथिरा जाकिर जेसी ने आरोप लगाए थे। इसमें थर्ड अंपायर रोकेया सुल्ताना और चौथे अंपायर हुमैरा फराह भी शामिल थीं, जिसके बाद आईसीसी इंटरनेशनल पैनल की मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास ने यह सजा दी।

क्रांति ने आरोप स्वीकारते करते हुए सजा मान ली, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी के नियमों के तहत, लेवल 1 के अपराधों के लिए खिलाड़ी की मैच फीस का अधिकतम 50 प्रतिशत जुर्माना और दो तक डिमेरिट प्वाइंट्स दिए जा सकते हैं।

एक अलग फैसले में, शुक्रवार को श्रीलंका के हाथों सेमीफाइनल में हार के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए पाकिस्तान पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, क्योंकि समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भी वे अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे पाए गए। आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत, अगर कोई टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाती, तो खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत हिस्सा हर ओवर के लिए काट लिया जाता है। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने अपनी गलती मानते हुए सजा स्वीकार कर ली है।

विमेंस एशिया कप के साथ भारत ने 'एशियन गेम्स' के लिए भी बेहतरीन तैयारी की: देवजीत सैकिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए 'विमेंस एशिया कप 2026' के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से रौंदकर रिकॉर्ड 8वीं बार खिताब जीता। 'विमेन इन ब्लू' के प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष देवजीत सैकिया बहुत खुश हैं। उनका मानना है कि इस टूर्नामेंट के साथ भारत ने एशियन गेम्स की शानदार तैयारी की है। सैकिया ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 'भारतीय महिला टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के सभी मैच एकतरफा रहे हैं। एशिया कप के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी बेहतरीन तैयारी की है। मैं टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देता हूं। हमारी यही कोशिश रहेगी कि जीत के इस सिलसिले को जापान (एशियन गेम्स) तक ले जाएं।' सैकिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलता का श्रेय बोर्ड के पूर्व सचिव जय शाह को देते हुए कहा, 'जय शाह ने महिला क्रिकेट को बढ़ावा दिया है।

भाजपा नेता मिथुन ने शुरू की 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल फिर से शुरू की है, जिसकी कोशिश करीब 15 साल से जारी है। सोमवार को उन्होंने न्यू टाउन में पूर्व फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी की योजना पर चर्चा की। मिथुन चक्रवर्ती की योजना प्रत्येक जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लाना है। वह पहाड़ी इलाकों पर भी फोकस करेंगे। उनकी योजना शुरुआत में 60 फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी शुरू करना है। इसके साथ ही दिग्गज अभिनेता मिथुन ने एकेडमी के वित्तीय योजना के बारे में भी बताया। मीडिया के साथ बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'बीते 15 वर्षों से कुछ हुआ नहीं, क्योंकि मैं शामिल था। मेरा नाम आते ही सब कुछ बैन कर दिया गया। कोई मैदान, कोई

फील्ड कुछ नहीं दिया गया... बोल के भी नहीं दिया। इसलिए 15 साल से ये ठप्प पड़ा हुआ था, लेकिन हम लोगों ने एक करोड़ रुपए जमा करके रखे हैं, जो अभी भी बैंक में हैं। अभी इस एकेडमी को चलाने के लिए, इसको ताकत देने के लिए और दो-तीन करोड़ रुपए मैं चंदे से जुटाउंगा, ताकि बंगाल फुटबॉल एकेडमी अच्छी तरह से चल सके। ' उन्होंने कहा, 'हम लोग अभी डिस्ट्रिक्ट में लोगों को भेजेंगे। सब जगह से अच्छे खिलाड़ियों को चुनेंगे।

हम 60 खिलाड़ियों को चुनेंगे, जिसमें से आदिवासी खिलाड़ियों पर मेरी ज्यादा नजर है। पहाड़ी इलाकों में, दार्जिलिंग, कालिम्पोंग ये सब जगह हिल्स एरिया में जो लड़के अच्छा खेलते हैं, उनके ऊपर मेरी ज्यादा नजर है। हमने चार-पांच ग्राउंड सोच रखे हैं। टेंडर के जरिए हमें जो मिलेगा, हम उसी में काम करेंगे। '

चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का निधन

नई दिल्ली। वेस्ट हैम, क्यूपीआर और चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का लंबी और गंभीर बीमारी से जूझने के बाद 64 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मिकलोस्को वेस्ट हैम फुटबॉल क्लब के दिग्गज खिलाड़ी थे। उन्होंने इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब के लिए 300 से ज्यादा मैच खेले। 2021 में उन्हें कैंसर का पता चला था और दिसंबर 2024 में उन्होंने इलाज बंद कर दिया था। वेस्ट हैम ने मिकलोस्को को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें 1990-91 में क्लब का 'हैमर ऑफ द ईयर' चुना गया था। वेस्ट हैम ने एक बयान में कहा, 'बहुत गहरे दुख के साथ वेस्ट हैम यूनाइटेड

दिग्गज पूर्व गोलकीपर और कोच लुडेक मिकलोस्को के निधन की घोषणा करता है। लुडेक, आप शांति से सोएं; आप हमारे प्यारे, प्रेरणादायक गोलकीपर और एक नेक और बड़े दिल वाले इंसान थे।' वहीं, उनके बेटे मार्टिन मिकलोस्को ने वेस्ट हैम के प्रति अपने पिता के प्यार का जिक्र किया। मार्टिन ने कहा, 'कैंसर से बहादुरी और हिम्मत के साथ लड़ने के बाद मेरे पिता लुडेक के निधन की खबर देते हुए हमारा दिल टूट गया है। डैड को वेस्ट हैम यूनाइटेड से बहुत प्यार था, और उन्हें खास तौर पर हर मैच में अपना नाम जोर-शोर और गर्व के साथ गाए जाते हुए सुनना बहुत पसंद था। क्लब और उसके प्रशंसक हमारे परिवार का हिस्सा थे और हमेशा रहेंगे, इसलिए आप सभी का दिल से शुक्रिया। '

झारखंड के जैविक और प्राकृतिक उत्पादों को विदेशों तक बेचने की तैयारी में केंद्र सरकार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

झारखंड। झारखंड में पारंपरिक तरीके से खेती करने वाले किसानों और जंगलों से प्राकृतिक उत्पाद जुटाने वाले संग्राहकों के लिए अच्छी खबर है. भारत सरकार ने जैविक और प्राकृतिक खेती के क्लस्टरों को सशक्त बनाने के लिए नयी मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है.

इसका सीधा लाभ झारखंड को मिलने की संभावना है. नई व्यवस्था के तहत राज्य के जैविक और प्राकृतिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की तैयारी की जाएगी. केंद्र सरकार ने इसकी जानकारी झारखंड समेत सभी राज्यों को दी है.\

पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों को मिलेगी प्राथमिकता

केंद्र सरकार की नई नीति में पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों के उत्पादों को प्राथमिकता देने की रणनीति बनाई गई है. झारखंड का बड़ा हिस्सा पहाड़ी और आदिवासी बहुल है. कई क्षेत्रों में किसान पारंपरिक तरीके से खेती करते हैं और रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों का इस्तेमाल अपेक्षाकृत कम होता है. ऐसे क्षेत्र जैविक और प्राकृतिक उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं. नई रढढ का उद्देश्य बेहतर प्रदर्शन करने वाले किसान समूहों, क्लस्टरों, किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों की पहचान कर उन्हें मजबूत करना है. इसके बाद उनके उत्पादों को घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए तैयार किया जाएगा.

एनपीओपी सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया होगी आसान

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जैविक उत्पादों के निर्यात के लिए प्रमाणन जरूरी है. इसी को ध्यान में रखते हुए नेशनल प्रोग्राम फॉर ऑर्गेनिक प्रोडक्शन (ठढढढ) सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है. इसे पहले की तुलना में आसान बनाने की कोशिश की गई है. यूरोप, अमेरिका और मिडिल ईस्ट जैसे बाजारों में जैविक उत्पादों के लिए थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन की मांग रहती है. अब सरकार की ओर से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर किसानों और उत्पादक समूहों को ठढढढ सर्टिफिकेशन दिलाने की योजना है. इससे केवल घरेलू स्तर पर ढञ्ञ प्रमाणन वाले किसानों के लिए भी अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच का रास्ता खुल सकता है.

कोल्ड स्टोरेज से पैकेजिंग तक मिलेगा इंफ्रास्ट्रक्चर

जैविक और प्राकृतिक उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने के लिए क्लस्टर विकसित किए जाएंगे. चयनित क्लस्टरों में कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग यूनिट, पैकेजिंग, ग्रेडिंग और सुखाने जैसी बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के लिए वित्तीय मदद दी जाएगी. झारखंड में टमाटर, मटर, अन्य सब्जियों और मोटे अनाज यानी मिलेट्स का उत्पादन बड़े स्तर पर होता है. पर्याप्त भंडारण की सुविधा नहीं होने के कारण कई बार उत्पाद खराब हो जाते हैं. पीकेवीवाइ और आरकेवीवाइ जैसी योजनाओं के तहत चयनित क्लस्टरों में आधुनिक भंडारण, ग्रेडिंग और पैकेजिंग की सुविधा मिलने से किसानों को इसका लाभ मिल सकता है.

महुआ, चिरौंजी और करंज जैसे उत्पादों को मिल सकती है पहचान

झारखंड के जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे उत्पाद मिलते हैं, जो प्राकृतिक रूप से तैयार होते हैं. इनमें करंज, करंज हनी, चिरौंजी और महुआ जैसे उत्पाद शामिल हैं. नई नीति के तहत ऐसे प्राकृतिक उत्पादों को भी बाजार उपलब्ध कराने और उनकी पहचान बढ़ाने पर जोर दिया जा सकता है. इसके अलावा राज्य के विशेष और जीआइ टैग वाले उत्पादों की पहचान कर उन्हें वैश्विक बाजार में प्रमोट करने की संभावना भी है. इससे जंगलों पर निर्भर रहने वाले स्थानीय संग्राहकों को भी बाजार का लाभ मिल सकता है.

नेशनल ब्रांड से सीधे बाजार तक पहुंचेंगे किसान

नेशनल को-ऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (ठउडछ) की ओर से तैयार किए जा रहे 'नेशनल ब्रांड' से झारखंड के किसानों के जैविक उत्पादों को जोड़ने की योजना है. इससे उत्पादों को बड़ी कंपनियों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और घरेलू रिटेल चेन तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है. इस व्यवस्था से किसानों की बाजार तक सीधी पहुंच बढ़ने और बिचौलियों पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है. उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग, प्रमाणन और ब्रांडिंग के जरिए झारखंड के जैविक उत्पादों को देश के साथ-साथ विदेशों में भी पहचान दिलाने की कोशिश होगी.

टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़े 88 युवा, मरीजों को देंगे मनोवैज्ञानिक सहारा

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्थानीय बिरसा कॉलेज में मंगलवार को कॉलेज के विद्यार्थियों और एनएसएस कैडेट्स के बीच टीबी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया.

कार्यक्रम में युवाओं से टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़ने की अपील की गयी.

इस दौरान टीबी मुक्त भारत मोबाइल एप के माध्यम से कुल 88 विद्यार्थियों व युवाओं का माई भारत वालंटियर के रूप में पंजीकरण किया गया.

इनमें 14 एनएसएस कैडेट्स और 74 अन्य युवा शामिल हैं.

डीपीसी मोहन मुंडा ने बताया कि माई भारत वालंटियर के रूप में पंजीकृत युवा जिले में इलाजरत टीबी मरीजों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने में सहयोग करेंगे.

कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्या डॉ. पुष्पा सुरीन, प्रोफेसर डॉ. जया कच्छप, डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, राजकुमार गुप्ता, रविंद्र राम, विजय कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे.

बर्फ के गणेश से झारखंड की संस्कृति तक

साहिबगंज में इस बार खास गणेश मेला ने जीता श्रद्धालुओं का दिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

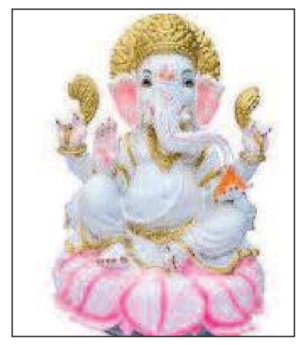

साहिबगंज। गणेश चतुर्थी, तीज और चकचंदा (चौरचन या चौठचंद्र) को लेकर साहिबगंज शहर समेत पूरे जिले में धार्मिक उत्साह का माहौल है. गणेश पूजा को लेकर विभिन्न पूजा समितियों की ओर से भव्य तैयारी की गयी है. कई समितियां 15 सितंबर को गणेश प्रतिमा स्थापित कर पूजा शुरू करेंगी, जबकि कुछ पूजा समितियों ने मंगलवार दोपहर से ही प्रथम पूज्य भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजन की तैयारी शुरू कर दी है. शहर के अलग-अलग हिस्सों में पूजा पंडाल सजकर तैयार हैं और शाम होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने की उम्मीद है. इस बार विभिन्न पूजा समितियों ने अलग-अलग थीम पर पंडाल और प्रतिमा तैयार की है.

शहर के कई इलाकों में विराजेंगे गणपति

सकरूगढ़ नवीन कला बड़ी गणेश पूजा समिति, पोखरिया गणेश पूजा समिति, केलाबाड़ी धनगढसी गणेश पूजा समिति, रामपुर दहला गणेश पूजा समिति, गुल्ली भट्टा पांच मोड़ गणेश पूजा समिति, जड्डू मोड़ गणेश पूजा समिति और सब्जी मंडी गणेश पूजा समिति समेत कई स्थानों पर गणेश प्रतिमा स्थापित की जा रही है. शहीद चौक-बघवा कुआं के पास, कॉलेज रोड के एन क्लब के समीप समेत अन्य स्थानों पर भी गणेश पूजा को लेकर विशेष तैयारी की गयी है.

कहीं झारखंड की संस्कृति तो कहीं बर्फ की प्रतिमा

इस बार गणेश पूजा में अलग-अलग थीम श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी. सकरूगढ़ नवीन कला मंदिर की ओर से झारखंड की संस्कृति और उसकी खूबसूरत कला को पूजा पंडाल की थीम में शामिल किया गया है. प्रसिद्ध कलाकार श्याम विश्वकर्मा ने झारखंड की संस्कृति को कलात्मक रूप देने का काम किया है. वहीं शांति नगर पोखरिया संगम संघ की ओर से इस बार बर्फ से बनी गणेश प्रतिमा स्थापित की गयी है.

संघ के संतोष कुमार और रोशन कुमार ने बताया कि श्रद्धालु बर्फ से बनी गणेश प्रतिमा का दर्शन शाम 5 बजे से रात तक कर सकेंगे.

गणेश पूजा के साथ विश्वकर्मा पूजा का भी मिलेगा आनंद

इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए गणेश पूजा और विश्वकर्मा पूजा का उत्सव एक साथ देखने का अवसर मिल रहा है. पूजा समितियों की ओर से आकर्षक पंडाल, भव्य प्रतिमा, विद्युत सज्जा और मेला की व्यवस्था की गयी है.

शहर के कई पूजा पंडालों में गणेश प्रतिमा का विसर्जन 18 सितंबर को किया जाएगा.

मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

गणेश पूजा और मेले में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं.

भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों और मेला क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है. टाइगर मोबाइल गश्ती दल भी लगातार गश्त कर रहे हैं. इसके अलावा चौक-चौराहों और प्रमुख पूजा पंडालों के आसपास मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की तैनाती की गयी है, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा और मेला घूमने के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो.

चैंबर चुनाव में लातेहार के अमित किशोर अग्रवाल ने दर्ज की शानदार जीत

पलामू प्रमंडल का बढ़ाया मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। अमित किशोर अग्रवाल ने फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिष्ठित चुनाव में जीत हासिल की है.

इस जीत से उन्होंने न सिर्फ लातेहार बल्कि पूरे पलामू प्रमंडल का गौरव बढ़ाया है.

अमित किशोर अग्रवाल पूरे पलामू प्रमंडल से फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में चुने गए इकलौते प्रतिनिधि हैं.

21 विजेताओं में हासिल किया 18वां स्थान

इस चुनाव में टीम तुलसी के 13 प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की, जबकि टीम मुकेश अग्रवाल के आठ प्रत्याशियों ने सफलता हासिल की. अमित किशोर अग्रवाल टीम मुकेश अग्रवाल की ओर से चुनावी मैदान में थे और वे 1344 वोट हासिल करके 21 विजयी प्रत्याशियों में 18वें स्थान पर रहे. अमित शहर के जाने-माने व्यवसायी व श्रीराम इवेंट के मालिक रामनाथ अग्रवाल के सुपुत्र और श्याम किशोर अग्रवाल के अनुज हैं.

व्यापारियों और शुभचिंतकों को दिया जीत का श्रेय

अपनी ऐतिहासिक जीत पर अमित किशोर अग्रवाल ने परिजनों, शुभचिंतकों और समस्त व्यापारी वर्ग का आभार जताया.

उन्होंने कहा कि यह जीत सामूहिक प्रयासों का परिणाम है और इससे उनकी जिम्मेदारियां और अधिक बढ़ गई हैं. उनकी इस उपलब्धि पर शमशाद आलम, मनोज विश्वकर्मा, संजय कुमार, अनिल सिंह, पवन कुमार, दिलीप कुमार और जावेद अख्तर सहित कई गणमान्य लोगों एवं लातेहारवासियों ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं.

महाराष्ट्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया से की मुलाकात

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महाराष्ट्र से झारखंड दौरे पर पहुंचे सामाजिक कार्यकताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने खूंटी जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया से मुलाकात की। इस दौरान झारखंड की #समृद्ध आदिवासी संस्कृति, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और विचारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का आदान-प्रदान किया गया। मुलाकात के दौरान आदिवासी समाज के विकास, उत्थान, संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार, शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक सशक्तीकरण समेत विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने झारखंड के आदिवासी समाज की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को समझने में विशेष रुचि दिखाई। जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने महाराष्ट्र से आए सामाजिक कार्यकताओं का स्वागत करते हुए झारखंड की आदिवासी संस्कृति, परंपरा और ऐतिहासिक संघर्षों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों, संस्कृति और परंपराओं को समझने तथा देश के विभिन्न राज्यों के आदिवासी समुदायों के बीच आपसी संवाद और एकजुटता को मजबूत करने की आवश्यकता है। प्रतिनिधिमंडल में महाराष्ट्र से आए सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णा गवित, काशीराम चौरे, बसंत गवित, विनय गवित, लुइस गवित, डॉ. राकेश कुमार बलवी, भीम सिंह बलवी, लता बलवी, महिपाल गवित, गोपाल गवित एवं विशाल गैथ सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुलाकात के दौरान झारखंड और महाराष्ट्र के आदिवासी समाज के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक संवाद को और मजबूत करने तथा आदिवासी समाज के व्यापक हितों से जुड़े मुद्दों पर मिलकर काम करने को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

संक्षिप्त समाचार

पूर्णियां में ठनका गिरने से एक कि मौत, एक जख़्मी और तीन पशु कि मौत

पूर्णियां, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पूर्णियाँ जिले में आज दिन में करीब 11 बजकर 40 मिनट पर हुई तेज आंधी -बारिस में राहुवा पंचायत में ठनका गिरने से एक 5 वर्ष कि बच्ची कि मौत हो गई वहीं एक महिला घायल है जिसका इलाज जिले के सदर स्पताल में चल रहा है। वहीं ठनका से राहुवा पंचायत के अंतर्गत अलग अलग जगहों पर दो भैंस और एक गाय के भी मरने कि खबर है। ग्रामीणों के अनुसार आज दोपहर अचानक आई तेज आंधी बारिश में मारंगा थाना अंतर्गत राहुवा पंचायत के सतकुदरिया टोले में सत्तो यादव कि नतनी मनीषा उम्र पांच वर्ष पानी लाने केलिए चपकल पर गई थी, इसी दौरान अचानक घर के बगल में ठनका गिरा जिसके चपेट में आकर इसकी तत्काल मौत हो गई वहीं इसी ठनका के चपेट में आकर ब्रह्मदेव यादव कि पत्नी गीता देवी घायल हो गई वहीं पास खड़ी गाय भी इस के चपेट में आगई जिससे गाय कि मौत हो गई। वहीं राहुवा पंचायत के ही कल्याणपुर टोले के श्यामलाल शर्मा कि दो भैंस भी ठनका में मरने कि खबर है।

खूंटी में बढ़ रहा सर्पदंश का कहर, 7 महीने में 88 मामले; 3 की मौत

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवादाता। जिले में इन दिनों सर्पदंश की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं. आये दिन सांप के डंसने से लोगों के बीमार होने और मौत की खबरें सामने आ रही हैं. सदर अस्पताल में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जनवरी से जुलाई के अंत तक जिले में सर्पदंश के 88 मामले सामने आये हैं. इनमें आधिकारिक रूप से तीन लोगों की मौत हुई है.

वहीं अगस्त और सितंबर में भी सर्पदंश के कई मामले सामने आये हैं, हालांकि इनका आधिकारिक आंकड़ा अभी उपलब्ध नहीं है. एक दिन पहले ही अड़की प्रखंड के जोरको गांव में सर्पदंश से सुरजू देवी की मौत हो गयी.

जुलाई में सर्वाधिक 33 मामले

सदर अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार जनवरी में सर्पदंश के दो, फरवरी में तीन, मार्च में चार, अप्रैल में 11, मई में 13, जून में 22 और जुलाई में सर्वाधिक 33 मामले सामने आये. इस दौरान तीन लोगों की मौत हुई.

आंकड़ों से स्पष्ट है कि बारिश और गर्मी के मौसम में सर्पदंश की घटनाओं में तेजी आयी है.

अंधविश्वास के कारण चली जाती है जान

सर्पदंश के बाद समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण कई लोगों की जान चली जाती है. अड़की के जोरको गांव की सुरजू देवी के मामले में भी यही सामने आया. 12 सितंबर की रात सांप ने उन्हें डंस लिया था. इसकी जानकारी होने के बाद परिजन तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने चले गये. झांड-फूंक के चक्कर में काफी समय बीत गया. बाद में जब महिला को अस्पताल पहुंचाया गया, तब तक उसकी स्थिति गंभीर हो चुकी थी और उसकी जान नहीं बचायी जा सकी.

इसी प्रकार जिले में सामने आये कई अन्य मामलों में भी सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक कराने में समय गंवाने की बात सामने आती रही है. चिकित्सकों का कहना है कि सर्पदंश के बाद हर मिनट महत्वपूर्ण होता है. जो लोग बिना समय गंवाये अस्पताल पहुंचते हैं, उनके बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है.

एसआईआर पर डीसी की दो टूक: अफवाहों पर नहीं, अधिकृत सूचना पर करें भरोसा

गिरिडीह में 18.37 लाख मतदाता, 2,586 मतदान केंद्र; प्रपत्र-6 से 39,458 आवेदन प्राप्त

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जिले में चल रही प्रक्रिया और आगामी कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्क्रू से जुड़ी किसी भी अफवाह, भ्रम या अपुष्ट सूचना पर नागरिक ध्यान न दें और केवल अधिकृत माध्यमों से प्राप्त जानकारी पर भरोसा करें।डीसी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित थी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों के संबंध में नोटिस और उनके निस्तारण की प्रक्रिया 14 अक्टूबर तक चलेगी। इसके बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। सभी दावों और आपत्तियों का संबंधित प्रावधानों के तहत जांच एवं सत्यापन के बाद नियमानुसार निस्तारण होगा।

जिले में 18,36,997 मतदाता

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि गिरिडीह जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों में कुल 2,586 मतदान केंद्र हैं। वर्तमान मतदाता सूची में कुल 18,36,997 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 9,47,355 पुरुष, 8,89,618 महिला और 24 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

प्रपत्र-6 से आए 39,458 आवेदन 06 अगस्त से 14 सितंबर तक मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए प्रपत्र-6 के माध्यम से 39,458 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 1,230 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं, जबकि दो मामलों में नाम शामिल किए जाने की प्रक्रिया दर्ज की गई है। इस अवधि में किसी आवेदन को अस्वीकृत नहीं किया गया है। विधानसभा क्षेत्रवार प्रपत्र-6 के आवेदन में बगोदर 10,404, डुमरी 6,831, धनवार 6,423, जमुआ 5,455, गांडेय 5,369 और गिरिडीह 4,976 आवेदन प्राप्त हुए हैं। नाम जोड़ने से लेकर संशोधन तक के लिए अलग-अलग प्रपत्र डीसी ने बताया कि मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए प्रपत्र-6, नाम विलोपन के लिए प्रपत्र-7 तथा नाम, पता अथवा अन्य विवरण में संशोधन और मतदान केंद्र से संबंधित आवश्यक परिवर्तन के लिए प्रपत्र-8 का उपयोग किया जाता है। सभी आवेदनों का नियमानुसार जांच-पड़ताल के बाद निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 01 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले अथवा उससे अधिक उम्र के पात्र सामान्य निवासी, जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, प्रपत्र-6 के माध्यम से नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। यदि परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं या वर्तमान मतदान केंद्र आवास से काफी दूर है, तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रपत्र-8 के माध्यम से सुविधाजनक मतदान केंद्र के लिए अनुरोध किया जा सकता है। बीएलओ से लें सही जानकारी उपायुक्त रामनिवास यादव ने नागरिकों से अपील की कि एसआईआर को लेकर फैल रही किसी भी अफवाह या अपुष्ट सूचना पर भरोसा न करें। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, स्थानांतरण या संशोधन से जुड़ी जानकारी के लिए अपने बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और शुचिता प्रशासन की प्राथमिकता है। प्रत्येक दावा, आपत्ति और आवेदन का परीक्षण निर्धारित नियमों के अनुसार किया जाएगा। पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण अवश्य जांचें तथा आवश्यकता होने पर निर्धारित समय सीमा में संबंधित प्रपत्र के माध्यम से आवेदन करें।

कलश यात्रा के साथ दस दिवसीय गणेश पूजन प्रारंभ

बड़ी संख्या में रही महिलाओं की भागीदारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिले के मुरहू प्रखंड में गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर कलश यात्रा के साथ दस दिवसीय गणेश पूजन समारोह का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव और धार्मिक उत्साह के साथ कलश यात्रा में भाग लिया।

महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मंगल गीतों के साथ यात्रा निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।कलश यात्रा के पश्चात विधि-विधान से भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना एवं प्रतिमा स्थापना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और गणपति बप्पा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश को दूर्वा, पुष्प, फल एवं मोदक अर्पित कर सुख-समृद्धि और विघ्नों के निवारण की प्रार्थना की।

कार्यक्रम में शशि गुप्ता,सुरेश प्रसाद, हरिद्वार ठाकुर, मनोज गुप्ता, मिथिलेश ठाकुर, कुंदन गुप्ता, प्रेम गुप्ता,लाला गुप्ता,बंटा प्रसाद,रामा प्रसाद,धीरज प्रसाद, सुरेश अकेला, रंजीत प्रसाद, अमर सिंह सहित अभिवाहक मंडली में सुबोध कुमार, डॉ डीएन तिवारी, अर्जुन साव, रामहरि साव, अरुण साबू आदि हैं।

कलश यात्रा के साथ दस दिवसीय गणेश पूजन प्रारंभ

आयोजकों के अनुसार आगामी दस दिनों तक प्रतिदिन पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, आरती एवं प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अंतिम दिन श्रद्धाभाव के साथ गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

सुदिव्य सोनू की बारहवीं को लेकर बदली ट्रैफिक व्यवस्था, 17 को शहर में भारी वाहनों की नो-एंट्री

सुबह 9 बजे से रात 11.59 बजे तक रहेगा प्रतिबंध, बड़ी भीड़ और वीवीआईपी-वीआईपी आगमन को देखते हुए प्रशासन का फैसला

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। दिवंगत मंत्री एवं गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के श्राद्ध (बारहवीं) कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने तथा वीवीआईपी-वीआईपी के आगमन की संभावना को देखते हुए 17 सितंबर को गिरिडीह शहरी क्षेत्र में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश और आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। अनुमंडल पदाधिकारी सह अनुमंडल दंडाधिकारी, गिरिडीह की ओर से जारी आम सूचना के अनुसार यह प्रतिबंध 17 सितंबर की सुबह 9 बजे से रात 11:59 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान भारी मालवाहक वाहनों को शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

प्रशासन ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान संभावित भीड़ और बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि आम लोगों का आवागमन सुगम और सुरक्षित रहे तथा यातायात एवं विधि-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके। यातायात व्यवस्था को लेकर संबंधित पदाधिकारियों और पुलिस बल को विशेष निगरानी रखने तथा आदेश का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

प्रशासन ने वाहन चालकों और शहरवासियों से निर्धारित अवधि में प्रतिबंध का पालन करने तथा पुलिस-प्रशासन के दिशा निर्देशों में सहयोग करने की अपील की है। प्रशासन ने आम लोगों से यह भी अपील की है कि कार्यक्रम के दौरान अनावश्यक रूप से सड़क पर भीड़ न लगाएं और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सहयोग करें।

दुबही सीमा से कुख्यात एवं आदतन अपराधी महिला तस्कर 'चाची' गिरफ्तार

एसएसबी और बिहार पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधुबनी। बिहार के मधुबनी जिला में 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के जी समवाय, जानकीनगर एवं बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने आसूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में सक्रिय एक कुख्यात एवं आदतन महिला तस्कर को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

उक्त कार्रवाई मंगलवार को 48वीं वाहिनी एसएसबी के सहायक कमांडेंट पारस राठी एवं बासोपट्टी थानाध्यक्ष कार्तिक भगत के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या-277/46 से लगभग 10 मीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में दुबही बाजार के पास जानकीनगर समवाय के कार्यक्षेत्र में कार्रवाई करते हुए हीरा देवी महासेठ उर्फ चाची को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार महिला की पहचान नेपाल के धनुषा जिला के दुबही बाजार निवासी हीरा देवी महासेठ उर्फ चाची रूप में हुई है। गिरफ्तार महिला के संबंध में उपलब्ध जानकारी के अनुसार वह आदतन अपराधी एवं लंबे समय से फरार अभियुक्त रही है। उसके विरुद्ध तस्करी से संबंधित कई प्राथमिकी दर्ज हैं तथा वह मादक पदार्थ, जाली भारतीय मुद्रा (त्रञ्ञठ), शराब एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी से संबंधित मामलों में संलिप्त रही है। यह कार्रवाई जी समवाय जानकीनगर, 48वीं वाहिनी द्वारा विकसित स्वयं की आसूचना के आधार पर की गई, जिसके आधार पर संयुक्त टीम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए उक्त महिला को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के पश्चात मामले की गंभीरता एवं महिला की आपराधिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, मधुबनी, ठञ्ञ पटना, सीमांत मुख्यालय पटना की पूछताछ टीम तथा राज्य की टीम द्वारा थाना बासोपट्टी पहुंचकर गिरफ्तार महिला से पूछताछ की गई।

गिरफ्तार महिला को आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु थाना बासोपट्टी। जिला मधुबनी को सुपुर्द कर दिया गया है।

इधर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर एसएसबी के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने बताया कि कुख्यात एवं आदतन महिला तस्कर की गिरफ्तारी 48वीं वाहिनी के लिए एक बड़ी एवं महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

डीवीसी में हिन्दी पखवाड़ा का समापन

विजेताओं को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंद्रपुरा। दामोदर घाटी निगम के चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2026 का मंगलवार को तेजस भवन में भव्य समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी ने कहा कि हिन्दी केवल राजभाषा ही नहीं, बल्कि आपसी संवाद और कार्यालयीन कार्यों को सरल एवं प्रभावी बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने की अपील की।

वरीय महाप्रबंधक राजेश कुमार और उप महाप्रबंधक नीरज सिन्हा ने भी हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने और राजभाषा संबंधी कार्यों में सक्रिय सहभागिता पर जोर दिया।

पखवाड़े के दौरान हिन्दी आशुभाषण, कविता पाठ, प्रशासनिक शब्दावली एवं टिप्पण-आलेखन और लघु निबंध जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। हिन्दी और हिन्दीत्तर भाषी वर्गों में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निर्णायक मंडली के सदस्य रंजीत कुमार निराला, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव और पूनम कुमारी को भी सम्मानित किया गया। समारोह में डीवीसी के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग और राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

दो वाहनों की टक्कर में दो घायल

पेटरवार। थाना क्षेत्र के एनएच-23 रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर पटेल होटल के समीप मंगलवार को दो वाहनों के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के दौरान एक अर्टिगा कार भी अनियंत्रित होकर कंटेनर से जा टकराई। दुर्घटना में कंटेनर चालक और उपचालक घायल हो गए, जबकि अर्टिगा में सवार लोग बाल-बाल बच गए।

जानकारी के अनुसार, रामगढ़ से बोकारो जा रहे मिल्क टैंकर और बोकारो से रामगढ़ जा रहे वाहन के बीच पटेल होटल के पास टक्कर हुई। इसी दौरान पीछे से आ रही अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर कंटेनर से टकरा गई। टक्कर में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में कंटेनर चालक पतरातू निवासी मो. शमीम अंसारी, उम्र 45 वर्ष, के पैर में चोट लगी, जबकि उपचालक विक्रम करमाली, उम्र 23 वर्ष, के चेहरे पर चोट आई। दोनों घायलों को पेटरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है।

बीएसएल में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन एवं राजभाषा पखवाड़ा के सफल आयोजन के उद्देश्य से संपर्क एवं प्रशासन विभाग के राजभाषा अनुभाग द्वारा अधिशासी निदेशक (संकार्य) के सेमिनार हॉल में हिंदी अधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी एवं अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) ए के सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए राजभाषा पखवाड़ा के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी साझा की।

तत्पश्चात राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर भारत सरकार के माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी तथा इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा के संदेशों का वाचन किया गया। अपने संदेशों के माध्यम से उन्होंने राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सभी को प्रेरित किया।

उल्लेखनीय है कि बोकारो इस्पात संयंत्र में 14 से 28 सितंबर 2026 तक राजभाषा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान संयंत्र के अधिशासियों एवं अनधिशासियों के बीच हिंदी के प्रति रुचि एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

बैठक के दौरान राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी, व्यापक एवं सहभागी बनाने के संबंध में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सभी विभागाध्यक्षों एवं हिंदी अधिकारियों से अपने-अपने विभागों से अधिकाधिक कर्मचारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने तथा हिंदी को कार्यालयीन कार्य-संस्कृति का अभिन्न अंग बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयासों को और गति प्रदान करने पर विशेष बल दिया गया।

लोक संवाद में उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं, लोक संवाद कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में कुल 31 मामलों की क्रमवार सुनवाई की गई।

इस दौरान आमजनों ने भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, जमीन पर कब्जा, सामाजिक सुरक्षा, राशन कार्ड, स्वास्थ्य समेत सीओ चास, सामान्य शाखा और सीओ चंद्रपुरा से संबंधित समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों से मामलों की जानकारी लेते हुए सभी आवेदनों पर नियमानुसार और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि लोक संवाद का उद्देश्य केवल समस्याएं सुनना नहीं, बल्कि उनके प्रभावी और समयबद्ध समाधान की दिशा में पहल करना है। उन्होंने अधिकारियों को आवेदनों की गंभीरता से जांच करने तथा पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिलाने का निर्देश दिया।

भूमि संबंधी मामलों में दस्तावेज और अभिलेखों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। वहीं सामाजिक सुरक्षा और राशन कार्ड से जुड़े मामलों में पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिलाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि जनसमस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

मौके पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार, प्रभारी पदाधिकारी हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार समेत संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

तंबाकू के दुष्प्रभाव से छात्रों को किया गया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। मंगलवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय दरहाबेड़ा, कंडेर, गोमिया तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय संथाल लाघला, चंदनकियारी में तंबाकू के दुष्परिणाम विषय पर जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों ने की।

जिला परामर्शी मो. असलम ने विद्यार्थियों को तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तंबाकू उत्पादों में 4000 से अधिक जहरीले तत्व पाए जाते हैं, जो कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, अस्थमा और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि तंबाकू के सेवन से प्रजनन क्षमता में भी कमी आ सकती है और यह टीबी के खतरे को बढ़ाता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की। साथ ही बताया कि तंबाकू छोड़ने के लिए सदर अस्पताल स्थित तंबाकू नशा मुक्ति केंद्र से संपर्क किया जा सकता है।

सीएचओ सोशन केरकेट्टा और नितीश कुमार ने भी तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्राचार्य, शिक्षकगण, जिला परामर्शी मो. असलम, सीएचओ सोशन केरकेट्टा, नितीश कुमार समेत विद्यालय के अन्य कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

होमगार्ड नियुक्ति का विज्ञापन जारी करने की तैयारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने छात्र प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी मांगों और समस्याओं पर संवाद किया। बैठक में मुख्य रूप से जिले में होमगार्ड नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर चर्चा हुई।

उपायुक्त ने होमगार्ड विभाग के सर्किल इंस्पेक्टर एस. दास को प्रखंडवार रिक्त पदों का विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं जिला स्थापना शाखा को रोस्टर क्लियरेंस संबंधी प्रस्ताव तैयार कर समर्पित करने को कहा गया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि रोस्टर क्लियरेंस की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नियुक्ति को लेकर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने छात्र प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि दीपावली तक होमगार्ड के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरी नियुक्ति प्रक्रिया नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ाई जाएगी।

पीसीसी एलएसी की बैठक में 18 मामलों पर निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त-सह-क्षेत्रीय निदेशक, जियाडा, बोकारो क्षेत्र अजय नाथ झा की अध्यक्षता में पीसीसी/एलएसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लीज होल्ड राइट ट्रांसफर और अतिरिक्त आइटम/आइटम परिवर्तन से जुड़े कुल 18 मामलों पर विचार-विमर्श के बाद नियमानुसार निर्णय लिया गया। इनमें 10 मामले लीज होल्ड राइट ट्रांसफर और 8 मामले अतिरिक्त आइटम एवं आइटम परिवर्तन से संबंधित थे। बैठक में उपायुक्त ने बोकारो में औद्योगिक विकास को गति देने के साथ विस्थापितों और स्थानीय निवासियों को रोजगार में प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित छोटे-बड़े उद्योग औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उद्योगों को स्थानीय युवाओं और विस्थापित परिवारों के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करनी चाहिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न उद्योगों में उपलब्ध और सृजित रोजगार के अवसरों की उद्योगवार जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की संभावनाओं को बढ़ाने और कौशलयुक्त युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में जियाडा, जेबीवीएनएल, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, बैंक ऑफ इंडिया, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी और अनुसूचित जाति एवं जनजाति उद्यमी विकास संघ, बोकारो के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वैशाली मोड़ में बुद्ध मंदिर की थीम पर बनेगा दुर्गापूजा पंडाल

नवबिहार टाइम्सा संवाददाता

बोकारो। आगामी दुर्गापूजा को लेकर बोकारो के सेक्टर-9 स्थित वैशाली मोड़ मैदान में श्रीश्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की ओर से मंगलवार को विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन के साथ ही दुर्गोत्सव की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ हो गया।

इस वर्ष समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए बुद्ध मंदिर की थीम पर भव्य पूजा पंडाल तैयार कराया जाएगा। समिति के अनुसार पंडाल करीब 110 फीट ऊंचा और 150 फीट चौड़ा होगा। इसका डिजाइन समिति ने स्वयं तैयार किया है। पंडाल के निर्माण और सजावट पर करीब 20 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।

भूमि पूजन के दौरान समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर सफल और शांतिपूर्ण आयोजन की कामना की। समिति का कहना है कि पंडाल को आकर्षक बनाने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष शशि भूषण कुमार उर्फ गिन्नी बाबा, उपाध्यक्ष विकास पाण्डेय, महासचिव रवि रंजन कुमार, उप महासचिव शुभम सिंह, कोषाध्यक्ष प्रभाकर कुमार महतो, उप कोषाध्यक्ष विवेक कुमार राय सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। भूमि पूजन के साथ ही पंडाल निर्माण का काम भी शुरू कर दिया गया है। समिति को उम्मीद है कि बुद्ध मंदिर की थीम पर बनने वाला यह पंडाल वैशाली मोड़ और आसपास के लोगों के लिए दुर्गापूजा में विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा।

निजी फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी, गिरफ्तार

इंस्टाग्राम की दोस्ती बनी मुसीबत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के बाद युवती को निजी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देने के मामले में धनसार थाना पुलिस ने आरोपी युवक को बिहार के मोतिहारी से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को नेपाल बॉर्डर के समीप से पकड़ा। कोर्ट में पेशी के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली ने बताया कि थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती की इंस्टाग्राम के जरिए मोतिहारी निवासी युवक से दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और दोस्ती गहरी हो गई। इसी दौरान आरोपी ने युवती के निजी फोटो और वीडियो हासिल कर लिए।

आरोप है कि बाद में युवक ने इन्हीं निजी फोटो और वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर युवती को परेशान करना शुरू कर दिया। इससे परेशान युवती ने मामले की शिकायत धनसार थाना पुलिस से की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और आरोपी की लोकेशन का पता लगाया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मोतिहारी में नेपाल बॉर्डर के समीप से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे धनबाद लाया गया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

बीएकेएस ने आंदोलन का किया ऐलान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ यानी बीएकेएस ने मंगलवार को मजदूर मैदान में सदस्यों के साथ बैठक कर अपने आंदोलन के पहले चरण की घोषणा की। यूनियन ने बताया कि 21 और 22 सितंबर को बीएसएल के सभी कर्मचारी सभी शिफ्टों में अपने लंबित 45 मुद्दों के समर्थन में काला बैज या काली पट्टी लगाकर काम करेंगे। काले बैज पर कर्मचारियों की प्रमुख लंबित मांगों को अंकित किया जाएगा।वहीं 23 सितंबर से 1 अक्टूबर तक बोकारो इस्पात संयंत्र के प्रमुख विभागों के विभागाध्यक्ष कार्यालय के समक्ष सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यूनियन के अनुसार, 27 सितंबर को आयोजित आमसभा में आंदोलन के अगले चरण और आमरण अनशन की तिथि की घोषणा की जाएगी।बीएकेएस ने बोनस फॉमूर्ला में संशोधन, श्रम कानूनों को लागू करने और इंसेंटिव फॉमूर्ला में संशोधन समेत लंबित मांगों को पूरा करने की मांग की है।

छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संत जेवियर्स विद्यालय, बोकारो स्टील सिटी के विद्यार्थियों ने मंगलवार को ह्यपर्यावरण जागरूकता मानव श्रृंखलाह्न का आयोजन किया। विद्यालय के प्राचार्य फादर अरुण मिंज, एस.जे. के मार्गदर्शन में राम मंदिर से पथरकट्टा चौक तक विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाई। इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के साथ शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी सहभागिता की।

मानव श्रृंखला में शामिल विद्यार्थियों के हाथों में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संदेशों वाले बैनर और पोस्टर थे। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक शिक्षा और पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के साथ जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सामूहिक एवं ठोस प्रयासों की आवश्यकता का संदेश दिया।

विद्यार्थियों की अनुशासित और उत्साहपूर्ण भागीदारी ने राहगीरों का ध्यान आकर्षित किया। आसपास से गुजर रहे लोगों ने भी विद्यालय की पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

विद्यालय की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को ह्यपर्यावरण योद्धाह्न बनने के लिए प्रेरित करना और उनमें पर्यावरण संरक्षण, जलवायु न्याय, मानवशीलता तथा सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में फादर थॉमस रॉड्रिक्स, उप-प्रधानाचार्य देबाशीष गुप्ता, दीपक चौधरी, सिस्टर अनुपमा, सिस्टर सुनीता सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कबड्डी प्रतियोगिता में चैंपियन टीम का उपायुक्त ने बढ़ाया हौसला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। साहिबगंज में 12 से 14 सितंबर तक आयोजित 20वीं झारखंड राज्य जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में बोकारो की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बालक वर्ग का खिताब अपने नाम किया। मंगलवार को विजेता बनकर बोकारो लौटे खिलाड़ियों से उपायुक्त अजय नाथ झा ने मुलाकात की और प्रत्येक खिलाड़ी से हाथ मिलाकर उनका हौसला बढ़ाया।

उपायुक्त ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सफलता जिले के अन्य युवाओं को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।इस मौके पर उपायुक्त ने 20वें एशियन गेम्स, नागोया (जापान) में कबड्डी के तकनीकी पदाधिकारी के रूप में जिले के विपिन कुमार सिंह के चयन पर भी खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह बोकारो जिले के लिए गौरव की बात है और विपिन कुमार सिंह को शुभकामनाएं दीं।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रोत्साहन देकर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

मौके पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, जिला खेल समन्वयक चंद्रभूषण शुक्ला, कबड्डी संघ के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर, सचिव विपिन कुमार, प्रशिक्षक समेत विजेता टीम के सभी खिलाड़ी मौजूद रहे।

बढ़ाई गई एसआईआर की तिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखण्ड श्री के. रवि कुमार ने राज्य के सभी पात्र भारतीय नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि जो नागरिक विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची में अभी तक शामिल नहीं हैं, वे अब 30 सितम्बर तक के माध्यम से अथवा अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म-6 एवं आवश्यक घोषणा पत्र अवश्य जमा करें।उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा को देखते हुए एसआईआर के तहत दावा-आपत्ति की पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 4 सितम्बर को बढ़ाते हुए 15 सितम्बर किया गया था, विभिन्न स्टेकहोल्डर के माध्यम से प्राप्त हो रहे अनुरोध एवं प्राप्त हो रहे फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्मझ्र8 की संख्या को देखते हुए दावा आपत्ति की तिथि अंतिम बार बढ़ाकर 30 सितम्बर कर दिया गया है। इससे उन पात्र भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा, जिनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है। इसके साथ-साथ फॉर्म 7 के माध्यम से मतदाता सूची से नाम विलोपित करने हेतु आपत्ति दर्ज एवं फॉर्म 8 के माध्यम से अपने संबंधित मतदान केंद्र हेतु नाम स्थानांतरित एवं प्रविष्टियों में सुधार करा सकते हैं।

श्री के. रवि कुमार ने कहा कि ऐसे सभी पात्र भारतीय नागरिक, जो 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं और जिनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे इस अतिरिक्त अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर फॉर्म-6 अवश्य भरें।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होना प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण है। एसआईआर के तहत तैयार मतदाता सूची को भविष्य में संदर्भ के लिए संधारित किया जाएगा। वर्तमान एसआईआर में 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग के आधार पर संबंधित मतदाताओं एवं उनके बच्चों को दस्तावेज संबंधी प्रक्रिया में सुविधा प्राप्त हो रही है। इसी प्रकार वर्तमान एसआईआर में नाम शामिल होने से भविष्य में संबंधित मतदाता एवं उनके बच्चों को आवश्यकतानुसार सुविधा मिलेगी।

प्रतिष्ठित व्यवसायी रतन लाल जैन छाबड़ा का निधन

क्षेत्र में शोक की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पेटरवार। पेटरवार के प्रतिष्ठित व्यवसायी रतन लाल जैन छाबड़ा (89) का मंगलवार की सुबह उनके आवास पर निधन हो गया। उनके निधन की खबर से व्यवसायिक जगत सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। लोगों ने उनके निधन को समाज और व्यवसायिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

जानकारी के अनुसार, तबीयत बिगड़ने के बाद परिजनों ने उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची रेफर किया, जहां वेदांता अस्पताल में उनका इलाज चला। स्थिति में सुधार नहीं होने पर चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें वापस घर लाया गया। इसके बाद मंगलवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।

उनका अंतिम संस्कार चरगी पंचायत स्थित अम्बागढ़ा तट पर किया गया, जहां वे पंचतत्व में विलीन हो गए। गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी अंतिम संस्कार में शामिल हुए और पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवंगत आत्मा को नमन करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

रतन लाल जैन छाबड़ा के निधन पर पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, जिला परिषद सदस्य प्रह्लाद महतो, बुंडू मुखिया निहारिका सुकृति, पंचायत समिति सदस्य सीमा देवी समेत व्यवसायिक संघ के सदस्यों और क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया।सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो, स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येन्द्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नम्बर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/0/55
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com